

# व्यवस्था विवरण

## मूसा इस्त्राएल क मनइयन स बतियात ह

1 मूसा क जरिये इस्त्राएल क मनइयन क दीन्ह गवा सँदेसा इ अहइ। उ ओनका इ सँदेसा तबहिं दिहे रहा जब उ पचे यरदन नदि क पूरब क रेगिस्तान में रहेन। इ सूफ क निकट रहा जउन कि पारान रेगिस्तान अउ तोपेल, लाबान, हसेरोत अउ दीजाहाब सहरन क बीच में रहा।

2होरेब अरथात सिनाई पहाड़े स सेईर पहाड़ स होइके कादेसबर्ने क जात्रा सिरिफ गियारा दिना क रही। 3मुला जब मूसा इस्त्राएल क मनइयन क इ ठउरे प सँदेसा दिहस तब इस्त्राएल क मनइयन क मिस्त्र तजे भए चालीस बरिस होइ गवा रहेन। इ चालिस बरिस क गियारहवें महीना क पहिला दिन रहा, जब मूसा इस्त्राएल क मनइयन स बातन किहेस। उ ओनसे उहइ सबहिं बातन कहेस जउन यहोवा ओका कहइ क हुकुम दिहे रहा। 4इ तब भवा जब मूसा एमोरियन क राजा सीहोन जउन हिब्रोन में रहत रहेन अउर बासान क राजा ओग क जउन एदेई क असतारोत में रहत रहेन। 5उहइ समइ उ पचे यरदन नदी क पूरब कइँती मोआब क पहुँटा में रहेन अउर मूसा परमेस्सर क हुकुमन क अरथ बनावत रहा। मूसा कहेस:

6“यहोवा, हमार परमेस्सर होरेब पहाड़े पइ हम स कहेस। उ कहेस, ‘तू पचे बहोत समइ स इ पहाड़े प ठहर चुका बाट्या। 7एमोरी लोगन क पहाड़ी देस अउर चारिहूँ कइँती क पहुँटा में जा। यरदन घाटी, पहाड़ी प्रदेस, पच्छिमी नीची भुइँया, दक्खिन क रेगिस्तान में अउ समुद्र तट में जा। कनानी लोगन क देस में अउर लबानोन में बड़की नदी परात तलक जा। 8लखा, मई इ समूचइ देस तोहका दिए अहउँ। भितरे जा अउ ओह पइ कब्जा करा। इ उहइ देस बाटइ जेका देइ क बचन मई तोहरे पुरखन इब्राहीम, इसहाक अउ याकूब क दिहे रहेउँ। मई इ प्रदेस ओन लोगन क अउ ओन लोगन क सन्ताने क देइ बरे बचन दिहे रहेउँ।”

## मूसा प्रमुखन क नियुक्ति करत ह

9मूसा कहेस, “ओह समइ जब मई तू पचन स बात किहे रहेउँ तबहिं कहे रहेउँ, मई अकेल्ले तू लोगनक अगुअइ करइ अउ देखरेख करइ मैं समरथ नाहीं अहउँ। 10यहोवा तू पचनक परमेस्सर क्रम स मनइयन क ऐतना बढ़ाएस ह कि तू पचे अब ओतना होइ ग अहा जेतना अकासे मैं तारा बाटेन! 11होइ सकत ह यहोवा, तोहरे पुरखन क परमेस्सर, आज तू पचे जेतना अहा, ओहसे हजार गुना जियादा करइ। होइ सकत ह उ तू पचन क आसीर्वाद देइ जउन उ तोहका सबनक देइ क बचन दिहेस ह। 12का मई अकेल्ले तोहार देखरेख अउर तोहरी सबइ समस्या अउ वाद-विवाद क हल

कइसे कइ सकत हउँ? नाहीं! 13एह बरे: ‘हर एक परिवार समूह स कछू सम्मानित मनइयन क चुना। मई ओनका तोहार नेता बनाउवा। ओन बुद्धिमान मनइयन क चुना जउन समझदार अउ तजरबेकार अहउँ।

14“अउर तू पचे कह्या, ‘अइसा करब नीक अहइ।’

15“एह बरे, मई बुद्धिमान अउर सम्मानित मनइयन क लीन्ह जउन तोहार जरिया चुना भवा अहइ अउ ओनका तोहार प्रमुखन बनाएउँ। मई ओनमाँ स कछू क हजार क, कछू क सौ क, कछू क पचास क अउ कछू क दस क प्रमुख बनाएउँ ह। मई तोहरे परिवार समूहे बरे अधिकारियन क भी नियुक्त किहेउँ ह।

16“ओह समइ, मई तोहरे इ सबइ प्रमुखन क तोहार निआवाधीस बनाए रहेउँ। मई ओनसे कहे रहेउँ, ‘आपन मनइयन क बीचउ बीच वाद-प्रतिवाद क सुना। हर एक मोकदमा क फैसला सही सही करा। एकर कउनो महत्व नाहीं कि मोकदमा दुइ तु इस्त्राएली मनइयन क बीच बाटइ या इस्त्राएली अउर बिदेसी क बीच। तू पचनक हर एक मोकदमा क फैसला सही करइ चाही। 17जब तू फैसला करा तब इ जिन सोचा कि कउनो मनई दूसर क बराबरी में जियादा महत्व क बाटइ। तोहका पचनक हर एक मनई क फैसला एक तरह समुझिके करइ चाही। कउनो स जिन डेराअ काहेकि तोहार फैसला परमेस्सर स आवा अहइ। मुला अगर कउनो मोकदमा ऐतना जटिल होइ चुका होइ कि तू पचे फैसला न कइ सका तउ ओका मोरे लगे लिआवा। मई एकर मोकदमा क फैसला करवा। 18उहइ समइ, मइ उ सबइ बातन क बताए रहेउँ जेका तू पचनक करइ चाही।

## जासूस कनान देस में जात अहउँ

19“तब हम पचे उहइ कीन्ह जेका यहोवा हमार परमेस्सर हम पचनक हुकुम दिहे रहा। हम पचे होरेब पहाड़े क तजा अउर एमोरी लोगनक पहाड़े क जात्रा कीन्ह। हम पचे ओन बड़की अउ सबइ भयंकर भुइँया स होइके गएन जेका तू पचे भी लखे रह्या। हम पचे कादेसबर्ने पहुँच गएन। 20तब मई तू पचनस कहे रहेउँ, ‘तू पचे एमोरी लोगनक पहाड़ी प्रदेस में आइ चुका अहा। यहोवा हमार परमेस्सर इ देस हमका देई। 21लखा, यहोवा तोहार परमेस्सर उ देस क तोहार समन्वा कइ दिहेस। अगवा बढ़ा अउ भुइँयाँ क आपन बनाइ ल्या। तोहरे पुरखन क यहोवा परमेस्सर तू पचनक अइसा करइ क आदेस दिहे अहइ। एह बरे जिन डेराअ, कउनो तरह क चिन्ता जिन करा!’

22“तब तू सबहिं मोरे लगे आया अउ बोल्या, ‘पहिले उ देस क लखइ क बरे कछू मनइयन क पठवा। उ सबइ क

हुआँ क देस क धियान स लखि द्या। उ सबइ तब वापस आइ सकत हीं अउ हम लोगन्क उ रस्ता बताइ सकत हीं जेनसे हम सबन्क जाइ क बाटइ अउर ओन सहरन क बताइ सकत हीं जेनके ताई हम पचन्क पहुँचइ क अहइ।

23“मई सोचेउँ कि इ नीक बिचार अहइ। एह बरे मई तू मनइयन में स हर परिवार समूह बरे एक ठु मनई क हिसाब स बारह मनइयन क चुनेस। 24तबहिं उ सबई मनइयन हम पचन्क पीछे तजिके पहाड़ी पहुँटा में गएन। उ पचे एसकोल क घाटी में गएन। उ पचे भुईया क विभिन्न जगह क छान-बीन कियेन। 25उ पचे उहइ पहुँटा क कछू फल लिहिन अउ ओनका हमरे लगे लिआएन। उ पचे हम लोगन्क विवरण दिहन अउ कहेन, ‘इ नीक देस अहइ जेका यहोवा हमार परमेस्सर हमका दइ देत अहइ।’

26“मुला तू पचे ओहमाँ जाइसे इन्कार कइ दिहा। तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर क हुकुम क मानइ स इन्कार कइ दिहा। 27तू पचे आपन सिबिर में सिकाइत किहा। तू पचे कह्या, ‘यहोवा हमसे घिना करत अहइ। उ हम पचन्क मिस्र स बाहेर एमोरी मनइयन क देइ बरे लइ आवा जेहसे उ पचे हमका नस्ट कइ सकइँ। 28अब हम पचे कहाँ जाई? हमार भाई हम पचन्क डेरान। उ पचे कहेन, ‘हुआँ क लोग हम पचन्स बड़वार अउ लम्बा अहइँ, उ सहर बड़ा अहइँ अउ ओनकइ देवार आसमान क छुअत हीं। अउ हम पचे देत्य\* क सन्तानन क हुआँ लखा।’

29“तब मई तू पचन्स कहेउँ, ‘घबराअ जिन! ओन लोगन्स डेरान नाहीं! 30यहोवा तोहार परमेस्सर तोहरे समन्वा जाइ अउ तोहरे बरे लड़ी। उ उहइ करी जे तू ओका मिस्र में देखावत रहा। 31तू पचे हुआँ आपन समन्वा ओका रेगिस्तान में जात भवा लख्या ह। तू पचे लख्या कि यहोवा तोहार परमेस्सर तोहका पचन्क वइसेन ही लइ आवा जइसे कउनो मनई आपन पूत क लिआवत ह। यहोवा पूरा रस्ता भइ तू पचन्क रच्छा करत भवा तोहका सबन्क हिआँ पहुँचाएस ह।’

32“मुला तबहुँ तू पचे आपन परमेस्सर पई नाहीं पतियाना। 33जब तू पचे जात्रा करत रह्या तब उ तोहरे आगे तोहार डेर डवइ बरे जगहिया हेरइ गवा। तोहका सबन्क इ बतावइ बरे कि तू पचन्क कउने राहे प जाइ क अहइ उ राति क आगी में अउ दिन में बदरी में चला।

### मनइयन क कनान जाइ प मनाही

34“यहोवा तोहार कहब सुनेस, उ कोहाइ गवा। उ प्रण कियेस। उ कहेस, 35तू सबइ लोगन जउन अबहुँ जितत रहेन सबहिं पापी अहइँ। उ लोगन स कउनो भी मनई नीक देसे में न जाई, जेका देइ क बचन मई तोहरे पुरखन क दिहे अहइँ। 36यपुने क पूत कालेब ही सिरिफ उ देस क लखी। मई कालेब क उ देस देब जेह पइ उ चला ह अउर मई उ देस क कालेब क सन्तानन क देब। काहेकि कालेब उ सबइ कियेस जउन मोर हुकुम रहा।’

**देत्य** अरथात् अनाकी लोग, अनाक लोगन क सन्तानन, अइसा परिवार जउन कि आपन लम्बाई अउर सक्तीसाली लड़ाइ बरे प्रसिद्ध रहेन।

37“यहोवा तू लोगन क कारण मोसे भी नाखुस रहा। उ मोसे कहेस, ‘तू भी उ देस में नाहीं जाइ सकत्या। 38मुला तोहार सहायक, नून क बेटवा यहोसू उ देस में जाइ। यहोसू क हौसला बढ़ावा, काहेकि उहइ इस्त्राएल क लोगन्क भुईया पइ आपन कब्जा जमावइ बरे लइ जाई। 39“यहोवा हम पचन्स कहेस, ‘तू पचे कह्या, कि तोहरे नान्ह-नान्ह गदेलन दुस्मन क जरिये लइ लीन्ह जइहीं। मुला उ सबइ उ देस में जाई। मई तोहरी गलितियन बरे तोहरे गदेलन क देखी नाहीं मानत हउँ। काहेकि उ पचे अबहिं ऐतना नान्ह-नान्ह बाटेन कि उ पचे इ जान नाहीं सकतेन कि का सही बाटइ अउ का गलत। उ पचे हुवाँ जाब अउर मई उ पचन्क उ धरती ओकर देस क रूप में देब। 40मुला तू पचन क लाल सागर जाइवाला मार्ग स रेगिस्तान क सफर करइ चाही।’

41“तबहिं तू पचे कह्या, ‘मूसा, हम पचे यहोवा क खिलाफ किहे अही। मुला अब हम पचे आगे बढ़ब अउ जइसे पहिले यहोवा हमार परमेस्सर हुकुम दिहे रहा वइसेन ही लड़ब।’

“तब तू पचन में स हर एक जुद्ध बरे औजार धारण कियेस। तू पचे पहाड़ी-देस तलक जाई क तैयारी कियेस। 42“मुला यहोवा मोसे कहेस, ‘मनइयन स कहा कि उ पचे हुआँ न जाई अउर न लड़इँ। काहेकि मई ओनकर संग न देब अउ ओनकर दुस्मन ओनका हराइ देइहीं।’

43“एह बरे, मई तू लोगन स बात कियेउँ, मुला तू पचे मोर एक न सुन्या। तू पचे यहोवा क हुकुम मानइ स इन्कार कइ दिहा। तू पचे घमण्ड स बेउहार कियेस अउर तू पचे पहाड़ी-देस तलक चलि गवा। 44तबहिं एमोरी लोग जउन उहइ पहाड़ी पहुँटा में रहत ही तोहरे खिलाफ होइ गएन। उ पचे तोहार पीछा उहइ तरह कियेन जइसे मधुमक्खी तोहार पीछा करत ह। उ पचे तोहार सेईर स लइके होर्मा तलक पूरा रस्ता में बुरी तरह हराएन। 45तू पचे लउट्या अउ यहोवा क समन्वा रोया-चिचियाया। मुला यहोवा तोहार बात कछू नाहीं सनेस। उ तोहार बात सुनइ स इन्कार कइ दिहस। 46एह बरे तू सबइ कादेस में बहोत समइ तलक रुका रह्या।

### इस्त्राएल क लोग रेगिस्तान में भटकत हीं

2“तब हम पचे घूमि गए अउ लाल सागर क सड़क होइके रेगिस्तान क जात्रा कियेस इ उहइ अहइ जइसा यहोवा मोका आदेस दिहे रहेन। हम पचे सेईर क पहाड़ी पहुँटा क चारिहुँ कइँती अनेक दिना तलक चलत रहेन। 2तब यहोवा मोसे कहेस, 3‘तू पचे इ पहाड़ी क चारिहुँ कइँती बहोत जियादा भटक चुका बाट्या। अब उत्तर कइँती घूमा। 4उ मोसे तोसे इ कहेस क कहेस, तू पचे सेईर प्रदेस स होइके जाब्या। इ प्रदेस तू लोगन्क रिस्तेदारन एसाव क सन्तानन क अहइ। उ पचे तोहसे डेराइ जइहीं। बहोत सावधान रहा। 5ओनसे जुद्ध जिन करा। मई ओकर एक फुट भुईया तलक तोहका नाहीं देबउँ। काहेकि मई एसाव क सेईर क पहाड़ी प्रदेस ओनके कब्जे में दइ दीन्हेउँ। 6तू पचन्क एसाव क लोगन्क हुआँ पइ भोजन करइ या पानी पिअइ क मूल्य चुकावइ चाही। 7इ याद राखा कि यहोवा तोहार परमेस्सर, तोहका तू सबइ जउन कछू भी कियेस ओन

सबहिं बरे आसीर्बाद दिहस। उ इ लम्बे चौड़े रेगिस्ताने स तोहार जात्रा जानत ह। यहोवा तोहार परमेस्सर इ सबइ चालीस बरिसन में तोहरे संग रहा ह। तू पचन्क कउनो भी चीजन क कमी नहीं रही।

8“एह बरे, हम लोग सेईर में रहइवालन आपन रिस्तेदारन क लगे स अगवा बड़ गए। हम पचे यरदन घाटी स एलत अउ एस्थोनगेबेर सहरन क जाइवालिन सड़क क पाछे तजि दिहेन। तब हम पचे उ सड़क पइ घूमि गए जउन मोआब क रेगिस्तान कइँती जात अहइ।

### आर प्रदेश में इस्त्राएल

9“यहोवा मोसे कहेस, ‘मोआब क लोगन्क परेसान जिन करा। ओनके खिलाफ जंग जिन छेड़ा। मईँ ओनकइ कउनो भी भुईँया तू पचन्क नहीं देब। उ पचे लूत क सन्तानन\* अहईँ, अउर मईँ ओनका आर प्रदेश दिहे अहईँ।”

10(पहिले, आर में एमी लोग रहत रहेन। उ पचे सक्तीसाली मनईं रहेन अउर हुआँ ओनमाँ बहोत स रहेन। उ पचे अनाकी लोगन क तरह बहोत लम्बा रहेन। 11अनाकी लोगन क तरह, एमी रपाईं लोगन क एक तु हींसा समुझा जात रहेन। मुला मोआबी लोग ओनका एमी कहत रहेन। 12पहिले होरी लोग भी सेईर में रहत रहेन। मुला एसाव क सन्तानन ओनकर भुईँया लइ लिहन। एसाव क सन्तानन होरी लोगन क नास कइ दिहन। तब एसाव क सन्तानन हुआँ रहइ लागेन। इ वइसा ही किहेन जइसा इस्त्राएल उ भुईँया क कब्जा करइ में किहेन जउन यहोवा ओनका दिहे रहेन।)

13“यहोवा मोसे कहेस, ‘अब तइयार होइ जा अउर जेरेद घाटी क पार जा।’ एह बरे हम जेरेद घाटी क पार किहेन। 14कादेसबर्ने क तजइ अउ जेरेद घाटी क पार करइ में अइतीस बरिस क समइ बीता रहा। उ पीढ़ी क सबहिं जोधा मरि चुका रहेन। यहोवा सपथ लिहेस कि अइसा ही होई। 15यहोवा ओन लोगन क खिलाफ तब तलक करत रहेन जब तलक उ सबइ सिबिर स न नस्ट होइ गएन।

16“जब सबहिं जोधन मरि गए रहेन अउर चला गए रहेन। 17तब यहोवा मोसे कहेस, 18“आजु तू पचन्क आर सहर क सीमा क पार कइके मोआब क इलाका में लइ जाबइ। 19जब तू लोग ओकर भुईँया स होइके गुजरब्या तउ ओनका तंग जिन कर्या। ओनसे जिन लइया काहेकि मईँ तू पचन्क ओनकर भुईँया न देब। काहेकि मईँ उ भुईँया लूत क संतानन क नियन्त्रण करइ बरे दिहेउँ ह।”

20(उ प्रदेश रपाइ लोगन्क देस भी कहा जात ह। उ सबइ ही मनइयन पहिले हुआँ रहत रहेन। अम्मोनी क लोग ओनका “जमजुम्मी लोग” कहत रहेन। 21जमजुम्मी लोग बहोत सक्तीसाली रहेन अउर ओनमाँ स बहोत स हुआँ रहेन। उ पचे अनाकी लोगन क नाईं लम्बा रहेन। मुला यहोवा जमजुम्मी लोगन क अम्मोनी लोगन बरे नास कइ दिहस। अम्मोनी लोग जमजुम्मी लोगन्क प्रदेश छीन लिहन अउ अब उ पचे हुआँ रहत रहेन। 22परमेस्सर इहइ काम एसाव क सन्तानन बरे किहस जउन सेईर में रहत रहेन। उ पचे हुआँ रहइवालन होरी लोगन्क नास कइ दिहन। अब एसाव

क सन्तानन हुआँ रहत अहईँ जहाँ पहिले होरी लोग रहत रहेन। 23अव्वियन गाँवन में गाजा तलक रहत रहेन। मुला कछू लोगन कप्तोरी स आएन अउर ओका नस्ट कइ दिहेन। अबहिं कप्तोरियन ओकर जगह में रहत अहईँ।)

### एमोरी लोगन क खिलाफ जुद्ध करइ क हुकुम

24“यहोवा मोसे कहेस, ‘जात्रा बरे तइयार होइ जा। अर्नोन नदी क घाटी से होइके जा। मईँ तू पचन्क हेसबोन क राजा सीहोन पइ विजय पावइ क सक्ती देत हउँ। मईँ तोहका सबन्क उ देस जीतइ क सक्ती देत हउँ। एह बरे ओकरे खिलाफ लड़ा अउ ओकरे देस पइ कब्जा करब सुरु करा। 25आजु मईँ तू पचन्क समूचइ संसार क लोगन क डेरावइवाला बनाउब सुरु करत अहउँ। उ पचे तोहरे बारे में खबर पइहीं अउ उ पचे भय स काँप उठीहीं। जब उ पचे तोहरे बारे में सोचिहीं तब उ पचे घबराइ जइहीं।’

26“कदेमोत क रेगिस्तान स मईँ हेसबोन क राजा सीहोन क लगे दून क पठएउँ। दून सीहोन क समन्वा सान्ति-सन्धि राखेस। उ पचे कहेन, 27“आपन देस स होइके हम पचन्क जाइ द्या। हम लोग सड़क पइ ठहरब। हम पचे सड़किया क दाहिन या बाएँ कइँती न मुड़ि जाब। 28हम पचे जउन खइया क खाब या जउन पानी पिअब ओकर बरे पैसा चुकाउब। हम पचे सिरिफ तोहरे देस स पइदल जात्रा करइ क अनुमति चाहित ह। 29आपन देस स होइके तू पचे हम पचन्क यरदन नदी क पार कइके ओह देस में पहुँच तलक जाई जेका यहोवा हमार परमेस्सर हमका दइ देत बाटइ। एसाव क सन्तानन अउर आर में बसइया मोआबी लोग आपन देस स हमका जाइ अनुमति दइ दिहन ह।’

30“मुला हेसबोन क राजा सीहोन, आपन देस स हमका जाइ नहीं दिहस। यहोवा, तोहार परमेस्सर, ओका बहोत जिद्दी बनाइ दिहस। यहोवा इ एह बरे किहस कि उ सीहोन क तोहरे कब्जा में दइ सकइ अउ उ अब इ कइ दिहेस ह।

31“यहोवा मोसे कहेस, ‘मईँ राजा सीहोन अउ ओकरे देस क तोहका सबन्क देत अहउँ। भुईँया लेब सुरु करा। इ तब तोहार होई।’

32“तब राजा सिहोन अउ ओकर सब लोग हम पचन्स यहस में जुद्ध करइ बाहेर निकरेन। 33मुला यहोवा हमार परमेस्सर ओका हमका दइ दिहस। हम पचे ओका, ओकरे बेटवन क, अउ ओकरे सब लोगन क हराएन। 34हम पचे ओन सबइ सहरन पइ कब्जा कइ लीन्ह। तउ हम पचे सहर क सबइ मनइयन, मेहरारु अउ गदेलन क पूरी तरह नास कइ दीन्ह। हम पचे कउनो क जिअत नहीं तजा। 35हम पचे जउन सहरन क जीत लीन्ह ओनमाँ स सिरिफ जनावेरेन अउ कीमती चीजन्क लइ लीन्ह। 36हम पचे अरोएर सहर क जउन अर्नोन क घाटी में बाटइ अउ उ घाटी क बीच दूसर सहर क भी हरावा। यहोवा हमार परमेस्सर हमका अर्नोन घाटी अउ गिलाद क बीच क सबहिं सहरन क हार जाइ दीन्ह। कउनो सहर हम लोग बरे एतनों जियादा मज़बूत नहीं रहेन। 37मुला उ प्रदेश क निचके नहीं गए, जउन अम्मोनी लोगन्क रहा। तू पचे यब्बोक नदी क किनारे या पहाड़ी प्रदेशन क सहरन क निअरे नहीं गया। तू पचे अइसे

कउनो ठउरे क निअरे नाहीं गया जेका यहोवा हमार परमेस्सर तोहका आदेस दिहस रहा।

### बासान क लोगन क संग जुद्ध

3 “हम पचे घूमि गए अउ बासान क जाइवाली सड़क पड़ चलतइ रहेन। बासान क राजा ओग अउ ओकर सबहि लोग एदेइ में हम लोगन स लड़इ बरे आएन। यहोवा मोसे कहेस, ‘ओग स जिन डेराअ, जेका मई तोहरे हाथे में देइ दिहस ह। मई एकरे सबहि लोगन अउ भुईया क तोहका सबन्क दइ देब। तू पचे एँका वइसे ही हरउब्या जइसे तू पचे हेसबोन क सासक एमोरी राजा सीहोन क हरया।’

3“इ तरह यहोवा हमार परमेस्सर बासान क राजा ओग अउ ओकर सबहि लोगन्क हमरे हाथे में दिह्या। हम पचे ओका लोगन पड़ तब तलक हमला किहेस जब तलक हर कछू खतम नाहीं होइ गएन। 4तब हम पचे उ समइ उ सबइ सहरन पड़ कब्जा कीन्ह रहेन। एक भी अइसा सहर नाहीं बचा जेका हम पचे नाहीं लिहेन। हम पचे ओन लोगन स बासान में ओग क राज्ज अगोब प्रदेस क सबइ साठ सहरन क लीन्ह। 5इ सबहि सहरन ऊँची देवारन अउ दुआरन में मजबूत छड़न क संग बहोत मजबूत रहेन। अनेक दूसर सहरन बे देवारे क रहेन। 6हम पचे ओनका वइसे बरबाद कीन्ह जइसे हेसबोन क राजा सीहोन क नगरन क बरबाद किहे रहे। हम पचे हर एक सहर क ओनके मनइयन क संग, मेहररुअन अउ गदेलन क भी बरबाद कीन्ह। 7मुला हम पचे सबहि गइयन अउ कीमती चीजन्क अपने लगे राखा।

8“उहइ समइ में हम पचे एमोरी लोगन्क दुइ ठु राजा स भुईया लीन्ह। इ भुईया यरदन नदी क दूसरी कइँती पूरब तरफ अहइ। इ भुईया अर्नोन घाटी स लइके हर्मोन पहाड़े तलक अहइ। 9(सिदोनी हेर्मोन पहाड़े क “सिर्योन” कहत हीं, मुला एमोरी एँका “सनीर” कहत हीं।) 10हम पचे समूचइ समथर मइदान क सहर, समूचइ गिलाद, अउ समूचइ बासान में सल्का अउ एदेई तलक अधिपत्य कायम कीन्ह। उ सबइ सहर बासान में ओग क समराज्ज क सहरन रहेन।”

11(बासान क राजा ओग एक रपाई मनई रहा जउन अबहिं तलक ज़िअत रहा। ओग क पलंग लोहे क बनी रही। इ करीब नौ हाथ लम्बी अउ चार हाथ चौड़ी रही। रब्बा सहर में इ अबहिं तलक अम्मोनी लोगन क संग बाटइ।)

### यरदन नदी क पूरब क भुईया

12“उ समइ उ भुईया क हम पचे जीत लिहे रहे अउर मई एका रूबेन परिवार समूह क अउ गादी परिवार समूह क अर्नोन घाटी क अरोएर स लइके गिलाद क आधा पहाड़ी भाग तलक ओकरे सहरन क संग दिहेउँ ह। 13मनस्से क आधा परिवार समूह क मई गिलाद क दूसर आधा हीसा अउ समूचइ बासान दिहेउँ यानी अर्गोब क पूरा छेत्र बासान ओग क राज्ज रहा।”

(बासान क छेत्र रपाइयन क प्रदेस कहा जात रहा। 14याईर, मनस्से क सन्तानन में स एक, अर्गोब क समूचा छेत्र जेका बासान कहा जात रहा, कब्जा कइ लिहेन। उ प्रदेस गसूरी अउर माका लोगन क इलाका तलक फइल गएन। याईर पाछे इ प्रदेस क नाउँ आपन नाउँ पड़ राखेस। इहइ स आजु भी याईर प्रदेस क नाउँ स सुमिरइ जात ह।)

15“मई गिलाद माकीर क दिहेउँ। 16अउर रूबेन परिवार समूह क अउ गाद परिवार समूह क मई उ प्रदेस दिहेउँ जउन अर्नोन घाटी स यब्बोक नदी तलक जात ह। घाटी क बीच एक चउहद्दी बाटइ। यब्बोक नदी अम्मोनी लोगन क चउहद्दी अहइ। 17यरदन घाटी में यरदन नदी पच्छिम चउहद्दी बनावत ह। इ छेत्र क उत्तर में किन्नेरेत झील अउर दक्खिन में अराबा समुदर बाटइ अरथात जेका लवण सागर कहत हीं। इ पूरब में पिसगा क चोटी क तलहटी में बना अहइ।

18“ओह समइया, मई तोहका आदेस दिहे रहेउँ: ‘यहोवा, तोहार परमेस्सर तू पचन्क रहइ बरे यरदन नदी क इ कइँती क प्रदेस दिहेउँ ह। मुला अब तोहरे पचन्क जोधन बरे आपन औजार उठावइ चाही। तोहका दूसर इस्त्राएली परिवार समूहन क भी नदी क पार होइ क अगुवाइ करइ चाही। 19तोहार मेहररुअन, गदेलन अउर तोहार गोरुअन हिओँ ओन सहरन में रइहीं जेनका मई तू पचन्क दिहेउँ ह। मई जानत हउँ कि तोहरे लगे बहोत स गोरुअन अहइँ। 20मुला तोहे पचन्क आपन इस्त्राएली रिस्तेदारन क मदद यरदन नदी क दूसर किनारे उ प्रदेस क पाइ लेतेन तलक करइ चाही जउन यहोवा तोहार परमेस्सर दिहेस ह। ओनकइ मदद तब तलक करा जब तलक यहोवा ओनकइ जीवन में सान्ति न देइ जइसा तू पचे हिओँ पाइ लिहा ह। तब तू पचे हिओँ आपन देस में लउटि सकत ह जेका मई तू पचन्क दिहेउँ ह।’

21“तब मई यहोसू स कहेउँ, ‘तू पचे उ सबइ लख्या ह जउन यहोवा तोहार परमेस्सर इ दुइ राजा लोगन क संग किहेस ह। यहोवा अइसा ही ओन सबहिं राज्जन क संग करब जउन जगह तू जात रहा। 22इ सबइ देसन क राजा लोगन स जिन डेराअ, काहेकि यहोवा तोहार परमेस्सर, तोहरे बरे लड़ी।’

### मूसा क कनान में प्रवेस करइ स मनाही

23“मई उ समइ यहोवा स विसेख कृपा क पराथना किहेउँ। 24‘यहोवा मोर सुआमी, ‘मई तोहार सेवक अहउँ। तू मोका आपन महानत सक्ती देखाइ सुरू किहस ह। सरग या भुईया पड़ कउनो अइसा दूसर परमेस्सर नाहीं अहइ, जउन तू किह्या ह तोहरे तरह महान अउ सक्तीसाली काम कइ सकइ। 25मई तोहसे विनती करत हउँ कि तू मोका उ पार जाइ द्या अउ यरदन नदी क दूसर कइँती क नीक प्रदेस, सुन्नर पहाड़ी पहेँटा अउर लबानोन क लखइ द्या।’

26“मुला यहोवा तोहरे कारण मोह पड़ नाखुस रहा। उ मोर बात सुनइ स इन्कार कइ दिहा। उ मोसे कहेस, ‘बस करा! एकरे बारे में मोका दूसर सब्द जिन कहा। 27पिसगा पहाड़े क चोटी पड़ जा। पच्छिउँ कइँती, उत्तर कइँती, दक्खिन कइँती, पूरब कइँती लखा। ओनका तू आपन आँखिन स

लखा काहेकि तू पचे यरदन नदी क पार नाहीं कइ पडब्या। 28तू पचन क यहोसू क निर्देस देइ चाही। ओका मजबूत अउ हिम्मती बनावा। काहेकि यहोसू लोगन क यरदन नदी क पार लइ जाइ। यहोसू ओन भुइँया क जउन तू लखत रहा ओका कब्जा करइ मँ तोहार मदद करी ओहमाँ तोहका रहइ क देइ।

29“एँह बरे हम पचे बेत-पोर क दूसर कइँती घाटी मँ रुकि गए।”

### मूसा लोगन क परमेस्सर क नेमन पइ धियान देइ बरे चिताउनी देत ह

4 “इस्त्राएल, अब ओन नेमन अउ सबइ आदेस क सुना जेनकइ उपदेस मइँ देत अहउँ। ओनका माना। तब तू पचे जिअत रहब्या। तू जाइ सकब्या अउर उ प्रदेस क लइ लेइ सकब्या जेका यहोवा तोहरे पचन्क क पुरखन क परमेस्सर तोहका दइ देत अहइ। 2जउन मइँ हुकुम देत अहउँ ओहमाँ अउर कछू जोरब नाहीं अहइ। तू पचन्क ओहमाँ स कछू घटावइ नाहीं चाही। तू पचन्क आपन यहोवा परमेस्सर क ओन सबइ आदेस क मानइ चाही जेनका मइँ तू पचन्क दिहेउँ ह।

3“तू पचे लख्या ह कि बाल पोर मँ यहोवा का किहेस। यहोवा तोहार परमेस्सर तोहरे ओन सबहिँ मनइयन क नास कइ दिहेस जउन बाल पोर क मानत रहेन। 4मुला तू लोग सबइ जउन यहोवा आपन परमेस्सर क संग रहेन, आजु जिअत अहा।

5“धियान द्या, यहोवा मोर परमेस्सर जउन मोका हुकुम दिहेस ह, ओनहीं नेमन अउ हुकुमत क मइँ तू पचन्क सिच्छा देत अहउँ। तोहका उ नेमन क उ भुइँया मँ जरूर मानइ चाही जहाँ तू पचे रहइ बरे जात रहा। 6एँन नेमन क होसियारी स पालन करा। इ दूसर रास्ट्रन क सूचित करी कि तू पचे बुद्धि अउ समझ राखत अहा। जब ओन देसन क लोग इ नेमन क बारे मँ सुनिहीं तउ उ सबइ सच्चाइ क साथ स्वीकार करिही कि ‘फुरइ, इस्त्राएल रास्ट्र क लोग बुद्धिमान अउ समुझवार अहइँ।’

7“कउनो रास्ट्र क कउनो देवता ओनके संग ओतना निचके नाहीं रहत जउने तरह यहोवा हमार परमेस्सर जउन हम लोगन क लगे रहत ह, जब हम ओका पुकारित ह, 8कउनो दूसर रास्ट्र एँतना महान नाहीं कि ओकरे लगे उ पचे न्यायसंगत नेमन अउ हुकुमन होइँ जेनकर उपदेस मइँ आजु करत अहउँ। 9मुला तू पचन्क होसियार रहइ। निहचय कइ ल्या कि जब तलक तू पचे जिअत रहब्या, तब तलक तू पचे देखी भइ चिजियन क न बिसरब्या या एकाँ आपन हिरदइ स जाइ न देब्या। तू पचन्क इ सबइ सिच्छा क आपन पूत अउ पोतन क देइ चाही। 10उ दिन क याद राखा जब तू पचे होरेब पहाड़े पइ आपन यहोवा परमेस्सर क समन्वा ठाढ़ रह्या। यहोवा मोसे कहेस, ‘मइँ जउन कहत हउँ, ओका सुनइ बरे लोगन क बटोरा। तब उ पचे मोर स भयभीत होइही जब तलक उ पचे उ भुइँया पइ रइहीं अउर उ पचे इ सब उपदेस आपन गदेलन क भी देइहीं।’ 11तू पचे निचके आया अउ पहाड़े क तरखाले खड़ा होइ गया। पहाड़े

मँ आग लग गइ अउ उ अकास क छुअइ लाग। घना करिआ बादर अउ अँधियारा गमका। 12तबहिँ यहोवा आगी क बीच मँ स तू पचन्स बतियान। तू पचे अवाज सुनया मुला तू पचे ओका कउनो सकल नाहीं निहार सक्या। सिरिफ अवाज सुनाई पडत रही। 13उ तू पचन क आपन करार क बताएस। उ दस आदेसन क दिहस अउ तोहका ओका मानइ क आदेस दिहस। उ ओनका दुइ ठू पाथर क सिला पइ लिखेस। 14ओह समइ यहोवा मोका हुकुम दिहस कि मइँ तू पचन्क इ सबइ विधि अउ नेमन क उपदेस देउँ। इ सबइ उहइ सब नेमन अउ विधि अहइँ जेनका मानब तू पचन्क उ देस मँ करइ चाही जेका तू पचे लेइ अउ बसइ बरे तू पचे जात अहा।

15“उ दिना यहोवा होरेब पहाड़े क आगी स तोहे सबन्स बात किहस। तू पचे ओका तने क रुप मँ नाहीं लख्या। एँह बरे होसियार रहा। 16आपन जिन्नगी क जिन बरबाद करा। आपन बरे कउनो मूरति क रूप जिन बनावा। अइसी मूर्ति जिन बनावा जउन कउनो मनसेधू अउ मेहरारु क नाई होइ। 17अइसी मूरत जिन बनावा जउन भुइँया क कउनो जनावर या अकासे क पंछी क नाई देखीँ देत होइ। 18अउर अइसी मूरत जिन बनावा जउन भुइँया पइ रेंगइवाला या समुदर क मछरी क नाई देखीँ देत ह। 19जब तू पचे अकासे कइँती निगाह करा अउर सूरज, चँदा, तारन अउ बहोत कछू चिजियन तू अकासे मँ लखा, ओनका प्रति सेवा अउ पूजा बरे आकसित जिन भवा। यहोवा तू पचन्क परमेस्सर एँन सबइ चिजियन क संसारे क दूसर मनइयन क दिहस ह। 20मुला यहोवा तोहका पचन्क मिस्त्र स बाहेर लिआवा ह जउन तोहरे पचन बरे लोहा क भटठी रही। उ तू सबन्क एह बरे लिआएस ह कि तू पचे ओकर आपन लोग बन सका जइसे तू पचे अबहुँ अहा।

21“यहोवा तोहरे पचन्क कारण मोसे कोहाइ ग रहा। उ किरया खाएस कि मइँ यरदन नदी क ओह पार नाहीं जाइ सकत हउँ। उ कहेस कि मइँ उ सुन्नर प्रदेस मँ घुस नाहीं सकत हउँ जेका यहोवा तोहार परमेस्सर तोहका मिरास क रूप मँ देत अहइँ। 22एँह बरे मोका इहइ प्रदेस मँ मरइ चाही। मइँ यरदन नदी क पार नाहीं जाइ सकत हउँ। मुला तू पचे ओकरे पार होइ जाब्या अउ अच्छा भुइँया पाउब्या। 23तोहका सबन्क होसियार रहइ चाही कि तू पचे उ करार क जिन बिसरि जा, जेका यहोवा तोहरे पचन्क परमेस्सर तोहे सबन्स किहे अहइ। तू पचन्क कउने किसिम क मूरति नाहीं बनवइ चाही काहेकि यहोवा तोहरे पचन्क परमेस्सर तोहे सबन्क न बनावइ क आग्या दिहे अहइ। 24काहेकि तोहार परमेस्सर, ईस्राएल परमेस्सर अहइ। उ भस्म करइ बरे आगी क नाई अहइ।

25“जब तू पचे उ भुइँया मँ बहोत समइ तलक अच्छी तरह स रहि लेब्या अउ तोहार सबन्क पूतन अउ पोतवन होइहीं, अगर तू भ्रस्ट होइ जाब्या अउ तू सबइ प्रकार क मूर्ति बनाउब्या, तउ यहोवा तोहार पचन्क परमेस्सर इ क बुरा चीज मँ सामिल करिही। एहसे उ कोहाइ जाइ। 26अगर तू पचे उ बुराई क करब्या, तउ अकास अउ धरती तू पचन्क खिलाफ गवाह होई। मइँ तोहका कहत हउँ इ होई। तू पचे

हाली ही बरबाद होइ जाब्या। तू पचे यरदन नदी क उ देस क लेइ बरे पार करत बाट्या, मुला तू पचे हुवाँ बहोत समइ तलक नाहीं रहब्या। तू सबहिं पूर्णरूप स नस्ट होइ जाब्या। 27यहोवा तोहे पचन्क दूसर रास्ट्रन में तितराइ बितराइ देइ अउ तू पचन में स उ देस में कछू ही जिअत रइहीं जेनमों यहोवा तू पचन्क पठइ। 28तू पचे हुवाँ मनइयन क बनवा देवतन क पूजब्या, ओन जिजियन क जउन काठे अउ पाथर क होइहीं जउन न लखि, न सुनि, न खाइ या न सूँघ सकत ही। 29मुला एँन दूसर देसन में तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर क हेरब्या। अगर तू पचे आपन पूरी तन अउ मन स ओका हेरब्या तउ ओका पउब्या। 30जब तू पचे विपत्ति में पड़ि जाब्या अउर उ सबइ बातन तू पचन पइ घटिहीं तउ तू पचे उ दिनन में यहोवा आपन परमेस्सर क लगे लउटब्या अउ ओकरी आग्या क मनब्या। 31यहोवा तोहार परमेससर कृपालु अहइ उ तू पचन्क न तजी। उ तू पचन्क नस्ट नाहीं करी। उ उ वाचा क न बिसरी जउन उ तोहरे पुरखन क बचन क रुप में दिहस।

### ओन महान करमन क बारे में सोचा जउन यहोवा तोहरे पचन्क बारे में किहस

32“का ऐतनी महान बात पाछे कबहुँ भइ रही? पाछे के उ दिनन क बारे में सोचा जब परमेस्सर धरती पइ मनई क बनाएस। ओन सबहिं बातन क बारे में सोचा जउन संसार में कहुँ भी घटि भइ अहइँ। का इ महान घटना जइसी कउनो कबहुँ पहिले सुनेस ह? नाहीं। 33तू पचे परमेस्सर क तू पचन्स आगी में स बोलत सुन्या ह अउर तू पचे अबहुँ भी जिअत अहा। का अइसी घटना कउनो क संग घटी भइ अहइ? नाहीं। 34का कउनो दूसर देवता कबहुँ आपन लोगन क दूसरे रास्ट्रन क भीतर खुद हुआँ स बाहेर लिआवइ क जतन किहस ह? नाहीं। मुला तू पचे खुद लख्या ह कि परमेस्सर इ सबइ काम तोहार बरे करत ह। उ तोहका मिस्त्र स परीच्छा, चमत्कार, अचरज, जुद्ध, महान सक्ती, ताकत अउ भयानक कामन क जरिया बाहर लिआएस। 35उ तू पचन्क इ सब देखाएस ह जेका तू पचे जान ल्या कि यहोवा ही परमेस्सर अहइ। ओकरे अतिरिक्त कउनो दूसर परमेस्सर नाहीं अहइ। 36यहोवा सरग स आपन बातन क, तोहका सिच्छा देइ बरे सुनइ देत रहा। उ धरती पइ आपन महान आगी देखाएस अउ उ ओहमों स बोलेस।

37“यहोवा तोहरे पुरखन स पिआर करत रहा। इहइ कारण रहा कि उ ओनके पुरखन यानी तू पचन्क चुनेस अउ इहइ कारण अहइ कि यहोवा तोहका मिस्त्र बाहेर लिआएस। उ तोहरे संग रहा अउ आपन बड़की सक्ती स तू पचन्क बाहेर लिआएस। 38जबहिं तू पचे आगवा बड़्या तउ यहोवा तोहरे समन्वा स रास्ट्रन क बाहेर जाइ बरे मजबूर किहस। इ सबइ रास्ट्र तू पचन्स बड़का अउ जियादा बरिआर रहेन। मुला यहोवा तू पचन्क ओनके देस में लइ आवा। उ ओनकइ देस तू पचन्क बसइ बरे दिहस अउ इ देस आजु भी तोहार अहइ।

39“एह बरे आजु तू पचन्क जानइ अउ सुमिरइ चाही कि यहोवा परमेस्सर अहइ। उ आकासे क ऊपर अउ धरती क

नीचे तलक क परमेस्सर अहइ। कउनो दूसर परमेस्सर नाहीं अहइ। 40तू पचन्क ओकरे ओन नेमन अउ हुकुमन क जरूर मानइ चाही जेनका मई आजु तू पचन्क देत अहउँ। अगर तू करब तब हर एक बात तोहरे पचन्क अउ तोहरे ओन गदेलन बरे नीक रही जउन तोहरे सबन्क बाद होइहीं। तू पचे लम्बे समइ तलक उ देस में रहब्या जेका यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क हमेसा बरे दइ देत अहइ।”

### मूसा सुरच्छा क नागन क चुनत ह

41तब मूसा तीनउ सहरन क यरदन नदी क पूरब कइँती चुनेस। 42जदि कउनो मनई कउनो क संजोग स मारि डवइ तउ उ इ सहरन में स कउनो में पराइके जाइ सकत ह अउ बचा रहि सकत ह। अगर उ मारा भए मनई स घिना नाहीं करत रहा अउर ओका मार डवइ क इरादा नाहीं रखत रहत तउ उ ओन सहरन में स कउनो एक में जाइ सकत ह। 43मूसा जउने सहरन क चुनेस, उ सबइ इ सब रहेन: रूबेनी लोगन बरे रेगिस्तान क मैदानी भुइँया में बेसेर; गादी लोगन बरे गिलाद में रामोत अउ मनस्से लोगन बरे बासान में गोलान।

### मूसा क नेमन क परिचय

44इस्त्राएली मनइयन बरे जउन नेम मूसा दिहस उ इ बाटइ। 45मूसा इ सबइ उपदेसन, नेमन अउ हुकुमन इस्त्राएल क लोगन बरे तब दिहस जब उ सबइ मिस्त्र स बाहेर आएन। 46मूसा इ सबइ नेमन क तब दिहस जब लोग यरदन नदी क पूरबी किनारे पइ बेत-पोर क पार घाटी में रहेन। उ पचे एमोरी राजा सीहोन क देस में रहेन, जउन हेसबोन में रहत रहा। मूसा अउ इस्त्राएल क लोग सीहोन क तब हराएन जब उ पचे आए रहेन। 47उ पचे सीहोन क भुइँया अउ बासन राजा क ओग क भुइँया क अपने लगे रखइ बरे कब्जा कइ लिहे रहेन। दुइनउँ एमोरी राजा यरदन नदी क पूरब में रहत रहेन। 48इ पहँटा अर्नोन घाटी क सिरे पइ टिका भवा अरोएर स लइके सिओन अरथात हेर्मोन पहाड़े तलक फइला रहा। 49यरदन नदी क पूरब क पूरा पहँटा उस प्रदेस में मिला रहा। इ पूरब में पिसगा पहाड़े क चरण तलक अराबा समुद्दर तलक फइलत भवा रहा।

### दस आग्यन

5 मूसा इस्त्राएल क सब मनइयन क एक संग बोलोँएस अउ ओनसे कहेस, “इस्त्राएल क मनइयो! आजु जउने नेमन अउ कानूनन क मई बतावत अहउँ, ओनका सुना। इ सबइ नेमन क सीखा अउ सक्ती स ओनका माना। 2यहोवा, हम पचन्क परमेस्सर होरब पहाड़े पइ हम पचन्क संग वाचा किहे रहा। 3यहोवा इ वाचा हम पचन्क पुरखन क संग नाहीं किहे रहा, मुला हम पचन्क हमार संग जउन कउनो आजु जिअत अहइँ। 4यहोवा पहाड़े पइ तू पचन्स आमने सामने बात किहस। उ तू पचन्स आगी में स बतियान। 5ओह समइ तू पचन्क इ बतावइ बरे कि यहोवा का किहस ह, मई तू लोगन अउ यहोवा क बीच खड़ा रहेउँ। काहेकि तू पचे

आगी से डेराइ गया अउर तू पचे पहाड़े पइ जाइ स इन्कार किह्या। यहोवा कहेस:

6“मई यहोवा तोहार उ परमेस्सर हउँ जउन तू पचन्क मिस्त्र स बाहेर लइ आएउँ ह जहाँ तू पचे दास क नाई रहत रह्या।

7“मोरे अलावा कउनो दूसर देवता क पूजा जिन करा।

8“कउनो भी मूरतियन या कउनो क तस्बीर जउन आकास क ऊपर में, भुइँया पइ या समुद्र क नीचे में होइ, जिन बनावा। 9ओका निहुरिके दण्डवत या पूजा जिन करा। काहेकि मई यहोवा तोहार परमेस्सर ईस्यालु अहउँ। मई आपन लोगन क जरिये कउनो दूसर देवता क पूजा स घिना करत हउँ। अइसे लोग जउन मोरे खिलाफ पाप करत हीं, मोर दुस्मन होइ जात हीं। मई ओन लोगन्क सजा देब अउर मई ओनके पूतन, पोतन अउ परपोतन क सजा देब। 10मुला मई ओन लोगन पइ बहोत दयालु रहब जउन मोसे पिरेम करत हीं अउर मोरे आदेसन क मानत हीं। मई ओनकइ हजार पीढ़ियन तलक दयालु रहब।

11“यहोवा, आपन परमेस्सर क नाउँ क उपयोग गलत तरिके स जिन करा। अगर कउनो मनई ओकरे नाउँ क उपयोग गलत तरीके स करत होइ तउ उ दोखी अहइ अउर यहोवा ओका निर्दोष न बनाई।

12“सबित क दिना क खास महत्व देइ बरे सबित खास दिन क रूप में माना। यहोवा तोहार परमेस्सर हुकुम दिहस ह कि तू पचे सबित क दिन क हफ्ता क दूसर दिनन स अलगगइ द्या। 13पिछले छः दिन तोहरे पचन्क काम करइ बरे अहइँ। 14मुला सतवाँ दिन यहोवा तोहरे परमेस्सर क सम्मान में आराम करइ क दिन अहइ। एह बरे सबित क दिन कउनो मनई काम न करइ चाही। यानी तू पचे, तोहार पूतन, बितियन, मनइयन अउ मेहरारु नउकरन, गइयन, बर्धन, गदहन, अउर तोहरे पचन्क सहसन में रहइवाला बिदेसी, कउनो भी काम न करइ चाही। तोहरे पचन्क दास क भी तोहार जइसा आराम मिलइ चाही। 15तोहका इ जरूर याद रखइ चाही कि तू मिस्त्र में दास रहा। यहोवा, तोहार परमेस्सर महान सक्ती स तू पचन्क मिस्त्र स बाहेर लिआवा। उ तू पचन्क अजाद किहस। इहइ कारण अहइ कि यहोवा तोहार परमेस्सर हुकुम देत ह कि तू पचे सबित क दिन माना।

16“आपन महतारी अउर बाप क सम्मान करा। यहोवा तोहार परमेस्सर तोहका इ करइ क हुकुम दिहस ह। अगर तू पचे इ हुकुम क मानत ह तउ तोहार उमिर लम्बी होइ अउर उ देस में जेका यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क दइ देत अहइ इ तोहार बरे अच्छा होइ।

17“कउनो क हत्या जिन करा।

18“बिभिचार क पाप जिन करा।

19“कउनो चीज जिन चोरावा।

20“दूसर जउन कछू किहे अहइँ ओकरे बारे में झूठ जिन बोला।

21“तू पचे दूसर लोगन क धन-सम्पति या दूसर कउनो चिजियन जे दूसर क अहइ क आपन बनावइ क इच्छा जिन करा। दूसर मनई क पात्नी, घर, खेत, मनसेधू या मेहरारु नौकर, गइयन अउ गदहन लइ लेइ क इच्छा तू पचन में न होइ चाही।”

### मनइयन क परमेस्सर स डर

22मूसा कहेस, “यहोवा इ सबइ हुकुम तू सबहिं क दिहस जब तू पचे एक संग पहाड़े प रह्या। यहोवा साफ साफ सबदन में बानत किहस अउर ओकर तेज आवाज आगी, बादर अउ घना आँधियास स सुनाई देत रहा। जब उ इ आदेस दइ दिहस तब अउर कछू नाहीं कहेस। उ आपन सबदन क दुइ तु पाथरे क सिला पइ लिखेस अउ ओनका मोका दइ दिहस।

23“तू पचे आवाज क तब सुन्या जब पहाड़ आगी स बरत रहा। तब तू पचे मोरे लगे आया, तोहरे परिवार समूह क सबहिं नेता लोग अउ तोहार सबहिं पुरनियन। 24उ पचे कहेन, ‘यहोवा हमार परमेस्सर आपन गौरव अउ बड़कइ देखौँएस ह। हम पचे ओका आगी में स बोलत सुना ह। आजु हम पचे लिख लीन्ह ह कि कउनो मनई क परमेस्सर स बात करइ क बाद भी जिअत रहि सकब, होइ सकत ह। 25मुला अगर हम पचे यहोवा आपन परमेस्सर क दुसरी दाई बात करत सुना तउ हम पचे जरूर मरि जाब। उ खउफनाक आगी हमार नास कइ देइ। मुला हम पचे मरब नाहीं चाहित। 26कउनो अइसा मनई नाहीं जउन हम लोगन क नाई कबहुँ जिअत परमेस्सर क आगी में स बतियात सुने होइ अउ जिअत होइ। 27मूसा, तू निअरे जा अउ यहोवा हम लोगन्क परमेस्सर, जउन कहत बाटइ सुना। तब उ सब बातन हमका बतावा जउन यहोवा तू पचन्स कहत ह, अउर हम लोग तोहार सुनब अउर ओकर पालन करब।’

### यहोवा मूसा स बतियात ह

28“यहोवा उ सबइ बातन सुनेस जउन तू मोसे कह्या। तब यहोवा मोसे कहेस, ‘मई उ सबइ बातन सुनेउँ ह जउन हम पचे कहेन ह। जउन उ पचे कहेन बढिया अहइ। 29मई इच्छा करत हउँ कि उ पचे हिरदय स मोर सम्मान करइ अउर मोरे आदेसन क हमेसा मानइ सिखिहीं। तब इ ओनके अउ ओनके सन्तानन बरे सदा ही नीक रही।

30“जा अउ मनइयन स कहा कि आपन आपन तम्बूअन में लउटि जाइँ। 31मुला मूसा, तू मोरे निअरे ठाड़ रहा। मई तोहका सारा हुकुम, कानून अउ नेम हेरब जेकर सिच्छा तू ओनका देब्या। ओनका इ सबइ उ देस में करइ चाही जेका मई ओनका रहइ बरे दइ देत हउँ।’

32“एह बरे, तू सब मनइयन क उ सब कछू करइ बरे होसियार रहइ चाही जेकरे बरे यहोवा तोहका हुकुम दिहस बाटइ। तोहका न दाहिन हाथे कइँती घूमइ चाही अउर न ही बाएँ हाथे कइँती। 33तोहका उहइ तरह रहइ चाही, जउने तरह रहइ क हुकुम यहोवा तोहार परमेस्सर तोहका दिहे अहइ। तब तू सदा जिअत रहि सकत ह अउर हर चीज

तोहरे बरे नीक होइ। उ देस में, जउन तोहार होइ, तोहार उमिर लम्बी होइ जाइ।

### सदा परमेस्सर स पिरम करा अउर आग्या माना

6 “जउन आदेसन, नेमन अउ हुकुमन क यहोवा, तोहार परमेस्सर तोहका सिखावइ क मोका आदेस दिहस ह, उ सबइ इ सब अहई। ऐनका उ देस में मानया जेहमों रहइ बरे तू प्रवेश करत अहा। 2 तू अउर तोहार गदेलन अउ पतोहून जब तलक जिअत रहा यहोवा आपन परमेस्सर क सम्मान करइ चाही। तोहका ओनके ओन सबइ नेमन अउ हुकुमन क पालन करइ चाही जेनका मई तोहका दइ देत हई। अगर तू अइसा करब्या तउ लम्बी उमिर पउब्या। 3 इस्त्राएल क मनइयो, एका धियान स सुना अउ इ सबइ नेमन क माना। तब इ तोहारे बरे नीक होइ अउर तू पचे तेजी स बढ़ब्या। यहोवा तोहारे पुरखन क परमेस्सर, इ सबन बरे बचन दिहे अहइ कि तू पचे दूध अउर सहद स बहत भवा धरती पाउब्या।

4 “इस्त्राएल क मनइयो, धियान स सुना। यहोवा हमार परमेस्सर अहइ, यहोवा एक अहइ। 5 अउर तू पचन्क यहोवा आपन परमेस्सर स आपन क पूरा हिरदय, आतिमा अउ सक्ती स पिरम करइ चाही। 6 इ सबइ हुकुमन क सदा आपन दिल में रखा जेनका मई आजु तू पचन्क दइ देत हई। 7 एनकइ सिच्छा आपन लरिकन क देइ बरे होसियार रहा। इ सबइ हुकुमन क बारे में तू पचे जब तू आपन घन में बइठे भए, सड़किया पइ टहरत भए, जब तू ओलरा अउ जब जागा तब एकरे बारे में बात करा। 8 एका स्मरण पत्र नाई आपन हाथे पइ बाँधा अउ ललाट पइ धारण करा। 9 एका आपन घन क दरवाजन पइ, अउ सहर फाटक पइ लिख ल्या।

10 “यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क देस में लइ जाइ जेकरे बरे उ तोहारे पुरखन-इब्राहीम, इसहाक अउ याकूब क देइ क बचन दिहे रहा। तब उ तू पचन्क बढ़के अउ अमीर सहर देइ जेनका तू नहीं बनाया। 11 यहोवा तू पचन्क अच्छी चीजन्स भरा भवा घर देइ जेनका तू पचे हुवाँ नहीं राख्या ह। यहोवा तू पचन्क कुआँ देइ जेनका तू पचे नहीं खन्या ह। यहोवा तू पचन्क अंगूरन अउ जइतून क बाग देइ जेनका तू पचे नहीं लगाया ह। तू पचन्क ओका खाब्या अउ संतुट्ट होब्या।

12 “मुला होसियार रहा। यहोवा क जिन बिसरा जउन तू पचन्क मिस्त्र स लिआएस, जहाँ तू पचे दास रह्या। 13 यहोवा आपन परमेस्सर क सम्मान करा अउर सिरिफ उहइ क सेवा करा। बचन देइ बरे तू पचे सिरिफ उहइ क नाउँ क उपयोग करा। 14 तू पचन्क दूसर देवतन क अनुसरण नहीं करइ चाही। तू पचन्क आपन चारिहुँ कइँती रहइवाला लोगन क देवतन क अनुसरण नहीं करइ चाही। 15 काहेकि यहोवा तोहार परमेस्सर जउन तोहार बीच अहइ ईस्यारु परमेस्सर अहइ। अगर तू पचे दूसर देवतन क पाछे रहब्या, तउ उ तू पचन पइ कोहाइ जाइ अउ उ धरती पइ स तू पचन क खतमइ कइ देइ।

16 “तू पचन्क यहोवा आपन परमेस्सर क जाँच उहइ तरह नहीं करइ चाही जउने तरह तू पचे मस्सा में जाँचत किह्या ह। 17 तू पचन्क यहोवा आपन परमेस्सर क हुकुमन क मानइ बरे पक्का निहचय रखइ चाही। तू पचन्क ओकर सबहिँ ओन उपदेसन अउ नेमन क मानइ चाही जेनका उ तू पचन्क दिहे अहइ। 18 तू पचन्क उ सबइ उचित अउ नीक काम करइ चाही जउन यहोवा क खुस करइ तब तोहारे बरे इ ठीक होइ अउर तू पचे उ देस में जाइ सकत ह जेकरे बरे यहोवा तोहारे पचन्क पुरखन क बचन दिहे अहइ। 19 अउर तू पचे आपन सबहिँ दुस्मनन क सक्ती स निकार सकब्या, जइसा यहोवा कहेस ह।

### आपन गदेलन क परमेस्सर क कारज क सिच्छा द्या

20 “भविस्स में, तोहार पचन्क पूत तोहसे सबन्स इ पूछ सकत ह कि ‘यहोवा हमार परमेस्सर हमका जउन उपदेस, कानून अउ नेम दिहस ह, ओकर अरथ का अहइ?’ 21 तब तू पचे आपन पूतन स कहब्या, ‘हम पचे मिस्त्र में फिरौन क गुलाम रहेन, मुला यहोवा हम पचन्क बढ़की सक्ती स बाहेर लिआवा ह। 22 यहोवा हमका माहन, खउफनाक चीन्हा अउ चमत्कार देखौएस। हम पचे ओनके जरिये इ सबइ घटना क मिस्त्र क मनइयन, फिरौन अउ फिरौन क महल क संग होत भए लखा ह। 23 अउर यहोवा हम लोगन क मिस्त्र स एह बरे लिआवा कि उ-उ देस हमका दइ सकइ जेकरे बरे उ हमारे पुरखन क बचन दिहे रहा। 24 यहोवा हमका इ सबहिँ उपदेसन क मानइ क हुकुम दिहस। इ तरह हम लोग यहोवा आपन परमेस्सर क सम्मान करत अही। तब यहोवा सदा हम लोगन क जिअत राखी अउ हम पचे बढ़िया जिन्नगी बिताउब जइसा इ समइ अहइ। 25 अगर हम इ सबइ आदेसन क मानब जेका यहोवा हमार परमेस्सर हमका आदेस देत ह तउ हम पचे नीक होब्या।

### इस्त्राएल, परमेस्सर क खास लोग

7 “यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क उ देस में लइ जाब, जेका कब्जा करइ बरे तू पचे ओहमाँ जात अहा। परमेस्सर तोहारे बरे हिती, गिर्गासी, एमोरी, कनानी, परिज्जी, हिब्बी अउ यबूसी क बाहेर हौँकि देइ। उ सात रास्ट्र तोहसे जियाद बरियार अउ जियादा तादद में अहइ। 2 यहोवा तोहार परमेस्सर इ रास्ट्रन क तू पचन्क अधीन करी अउर तू पचे ओनका हरउब्या। तू पचन्क ओनका पूरी तरह नस्ट कइ देइ चाही। ओनके संग कउनो सन्धि जिन करा। ओन पइ दया जिन करा। 3 ओन लोगन में स कउनो क संग बियाह जिन करा, अउर उ रास्ट्रन क कउनो मनई क संग आपन पूत अउ बिटियन क बियाह न करा। 4 काहेकि उ पचे तोहारे गदेलन क परमेस्सर क दूर लइ जइहीं। एह बरे तोहारे गदेलन दूसर देवतन क सेवा करिहीं। तब यहोवा तोहे सबन पइ कोहाइ जाइ। उ हाली ही तोहार नास कइ देइ।

### बनावटी देवतन क नास करइ क हुकुम

5 “तू पचन्क इ सबइ रास्ट्र क संग इ करइ चाही। तू पचन्क ओनकर वेदियन क बरबाद कइ देइ चाही। स्मृति

पाथरन क टूकन मँ तोड़ि डवइ चाही। ओनकर असेरा खम्भन क काटि डवा अउ ओनकइ मूरतिन क बार डवा। 6काहेकि तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर क अलग कीन्ह भवा मनई अहा। तू पचे यहोवा क आपन सम्पत्ति अहा। संसार क सबहिं मनइयन मँ स यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क विसेख अइसे लोग जउन ओकर आपन अहई, चुना। 7यहोवा तू पचन्स काहे पिरेम करत ह अउ तू पचन्क उ काहे चुनेस? एह बरे नाहीं कि दूसर लोगन क बराबरी मँ तोहार गिनती बहोतइ जियादा अहइ। तू पचे सबहिं लोगन मँ स सबसे कम रह्या। 8मुला यहोवा तू पचन्क आपन बड़की सक्ती क जरिये मिस्त्र क बाहेर लिआवा, काहेकि उ तोसे पिरेम करत ह। उ मिस्त्र क सम्राट फिरौन क गुलामी स तू पचन क तोहरे पुरखन क दीन्ह भए बचन क पूरा करइ बरे, अजाद कराएस।

9“एह बरे याद राखा कि यहोवा तोहार परमेस्सर ही सिरिफ परमेस्सर अहइ। उ बिसासी परमेस्सर अहइ। उ आपन वाचा क पूरा करत ह। उ ओन सबहिं लोगन स पिरेम करत अउ ओन पइ दाया करत ह जउन ओकरे हुकुमन क मानत हीं। उ हजारन पीढ़ियन तलक पिरेम करत रहत ह। 10जउन ओहसे घिना करत ह उ खुद ओसे ही सजा पाइहीं। उ ओनका बरबाद कइ देइ। जउन ओसे घिना करत ह उ बिना देरी भए खुद ओसे ही सजा पाइहीं। 11एह बरे तू पचे इ आदेसन, नेमन अउ हुकुमन क मानइ मँ जरूर होसियार रहा, जेनका मई आजु तू पचन्क दइ देत हउँ।

12“अगर तू पचे मोरे इ सबइ नेमन पइ धियान देब्या अउ ओनका मानइ मँ होसियार रहब्या तउ यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्स पिरेम क वाचा क पूरा करी। उ इ बचन तोहरे पुरखन क दिहे रहा। 13उ तू पचन्स पिरेम करी अउ तू पचन क आसीबाद देइ। तोहरे रास्ट्रे मँ लोग लगातार बढ़त जइहीं। उ तोहे पचन्क गदिलन क आसीबाद देइ। उ तोहरे पचन्क खेतन मँ अच्छी फसल क आसीबाद देइ। उ तू पचन्क अन्न, दाखरस अउ तेल क आसीबाद देइ। उ तोहारी गइयन क बछवन अउ तोहरी भेड़िन क बच्चा पइदा करइ क आसीबाद देइ। तू पचे उ सबइ आसीबाद उ देसे मँ पउब्या जेका तू पचे देइ क बचन यहोवा तोहरे पुरखन क दिहे रहा।

14“तू पचे दूसर लोगन्स जियादा आसीबाद पउब्या। हर एक पति-पत्नी बच्चे पइदा करइ क काबिल होइहीं। तोहार गोरु बछवा पइदा करइ काबिल होइहीं। 15अउर यहोवा तू पचन्स सबहिं बेरमियन क दूर करी। यहोवा तू पचन्क उ खउफनाक बेरमियन स बचाइ जउन तू मिस्त्र मँ जानत रहेन अउ ओन खउफनाक बेरमियन क ओन सबहिं लोगन क देइ जउन तू पचन्स घिना करत हीं। 16तू पचन्क ओन सबहिं लोगन्क नास जरूर करइ चाही जेनका हरावइ मँ यहोवा तोहार मदद करत ह। ओन पइ दाया न करा। ओनके देवतन क सेवा न करा। उ तोहार बरे फंदा अहइ।

### यहोवा आपन लोगन क सहायता क बचन देत ह

17“आपन मन मँ इ न सोचा, ‘इ सबइ रास्ट्र हम लोगन्स जियादा बरिआर अहई। हम पचे ओनका दबाव डाइके कइसे भगाइ सकित ह?’ 18तू पचन्क ओनसे डेराइ नाहीं चाही। तू

पचन्क सुमिरइ चाही जउन यहोवा तोहार परमेस्सर फिरौन अउर मिस्त्र क लोगन्क संग किहस। 19जउन बड़की बिपदन उ दिहस तू पचे ओनका लख्या। तू पचे ओकरे किए भए चमत्कार अउ अचरजन क लख्या। तू पचे यहोवा क बड़की सक्ती अउ मजबूती क, तू पचन्क बाहेर लिआवइ मँ उपयोग करत देख्या। यहोवा, तोहार परमेस्सर उहइ सक्ती क उपयोग ओन लोगन्क खिलाफ करी जेनसे तू पचे डेरात अहा। 20“यहोवा तोहार परमेस्सर, ओकर खिलाफ बरौ\* क भेजब जउन बचा भवा अहइ अउ आपन क तोहस छुपाए अहइ। यहोवा ओन सबहिं मनइयन क नास करी। 21तू पचे ओनसे जिन डेराअ, काहेकि यहोवा तोहार परमेस्सर तोहरे संग अहइ। उ महान अउ आस्चर्यजनक परमेस्सर अहइ। 22यहोवा तोहार परमेस्सर ओन रास्ट्रन क तोहार देस थोड़ा-थोड़ा कइके तज देइ क मजबूर करी। तू पचे ओनका हाली मँ सबहिं क नास नाहीं कइ पउब्या। अगर तू पचे अइसा करब्या तउ जगली जनावरन क तादाद तोहर बरे बहोत जियादा होइ जाइ। 23मुला यहोवा तोहार परमेस्सर ओन रास्ट्रन क तू पचन्क दइ देइ। उ ओनका बरबाद होइ तलक बड़ा उलझन मँ डाइ के परेसान करब्या। 24यहोवा तू पचन्क ओनके राजा लोगन क हरावइ मँ मदद करी। तू पचे ओनका मारि डाउब्या अउर उ बिसारि जाब। कउनो भी तू पचन्क रोक नाहीं सकी। तू पचे ओन सबहिं क बरबाद करब्या।

25“तू पचन्क ओनके देवतन क मूरतियन क बारि डवइ चाही। तू पचन्क ओन मूरतियन पइ मढ़ा भवा सोना या चाँदी क लेइ क इच्छा नाहीं करइ चाही। तू पचन्क उ सोना क अउ चाँदी क अपने खातिर नाहीं लेइ चाही। इ तोहका फंसा लेइहीं काहेकि उ सबइ मूरती यहोवा तोहार परमेस्सर बरे नफरत-अंगोज अहइ। 26इ सबइ मूरतियन क बर्बाद कीन्ह जाब्या। तू पचन्क ओन प्रकार क मूरतियन क आपन घरे मँ नाहीं लावइ चाही। एह बरे तू पचन्क ओनकर संग बर्बाद नाहीं कीन्ह जाब्या। तू पचन ओका अस्वीकार करइ चाही अउर ओन से घिना करइ चाही।

### यहोवा क सुमिर

8 “तू पचन्क आजु मई जउन सबइ कानून क देत ह ओका मानइ मँ होसियार रहइ चाही। काहेकि तब तू पचे जिअत रहब्या। तोहार गनती जियादा स जियादा होत जाइ। तू पचे उ देस मँ जाब्या अउर ओहमँ रहब्या जेका यहोवा तोहरे पुरखन क देइ क बचन दिहे अहइ। 2अउर तू पचन्क उ लम्बी जात्रा क याद रखइ चाही जेका यहोवा तोहार परमेस्सर रेगिस्ताने मँ चालीस बरिस तलक कराएस ह। यहोवा तोहार परमेस्सर तोहका परिपूर्ण बनाएस ह। उ तू पचन्क बिनम्र बनवइ चाहत रहा। अउर तोहार परीच्छा लइ चाहत रहा। उ पचे तोहार हिरदय क बारे मँ जानइ क चाहत रहा कि तू पचे ओकरे हुकुमन क पालन करब्या या नाहीं। 3यहोवा तू पचन्क बिनम्र बनाएस अउ तू पचन्क भूखा रहइ दिहस। तब उ तू पचन्क मन्ना खियाएस जेका तू पचे पहिले

बरी इ एक प्रकार क डंक मारइ क कीड़ा अहइ। इ बड़का भिड़ या मधुमक्खि क नाई अहइ। हीओँ एकाँ अरथ अहइ परमेस्सर क सरगदूत या ओकरे महानसक्ती।

स नहीं जानत रह्या, यहाँ तक कि ओका तोहार पुरखन भी कबहुँ नहीं लखे रहेन। यहोवा इ काहे किहस? काहेकि उ चाहत रहा कि तू पचे जान ल्या कि मनइयन सिरिफ रोटी प ही जिअत नहीं रहत ह किन्तु यहोवा क मुहँ स निकरा भवा हर एक बातन पइ टिका रहत ह। 4इ सबइ पिछले चालीस बरिसन मँ तोहार ओढ़ना नहीं निकलेन। तोहरे गोड़वन मँ चोट नहीं लागेन काहेकि यहोवा तोहार रच्छा किहेन। 5एह बरे तोहका पचन्क जानइ चाही कि यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क सिच्छा देइ अउ सुधारइ बरे उ सब वइसेन ही किहस जइसे कउनो पिता अपने बेटा क सिच्छा बरे करत ह।

6“तू पचन्क यहोवा आपन परमेस्सर क आदेसन क मानइ चाही। ओकरे बताए भए राहे पइ जीवन बितावा अउ ओकर मान करा। 7यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क एक ठु नीक देसे मँ लइ जात अहइ, अइसे देस मँ जेहमँ नदियन, फव्वासन अउ झरणा घाटियन अउ पहाड़ियन मँ बहत ह। 8इ अइसा देस अहइ जेहमँ गोहूँ, जउ, अंगूरे क सबइ बेल, अंजीरे क बृच्छ अउ अनार होत हीं। इ अइसा देस अहइ जेहमँ जइतून क तेल अउ मधु होत ह। 9हुआँ तू पचन्क बहोत जियादा भोजन मिली। तू पचन्क हुआँ कउनो चीज क कमी नहीं होइ। इ अइसा देस अहइ जहाँ लोहा क चट्टान अहइँ। तू पचे पहाड़ियन स ताँबा खन सकत ह। 10तोहरे पचन्क खाइ बरे खूब जियादा होइ अउर तू पचे संतुटठ होब्या। तब तू पचे आपन परमेस्सर क तारीफ करब्या कि उ तू पचन्क अइसा बढ़िया देस दिहस।

### यहोवा क कारजन क जिन बिसरा

11“होसियार रहा, यहोवा आपन परमेस्सर क जिन बिसरा। होसियार रहा कि आज मई जउने हुकुमन क, कानूनन अउ नेमन क दइ देत हउँ ओनका माना। 12तू पचे खाब्या अउ संतटठ रहब्या। तू पचे बढ़िया मकान बनउब्या अउर ओनमँ रहब्या। 13तोहार लगे गोरुअन अउर भेड़िन क बहोत बड़का झुण्ड होइहीं, तू पचे जियादा स जियादा सोना अउ चाँदी पउब्या। तोहरे लगे बहोत स चिजियन होइहीं। 14जब अइसा होइ तउ तू पचन्क होसियार रहइ चाही कि तू पचन्क घमण्ड न होइ। तू पचन्क यहोवा आपन परमेस्सर क नहीं बिसरइ चाही। उ तू पचन्क मिस्त्र स बाहर लाएस ह, जहाँ तू पचे गुलाम रह्या। 15यहोवा तू पचन्क बहोतइ बड़का अउ खउफनाक रेगिस्ताने स लिआवा। हुवाँ जहरिला साँप अउ बीछू उ रेगिस्ताने मँ रहेन। जमीन झुरान रही अउ कतहूँ पानी नहीं रहा। मुला यहोवा तोहका कठोर चट्टान स पानी बाहेर निकारि के दिहस। 16रेगिस्ताने मँ यहोवा तू पचन्क मन्ना खिआएस, अइसी चीज जेका तोहार पुरखन कबहुँ नहीं जान पाएन। यहोवा तोहार परीच्छा लिहस। काहेकि यहोवा तू पचन्क बिनम्र बनवइ चाहत रहा। उ चाहत रहा कि आखीर मँ तोहार सबन्क भला होइ। 17आपन मने मँ कबहुँ अइसा जिन सोचा कि, ‘मई इ सारी सम्पति आपन सक्ती अउ जोगगता स पाएँ ह।’ 18यहोवा आपन परमेस्सर क सुमिरा। उहइ एक बाटइ जउन तू पचन्क सम्पति प्राप्त करइ क सक्ती देत ह। यहोवा अइसा काहे करत ह? काहेकि उ तोहरे

पुरखन क संग कीन्ह गइ वाचा क पूरा करइ क चाहत ह। उ आजु उहइ करत ह जउन उ वाचा किहे रहा।

19“यहोवा आपन परमेस्सर क जिन बिसरा। कउनो दूसर देवता क पाछा जिन करा। ओकर पूजा या सेवा जिन करा। अगर तू पचे अइसा करब्या तउ मई तू पचन्क आज चितउनी देत हउँ कि तू पचे निस्चय ही नस्ट कइ दीन्ह जाब्या। 20यहोवा तोहरे बरे दूसर रास्ट्रन क नास करत अहइ। तू पचे भी ओनहीं रास्ट्रन क नाई बरबाद होइ जाब्या जेनका यहोवा तोहरे समन्वा नास करत अहइ। इ होइ काहेकि तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर क आग्या क मान्या नहीं।

### यहोवा इस्त्राएल क मनइयन क साथ देइ

9“धियान द्या, इस्त्राएल क मनइयो! आजु तू पचे यरदन नदी क पार करब्या। तू पचे उ देस मँ अपने स बड़का अउ सक्तीवाला क दबाव डाइके हटावइ बरे जाब्या। ओनकइ सहर बड़वार अउ अकासे क छुअत ऊँची दीवार स किलेबन्द अहइ। 2उ देस क मनई लम्बा अउ बरिआर अहइँ। उ पचे अनाकी लोग अहइँ। तू सबइ इ सबइ लोगन क बाबत जानत अहा। इ कहत भवा सुनेस, ‘कउनो मनई अनाकी लोगन क मुकाबिला नहीं कइ सकत ह।’ 3मुला तू पचे जान सकत ह कि यहोवा तोहार परमेस्सर भसम करइवाली आगी क नाई तोहरे आगे नदी क पार जात अहइ। यहोवा ओन रास्ट्रन क बरबाद कइ देइ। उ ओनका तोहरे समन्वा हराइ देइ। तू सबइ ओनँ क बाहर खदेर देब्या अउ हाली ही ओका बारबाद कइ देब्या जइसन ही यहोवा तोहका कहिहीं।

4“यहोवा तोहार परमेस्सर जब ओन रास्ट्रन क दबाव डाइके तू पचन्स दूर हटाइ देइ। तउ अपने मने मँ इ न सोच्या कि, ‘यहोवा हम लोगन्क इ देस मँ रहइ बरे, एह बरे लिआएस कि हम लोगन्क रहइ क तरीका ठीक अहइ।’ यहोवा ओन रास्ट्रन क तू लोगन्स दूर दबाव डाइके काहे हटाएस? काहेकि उ पचे दुस्टपूर्ण तरीका स रहत रह्या। 5तू सबइ ओनकइ देस कब्जा बरे जात अहा, मुला एह बरे नहीं कि तू पचे नीक अहा अउ उचित तरीका स रहत अहा। यहोवा तोहार परमेस्सर उ रास्ट्रन क ओकर आपन दुस्टता क कारण तोहका हुवाँ जाई स पहिले ओका उ रास्ट्र स खदेर देब अउर तू ओकर देस पइ कब्जा कइ लेब्या काहेकि उ चाहत रहा कि जउन बचन उ तोहरे पुरखन इब्राहीम, इसहाक अउ याकूब क दिहस उ पूरा होइ। 6यहोवा तोहार परमेस्सर उ बढ़िया देस क तू सबन्क रहइ बरे देत अहइ, मुला तू सबन्क इ जानइ चाही कि अइसा तोहरी जिन्गगी क ठीक तरीका क होइ क कारण नहीं होत अहइ। सच्चाइ इहइ अहइ कि तू सबइ अड़ियल लोग अहा।

### यहोवा क किरोध याद रखा

7“याद रखा अउ इ जिन बिसरा कि तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर क रेगिस्ताने मँ कोहाइ दिहा। तू सबइ उहइ दिना स जउने दिन स मिस्त्र स बाहेर निकइया अउर इ जगह पइ आवइ क दिन तलक यहोवा क हुकुम क मानइ स इन्कार कइ दिह्या ह। 8तू पचे यहोवा क होरेब पहाड़े पइ भी

कोहाइ दिह्या। यहोवा तू पचन्क बरबाद कइ देइ क हद तलक कोहाइ ग रहा। 9मई पाथरे क सिलन क लेइ बरे पहाड़े क ऊपर गएँ। जउन वाचा यहोवा तोहरे संग किहेस, ओन सिलन पइ तरासा भवा रहेन। मई हुआँ पहाड़े पइ चालीस दिन अउ चालीस रात ठहरेउँ। न तउ मई रोटी खाएँ, अउर न ही पानी पिएँ। 10तब यहोवा मोका दुई पाथर क सिलन दिहस। यहोवा ओन सिलन पइ खुद आपन अगुंरियन स लिखेस ह, उ हर उ एक बात क लिखेस ह जेनका उ आगी में स कहे रहा, जब तू पचे पहाड़ी क चारिहुँ कइँती बटुरा रह्या।

11“एह बरे, चालीस दिन अउ चालीस रात क आखीर में यहोवा मोका वाचा क दुइ ठु पाथर क सिलन दिहस। 12तब यहोवा मोसे कहेस, ‘उठा अउ जल्दी स हिआँ स खाले जा। जउन मनइयन क तू पचे मिस्त्र स बाहेर लिआया ह उ मनइयन खुद क पाछे ही बरबाद कइ लिहेस ह। उ पचे ओन बातन स पराइ ग अहई, जेनके बरे मई हुकुम दिहे अहई। उ पचे एक ठु धातू क मूर्ति बनाइ लिहे अहई।’

13“यहोवा मोसे इ भी कहेस, ‘मई इ लोगन पइ आपन निगाह रखेँ ह। उ पचे बहोतइ अड़ियल अहई। 14मोका अकेला रहइ द्या। मई इ मनइयन क पूरी तरह बरबाद करइ क चाहत अहई। ताकि कउनो मनई ओनकइ नाउँ कबहुँ याद नाहीं करी। तब मई तू पचन्स रास्ट्र बनाउबउँ जउन ओनके रास्ट्र स बड़का अउ जियादा सक्तीवाला होइ।’

### सोने क बछवा

15“तब मई मुड़ेउँ अउ पहाड़े स खाले आएँ। पहाड़ आगी स बरत रहा। वाचा क दुइनउँ पाथर मोर दुइनउँ हाथे में रही। 16जब मई नजर डालेउँ, तउ लखेउँ कि तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर क खिलाफ पाप किहे रहा। तू पचे अपने बरे धातू एक ठु बछवा बनाया ह। यहोवा जउन हुकुम दिहे अहइ ओसे तू पचे दूर पराइ ग अहा। 17एह बरे मई दुइनउँ सिलन क लिहेउँ अउ ओनका नीचे फैंकि दहेउँ। हुआँ तोहरी आँखियन क समन्वा सिलन क टूका होइ गएन। 18तब मई यहोवा क समन्वा निहुरेउँ अउ आपन चेहरा क जमीन पइ कइके चालीस दिन अउ चालीस रात वइसे ही बिताउँ। मई न तउ रोटी खाएँ, अउ न ही पानी पिएँ। मई इ एह बरे किहेउँ, कि तू पचे ऐतना बुरा पाप किह्या ह। तू पचे यहोवा बरे बुरा किहा अउर ओका कोहाइ दिह्या। 19मई यहोवा क खउफनाक किरोध स डेराइ ग रहेउँ। उ तोहरे पचन्क खिलाफ ऐतना कोहाइ ग रहा कि तू पचन्क नास कइ देत। मुला यहोवा मोर बात फुन सुनेस। 20यहोवा हारून पइ बहोत कोहान रहा। उ काफी किरोधित रहा अउ ओका बरबाद करइ चाहत रहा। एह बरे उ समइ मई हारून बरे भी पराथना किहे रहा। 21मई उ पापे स भरा भए तोहार बनवा सोना क बछवा क लिहेउँ अउ ओका आगी में बारि दिहेउँ। मई ओका नान्ह नान्ह टूकन में तोड़ेउँ अउ मई बछवा क टूकन क तब तलक कुचर दिहेउँ जब तलक उ सबइ धूरि नाहीं बन गएन अउर तब मई उ धूरि क पहाड़े स खाले बहइवाली नदी में फेकेउँ।

### मूसा परमेस्सर स छिमा मॉगत ह

22“मस्सा, तबेरा अउ किब्रोत-हतावा पइ तू पचे फिन यहोवा क किरोधी कइ दिहा। 23अउर जब यहोवा तू पचन्स कादेसबर्ने तजइ क कहेस तब तू पचे ओकरी आग्या क नाहीं मान्या। उ कहेस, ‘अगवा बढ़ा अउ उ देस में रहा जेका मई तोहका पचन्क दिहेउँ ह।’ मुला तू पचे ओह पइ बिस्सास नाहीं किह्या। तू पचे ओकरे आदेस क अनसुनी किह्या। 24पूरा समइ जबहिँ स मई तू पचन्क जानत हउँ तू लोगो यहोवा क आग्या क मानइ स इन्कार किहा ह।

25“एह बरे मई चालीस दिन अउ चालीस रात यहोवा क समन्वा निहुरा रहा। काहेकि यहोवा कहेस कि उ तू पचन्क नास करी देब्या। 26मई यहोवा स पराथना किहेउँ। मई कहेउँ: यहोवा, मोर सुआमी, आपन लोग, आपन मीरास क बरबाद जिन करा। तू आपन बड़की ताकत अउ सक्ती स ओनका अजाद किहा अउ मिस्त्र स लिआया। 27तू आपन सेवकन इब्राहीम, इसहाक अउ याकूब क याद करा। कृपा कइके तू इ लोगन क हठीलापन क भूल जा। 28अगर तू आपन लोगन क सजा देब्या तउ मिस्त्री कहि सकत ही, ‘यहोवा आपन लोगन क लइ जाइ मैं समर्थ नाहीं रहा, जेहमों लइ जाइ क बचन दिहे रहा। उ ओनसे घिना किहेस। एह बरे उ ओनका मारइ बरे रेगिस्तान में लइ गवा।’ 29मुला उ सबइ तोहार लोगन अहई। यहोवा उ तोहार सम्बंधित अहई। तू आपन बड़की ताकत अउ मजबूती स ओनका मिस्त्र स बाहेर लिआया।

### नवा पाथर क सिलन

10 “ओह समइ, यहोवा मोसे कहेस, ‘तू पहिली सिलन क नाई पाथर फारिके दुइ सिला बनावा। तब तू पचे मोरे लगे पहाड़े पइ आवा। अपने बरे एक काठे क संदूख भी बनावा। 2मई पाथरे क सिलन पइ उ सबइ सब्द लिखब जउन पहिली सिलन पइ लिखे रहेन। तू पहिली सिलन क तोड़ी दिहेन। तब तू पचन्क इ नवी सिलन क सन्दूखे में रखइ चाही।’

3“एह बरे मई बबूल क एक ठु सन्दूख बनाएँ। मई पहिली सिलन क तरह पाथर फारिके दुइ सिलन बनाएँ। तब मई पहाड़े पइ गएँ। मोरे हथवा में दुइ सिलन रहिन 4अउर यहोवा ओनही सबदन क लिखेस जेनका उ तब लिखे रहा जब दस हकुमन क उ आगी में स तू पचन्क दिहे रहा अउर तू पचे पहाड़े क चारिहुँ कइँती बटुरा रह्या। तब यहोवा पाथर क सिलन मोका दिहस। 5मई घूमेउँ अउर पहाड़े क खाले आएँ। मई आपन बनाए भए सन्दूखे में सिलन क रखेउँ। यहोवा मोका एन सिलन क ओहमों धरइ क आदेस दिहस।”

6(इस्त्राएल क लोग याकान क लोगन क कुआँ स मोसेरा क जात्रा किहेन। हुआँ हारून मरा अउ दफनाव गवा। हारून क पूत एलीआज़ार हारून क जगह पइ याजक क रुप में सेवा सुरु किहस। 7तब इस्त्राएल क लोग मोसेरा स गुदगोदा गएन अउर उ पचे गुदगोदा स नदियन क पहेँटा योतबाता गएन। 8ओह समइ यहोवा लेवी क परिवार समूह क आपन खास काम बरे दूसर परिवार समूहन स अलगाइ दिहस।

ओनका यहोवा क करार क सन्दूखे क लइ जाइ क काम, यहोवा क समन्वा खड़ा होइके अउर ओकर सेवा करइ क काम रहा। उ यहोवा क नाउँ पइ उ पचे लोगन क आसीबाँद देइ क काम भी करत रहेन। उ पचे अब भी इ खास काम करत हीं। 9इहइ कारण अहइ कि लेवी बंस क मनइयन क भुइँया क कउनो हींसा दूसर परिवार समूहन क नाई नहीं मिल पावा। लेवी बंसियन क हींसे मैं यहोवा पड़ा। यहोवा तोहार परमेस्सर ओकर संग इ वाचा किहेस।)

10“मईं पहाड़े पइ पहिली दाई क तरह चालीस दिन अउ चालीस रात रुका रह। यहोवा ओह समइ भी मोर बातन क सुनेस। यहोवा तू पचन्क नास न करइ क निहचय किहेस। 11यहोवा मोसे कहेस, ‘जा अउर मनइयन क जात्रा पइ लइ जा। उ पचे उ देस मैं जइहीं अउ ओहमों रइहीं जेका मईं ओनके पुरखन क देइ क बचन दिहे अहउँ।’

### यहोवा असलियत मैं का चाहत ह

12“इस्त्राएल क लोगो, अब सुना! यहोवा, तोहार परमेस्सर जउन चाहत ह उ इ बाटइ: उ चाहत ह कि तू ओकर सम्मान करा अउ ओकर रास्ता प रहा। उ चाहत ह परमेस्सर स पिरेम अउर ओकर अराधना आपन पूरा हिरदइ अउर पूरा आतिमा स करा। 13यहोवा क नेमन अउ आदेसन क पालन करा। मईं इ सबइ आदेसन तोहका आपन भलाई बरे देत अहउँ।

14“हर एक चीज, यहोवा तोहरे परमेस्सर क अहइ। सरग, सबन त ऊँचा उहइ क अहइ। भुइँयाँ अउ ओह पइ क सारी चिजियन यहोवा तोहरे परमेस्सर क अहउँ। 15यहोवा तोहरे पुरखन स बहोत पिरेम करत रहा। उ ओनसे एतना पिरेम करत रहा कि ओनके सन्तान, तू पचन्क, उ आपन लोग बनाएस। उ कउनो दूसर रास्ट्र क जगह पइ तू पचन्क चुनेस अउ आजु भी तू पचे ओकर चुना भवा लोग अहा।

### इस्त्राएलियन क यहोवा क याद रखइ चाही

16“तू पचन क आपन हिरदय क खतना करइ चाही।\* तू पचन्क अड़ियल होब तजि देइ चाही। 17काहेकि यहोवा तोहार परमेस्सर अहइ। उ देवतन क परमेस्सर, अउ देवतन क यहोवा अहइ। उ महान परमेस्सर अहइ। उ अरज करइवाला अउ सक्तीवाला जोदधा अहइ। यहोवा क निगाहे मैं सबहिं मनई बराबर अहउँ। यहोवा आपन इरादा बदलइ बरे धन नहीं लेत। 18उ अनाथ क अउ रँड क निआउ करत ह। उ हमरे देस मैं रहइवाला प्रवासी स पिरेम करत ह। उ ओनका खइया क अउ ओढ़ना देत ह। 19एह बरे तू पचन्क भी इ अजनबियन स पिरेम करइ चाही। काहेकि तू पचे खुद भी मिस्त्र मैं अजनबी रह्या। 20“तोहका यहोवा आपन परमेस्सर क मान करइ चाही अउ सिरिफ उहइ क उपासना करइ चाही। ओका कबहुँ न तजा। जब तू पचे बचन द्या तउ सिरिफ ओकरे नाउँ क उपयोग करा। 21तू पचन्क ओका बड़कई करइ चाही। उ तोहार परमेस्सर अहइ। उ तोहरे बरे महान अउ अचरजे स भरा भवा काम किहेस ह। इ सबइ

कारजन क तू पचे आपन आँखिन स लख्या ह। 23जब तोहार पुरखन मिस्त्र ग रहेन तउ सिरिफ सत्तर रहेन। अब यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क बहोतइ जियादा मनइयन क रुप मैं बड़ाइ दिहे अहइ जेतना अकासे मैं तारा बाटेन।

### यहोवा क सुमिया

11“एह बरे तू पचन्क आपन परमेस्सर यहोवा स पिआर करइ चाही। तू पचन्क उहइ करइ चाही जउन उ करइ बरे तू सबन्स कहत ह। तू पचन्क ओकरे नेमन, हुकुमन अउ आदेसन क हमेसा ही मानइ चाही। 2याद रखा सिरिफ तोहार गदेलन उ एक नाही अहइ जेका उ लख्या ह अउर जउन यहोवा तोहार परमेस्सर बरे महान काम करइ मैं तजुरबा राखत अहइ। उ सबइ तू लोग रह्या तोहरे सबन्क जउन उ लखेन अउर तू पचे लख्या ह कि यहोवा केतना महान, मज़बूत अउ केतना सक्तीसाली अहइ। 3तू पचे ओकरे चमत्कारन क लख्या ह। तू पचे उ सबइ लख्या ह जउन उ मिस्त्र क राजा फिरौन अउ ओकरे पूरे देस क संग किहस। 4तू पचे मिस्त्र क फउज, ओनकइ घोड़न अउ रथन क संग यहोवा जउन किहस, लख्या ह। उ सबइ तू सबन्क पाछा करत रहेन, मुला तू पचे लख्या ह, यहोवा ओनका लालसागरे क जले मैं बोर दिहस। तू पचे लख्या ह कि यहोवा ओनका पूरी तरह बरबाद कइ दिहस। 5तू पचे उ सबइ चिजियन क लख्या ह जउन यहोवा तोहार परमेस्सर उ रेगिस्तान मैं तू पचन्क इ जगह मैं आवइ तलक किहेस ह। 6तू पचे लख्या ह कि यहोवा रूबेन क परिवार क एलिआब क दूइ पूतन दातान अउ अबीराम क संग का किहेस। इस्त्राएल क सबहिं मनइयन लख्या ह कि भुइँयाँ मुँहे क नाई खुलत भवा ह अउ ओन मनइयन, ओनके परिवारे, खेमन, सबहिं नउकरन अउ ओनकर सबहिं जनावरन क निगल लिहस। 7तू पचे यहोवा क जरिये कीन्ह गएन महान कारनामा क लख्या ह।

8“एह बरे आजु जउन आदेस मईं देत अहउँ, तू पचन क ओन सबन क जरूर मानइ चाही। तबहिं तू पचे सक्तीसाली बनब्या। अउर तू पचे नदी क पार करइ लायक बनब्या अउर उ देस पइ कब्जा करब्या जेहमों प्रवेस करइ बरे तू पचे तइयार अहा। 9उ देस मैं तोहार उमिर लम्बी होई। इ उहइ देस अहइ जेका यहोवा तोहरे पुरखन स ओनके अउ ओनके सन्तानन क देइ क बचन दिहे रहा। इ देस मैं दूध अउर सहद बहत ह। 10जउने देस क तू पचे पउब्या उ मिस्त्र क नाई नाही अहइ जहाँ से तू पचे आया ह। मिस्त्र मैं तू पचे बिआ बोअत रह्या अउर पौधन क गोड़न क जरिये नहर स पानी निकाल कइ सबजियन क बगियन क नाई सीचत रहा। 11मुला जउन पहेँटा तू पचे हाली ही पउब्या उ मैं पहाड़न अउ घाटियन अहउँ। इ भुइँयाँ बरखा स पानी अकासे स पावत ह। 12यहोवा तोहार परमेस्सर उ देस क देख-भला करत ह। यहोवा तोहार परमेस्सर बरिस क सुरू स आखिर तलक ओकर देख-भाल लगातार करत रहत ह।

13“तू पचन्क जउन आदेसन मईं आजु देत अहउँ, ओका तोहका होसियारी स जरूर सुनइ चाही। तू पचन क यहोवा तोहार परमेस्सर स पिरेम अउ ओकर सेवा पूरा हिरदय अउ

**तू पचन ... चाही** इ प्रमाण अहइ कि तू परमेस्सर क अहइ। हम पचन्क आकर आदेसन क पालन करत ह।

आतिमा स जरूर करइ चाही। अगर तू पचे अइसेन करब्या, 14तउ मई ठीक समइ पइ तोहरी भुइँया बरे बरखा पठउब। मई पतझर अउ बसन्त क समइ क भी बरखा दुआरा तोहका आसीर्बाद देब। तू पचे आपन अन्न, नवा दाखरस अउ तेल बटोरब्या। 15अउर मई तोहरे खेतन मँ तोहरे पचन्क गोरुअन बरे घास जमाउब। तोहरे पचन्क भोजन बरे बहोत जिआव होइ।

16“मुला होसियार रहा कि ललचाया नाहीं जा। दूसर देवतन क पूजा अउ सेवा करइ बरे जिन घूमा। 17अगर तू पचे अइसा करब्या तउ यहोवा तू पचन पइ बहोतइ कोहाइ जाइ। उ अकासे क बन्द कइ देइ अउ बरखा नाहीं होइ। भुइँया स फसल नाहीं जमी अउर तू पचे उ नीक देस मँ हाली ही मरि जाब्या जेका यहोवा तू पचन्क देत अहइ।

18“इ सब्दन क आपन दिमाग अउर हिरदइ मँ रखा। ऐंका आपन कमर अउ कपाल पइ यादगार क रूप मँ रखा। 19ऐं नेमन क सिच्छा आपन गदेलन क द्या। ऐंके बारे मँ जउन तू आपन घरे मँ बइठा, जउन तू सड़किया पइ टहरत रहा, जउन तू लोटत रहा अउ जउन जागत भए रहा, बतावा करा। 20ऐं आदेसन क आपन घरे क दुआरे क चौखट अउ फाटकन पइ लिखा। 21तबहिं तू पचे अउ तोहार गदेलन उ देस मँ लम्बे समइ तलक रइहीं। इ उहइ भुइँया अहइ जेका यहोवा तोहरे पुरखन क देइ क बचन दिहे रहा। तू पचे तब तलक रहब्या जब तलक धरती क ऊपर अकास रही।

22“होसियार रहा कि तू पचे उ हर एक आदेस क मानत रहा जेका मानइ बरे मई तू पचन्स कहेउँ ह। आपन परमेस्सर यहोवा स पिरेम करा। ओकर बताए भए सबहिं राहे प चला। ओहसे लगा रहा। 23यहोवा ओन सबहिं रास्ट्रन क ताकत लगाइके बाहर करब। तू पचे ओन रास्ट्रन स भुइँया लेब्या जउन तोहसे पचन्स लम्बा अउ मजबूत अहइँ। 24उ सारा प्रदेस जेह पइ तू पचे चलब्या, उ तोहार होइ। तोहार देस दक्खिन मँ रेगिस्ताने स लइके लगातार उत्तर मँ लबानोन तलक होइ। इ पूरब मँ फरात नदी स लइके पस्चिमी सागर तलक होइ। 25कउनो मनई तोहरे पचन्क खिलाफ ठाड़ न होइ। यहोवा तोहार परमेस्सर ओन लोगन्क तू पचन्स डेरवाइ देइ जहाँ कहुँ तू पचे उ देस मँ जाब्या। इ उहइ जेकरे बरे यहोवा पहिले तोहका पचन्क बचन दिहे रहा।

### इस्त्राएलियन बरे चुनाव: आसीर्बाद या अभिसाप

26“आजु मई तू पचन्क आसीर्बाद या अभिसाप मँ स एक क चुनइ क बचन देत अहउँ। 27तू सबइ बरदान पउब्या, अगर तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर क आदेसन क पालन करब्या। मई आजु इ आदेसन क तोहका देत अहउँ। 28मुला तू पचे ओह समइ अभिसाप पउब्या जब तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर क आदेसन क मानइ स इन्कार करब्या। ऐंहे बरे जउने राहे पइ चलइ क आदेस मई आजु तू पचन्क दइ देत अहउँ, ओहसे घूमब्या अउ ओन दूसर देवतन क पाछा करब्या जेनका तू पचे जानत्या नाहीं।

29“जब यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क उ देस मँ लावत ह जहाँ तू पचे रहब्या, तब तू पचन्क गरीज्जीम पहाड़े

क चोटी पइ जाइ चाही अउ हुओं स आसीर्बादन क लोगन क सुनावइ चाही। तब तू पचन्क एबाल पहाड़े क चोटी पइ भी जाइ चाही अउ हुओं स अभिसापन क लोगन क सुनावइ चाही। 30इ सबइ यरदन नदी क दूसर कईती कनानी लोगन्क प्रदेस मँ अहइँ जउन यरदन घाटी मँ रहत हीं। इ सबइ पहाड़ गिलगाल सहर क निचके मोरे क बांज क बृच्छन क निअरे पच्छिम कईती अहइँ। 31तू पचे यरदन नदी क पार कइके जाब्या। तू पचे उ पहुँटा क लेब्या जेका यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क दइ देत अहइ। इ देस तोहार होइ। जब तू पचे इ देस मँ रहइ लगब्या तउ 32तोहका ओन सबहिं हुकुमन अउ नेमन क मानब होसियारी स करी चाही जेनका आजु मई तू पचन्क दइ देत अहउँ।

### परमेस्सर क उपासना क ठउर

12 “इ सबइ नेम अउर हुकुम अहइ जेका तोहका आपन नवा भुइँया मँ होसियारी क साथ जरूर पालन करइ चाही। यहोवा तोहार पुरखन क परमेस्सर तोहका इ भुइँया दइ दिहा ह जब तलक तू पचन्क इ धरती पइ रही तोहका आपन अधिकार मँ रखइ बरे दिहेस ह। 2तू पचे उ पहुँटा क ओन रास्ट्रन स लेब्या जउन अब हुओं रहत अहइँ। तू पचन्क ओन सबहिं ठउरन क पूरी तरह नास कइ देइ चाही जहाँ इ सबइ रास्ट्र आपन देवतन क पूजत हीं। इ सबइ ठउर ऊँचे पहाड़न, पहाड़ियन अउ सबइ हरिअर बृच्छन क खाले अहइँ। 3तू पचन्क ओनकर वेदियन क बरबाद करइ चाही अउ ओनके स्मृति पाथरन क टूका-टूका कइ देइ चाही। तू पचन्क ओनके पवितर खम्भन क बार देइ चाही। ओनके देवतन क मूरतियन क काट डवइ चाही अउ ओनकर नाउँ हुओं स मेट देइ चाही।

4“मुला तू पचन्क यहोवा आपन परमेस्सर क उपासना उ तरह नाहीं करइ चाही जउने तरह उ सबइ लोग आपन देवतन क पूजन हीं। 5यहोवा तोहार परमेस्सर तोहरे परिवार समूहे स खास ठउर चुनवा। उ हुओं आपन नाउँ क थापना करी। अउ हुओं निवास करी तू पचन्क ओकर उपासना करइ बरे उ ठउर प जाइ चाही। 6हुओं तू पचन्क आपन होमबलि, आपन सबइ बली, दसवाँ हीसा, आपन खास भेंट, यहोवा क बचन दीन्ह गइ भेंट, आपन क इच्छा स भेंट अउर झुण्ड अउ रेवइ क पहिला पइदा भवा बचन क लियावइ चाही। 7तू अउर तोहार परिवार हुओं यहोवा तोहार परमेस्सर क मौजूदगी मँ भोजन करिहीं। जउने अच्छी चिजियन बरे तू पचे काम किहया ह आपन परमेस्सर क कासन स तू आनन्द पाउब्या। काहेकि यहोवा तोहार परमेस्सर तोहका आसीर्बाद दिहेस ह।

8“उ उहइ तरह उपासना करत नाहीं रहइ चाही जउने तरह हम उपासना करत आवत अही। अबहिं तलक हम मँ स हर एक जइसा चाहे परमेस्सर क उपासना करत रहा। 9काहे अबहिं तलक हम उ सान्त देस मँ नाहीं पहुँचे रहेन जेका यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क देत अहइ। 10मुला तू पचे यरदन नदी क पार करब्या अउ उ देस मँ रहब्या जेका यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क देत अहइ। हुओं यहोवा तू पचन्क सबहिं दुस्मनन स चैन स रहइ देइ अउ तू सुरच्छित

रहब्या। 11तब यहोवा आपन बरे खास ठउर चुनी उ हुआँ आपन नाउँ क थापना करी अउर तू पचे ओन सबहिं चीजन्क हुआँ लइ अउब्या जेनके बरे मई आदेस देत हउँ। हुआँ तू पचे आपन क सबइ होम बलियन, आपन बलियन, दसवाँ हीसा\*, आपन इच्छा क भेंट, आपन खास भेंट, अउ आपन क स्वतंत्र इच्छा क भेंट, जउन तू यहोवा क देइ क बचन दिहस ह। 12उ ठउरे पइ तू पचे आपन सबहिं लोग, आपन बेटवन अउ बेटियन, मरद अउ मेहरारु नउकरन, अउर आपन सहर मँ बसइया सबहिं लेवीबंसियन क संग बटुर जा। (इ सबइ लेवीबंसी आपन बरे भुइँया क कउनो हीसा न पइहीं।) यहोवा आपन परमेस्सर क मौजूदगी मँ हुआँ आनंद मनाव। 13होसियारी बरता कि तू पचे आपन होम बलियन क जहाँ लखा हुआँ जिन चढ़ावा। 14तोहरे परिवार समूहे मँ स कउनो एक क इलाका मँ यहोवा आपन खास ठउर चुनी। हुआँ आपन होमबलि चढ़ावा अउ तू पचन्क बतावा गवा सबहिं आदेसन क हुआँ करा।

15“जउने कउने जगह तू पचे रहा तू कउनो जनावर क मारिके खाइ सकत ह। तू हरिण या नील गाय क साथ ठीक वइसा ही करा। तू पचे ओतना माँस खाइ सकत ह जेतना तू चाह, जेतना यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क देइ। कउनो भी मनई इ गोस क खाइ सकत ह, चाहे उ पवितर होइ या अपवितर होइ। 16मुला तू पचन्क रक्त नाहीं खाइ चाही। तू पचन्क खून क पानी क तरह जमीन प बहाइ देइ चाही।

17“कछू अइसी चिजियन अहई जेनका तू पचन्क ओन ठउरन पइ नाहीं खाइ चाही जहाँ तू पचे रहत अहा। इ सबइ अहई: आपन अनाज क, दाखरस क, अउ तेल क दसवाँ हीसा। तोहार भेइ अउ गोरुअन क पहिला पइदा भवा बच्चा, परमेस्सर क वचन दीन्ह गइ भेंट, कउनो आपन इच्छा भेंट या कउनो भी परमेस्सर क दूसर भेंट। 18तू पचन्क ओन भेंटन क सिरिफ यहोवा तोहार परमेस्सर क मौजूदगी मँ खाइ चाही यानी यहोवा तोहार परमेस्सर जउने ठउरे क चुनइ। तू पचन्क हुआँ जाइ चाही अउर आपन पूतन, बिटियन, सबहिं मरद अउ मेहरारु नउकरन अउर तोहरे सहरन मँ बसइयन लेवी बंसियन क संग मिलिके खाइ चाही। यहोवा आपन परमेस्सर क मौजूदगी मँ आनन्द मनाव। जउने चिजियन बरे काम किहा ह ओनकर आनन्द ल्या। 19धियान रखा कि इ भोजनन क लेवी बंसियन क संग बाँटिके खा। इ तब तलक करा जब तलक आपन देस मँ रहा।

20-21“यहोवा तोहार परमेस्सर इ बचन दिहे अहइ कि उ तोहरे देस क सीमा क अउर बढ़ाई। जब यहोवा अइसा करी तउ उ ओकरे चुने भए खास निवास स दूर रहि सकत ह अउर तोहे पचन्क गोस क भूख अहइ तउ तू पचे कउनो भी तरह क गोस क, जउन तोहरे लगे अहइ खाइ सकत ह। तू पचे यहोवा क दीन्ह झुण्ड अउ समूह मँ स कउनो

भी जनावर क मारि सकत ह। इ वइसे ही करा जइसा करइ क हुकुम मई दिहे अहउँ। इ गोस, तू पचे जबहिं चाहा जहाँ भी रह्या, खाइ सकत ह। 22तू पचे इ गोस क वइसे ही खाइ सकत ह जइसे नीलगाय अउर हिरन क गोस खात ह। कउनो भी मनई इ कइ सकत ह चाहे उ सबइ पवित्तर होई या अपवितर। 23मुला निहचय ही खून जिन खा। काहेकि खून मँ जिन्गी अहइ अउर तू पचन्क उ गोस नाहीं खाइ चाही जेहमँ अबहिं जिन्गी होइ। 24खून जिन खा। तू पचन्क खून क पानी क नाई भुइँया पइ डइ देइ चाही। 25तू पचन्क उ सब कछू करइ चाही जेका परमेस्सर उचित समझत ह। एह बरे खून जिन खा। तब तोहार अउ तोहरे सन्तानन क भला होइ।

26“कउनो भी तरह तोहका आपन पवितर बलिदान क अउर वचन क उपहारन क उ जगह पइ लावइ चाही जेका यहोवा चुनी। 27तू पचन्क आपन होमबलि हुआँ चढ़ावइ चाही। आपन होमबलि क गोस अउ रक्त यहोवा आपन परमेस्सर क वेदी पइ चढ़ावा। रक्त क बाहर निकाल। तब तू पचे गोस खाइ सकत ह। 28जउन आदेस मई देत अहउँ ओनका मानइ मँ होसियार रहा। जब तू पचे उ सब कछू करत अहा जउन यहोवा तोहार परमेस्सर बाटइ अउ ठीक अउ अच्छा अहइ, तब हर चीज तोहरे बरे अउ तोहरे सन्ताने बरे भविस्य मँ सब भला रही।

29“जब यहोवा तोहार परमेस्सर उ रास्ट्रन क बरबाद करब्या अउ तो ओकर भुइँया पइ कब्जा करब्या। तू पचे हुआँ जाब्या अउ ओनसे भुइँया लेब्या। तू पचे ओनकइ भुइँया पइ रहब्या। 30किन्तु ओकर पाछे होसियार रहा काहेकि उ तोहार समन्वा बरबाद भवा। ओकरे कैद मँ जिन फँसा जेहसा उ देवतन क पूजा करत अहइ। इ सीखइ क कोसिस न करा कि उ सबइ आपन देवतन क पूजा कइसे करत हीं। ‘उ सबइ जइसे पूजा करत ही वइसेन पूजा करइ क बारे मँ जिन सोचा।’ 31तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर क वइसेन उपासना नाहीं करब्या जइसे उ पचे आपन देवतन क करत हीं। काहेकि उ पचे आपन पूजा मँ सब किसिम क बुरी चीजन करत हीं जेनसे यहोवा घिना करत ह। उ पचे आपन देवतन क बलि बरे आपन गदेलन क भी बार देत हीं।

32“तू पचन्क ओन सबहिं काम क करइ बरे होसियार रहइ चाही जेनके बरे मई आदेस देत हउँ। जउन मई तू पचन्स कहत हउँ ओहमँ न तउ कछू जोरा, न ही ओहमँ स कछू कमती करा।

### झूठे नबियन

**13** “कउनो नबी या सपन क फले क जानइवाला तोहरे लगे आइ सकत ह। उ इ कहि सकत ह कि उ कछू दैवी चीन्हा या अचरजवाला काम देखाइ। 2उ दैवी चीन्हा या अचरजवाला काम, जेकरे बारे मँ उ तू पचन्क बताएस ह, उ सही होइ सकत ह। तब उ तू पचन्स कहि सकत ह कि तू पचे दूसर देवतन क माना (जेनका तू पचे नाहीं जानत अहा।) उ तू पचन्स कहि सकत ह, ‘आवा हम ओन देवतन क सेवा करी।’ 3उ नबी या सपन काल क

**दसवाँ हीसा** मनई क लाभ क दसवाँ हीसा परमेस्सर क उपहार क रूप मँ दइ जात रहा। कबहुँ इ सबइ दोस्तन अउर पड़ोसियन क बीच मेल बाले क रूप मँ बाँट लइ जात रहा, कबहुँ इ विधावा अउ अनाथ क जात रहा, अउर कबहुँ इ मन्दिर क जात रहा।

बातन क जिन सुना। काहेकि यहोवा तोहार परमेस्सर तोहार परीच्छा लेत अहइ। उ इ जानइ चाहत ह कि तू पचे पूरे हिरदय अउ आतिमा स पिरेम करत अहा कि नहीं। 4तू पचन्क यहोवा आपन परमेस्सर क अनुसरण करइ चाही। तू पचन्क ओकर सम्मान करइ चाही। यहोवा क आदेसन क माना अउर उ करा जउन उ कहत ह। यहोवा क सेवा करा अउ ओका कबहुँ जिन तजा। 5उ नबी या सपन फले क जानइवाला मार दीन्ह जाइ चाही। काहेकि उ ही न तू पचन्स यहोवा तोहरे परमेस्सर क रास्तन स भटकत ह। यहोवा तू पचन्क मिस्त्र स बाहरे लिआवा। यहोवा तू पचन्क हुआँ क दासता क जिन्नगी स अजाद किहेस। उ ही अहइ जउन तोहका रोकइ क कोसिस करत अहइ कि तू पचे यहोवा आपन आदेस क मुताबिक जिन्नगी जिन बितावा। एह बरे आपन लोगन स बुरा मानुस क जरूर बरबाद करइ चाही।

6“तोहार आपन भाइ, बेटवा, बिटिया, तोहार पियारी मेहरारु या तोहार पियारा दोस्त छुपाइ के कहि सकत है, ‘आवा चली, दूसर देवतन क सेवा करी।’ (इ सबई वइसेन देवतन अहई जेनका तू पचे अउ तोहार पुरखन कबहुँ नहीं जानेन। 7उ सबइ ओन लोगन क देवता अहई जउन तोहरे चारिहुँ कइँती दूसर देसन में रहत हीं, कछू निचके अउ कछू दूर।) 8तू पचन्क उ मनई क संग राजी नहीं होइ चाही। ओकर बात जिन सुना। ओह पइ दया न देखावा। ओका आजादी स जिन जाइ द्या। ओकर रच्छा जिन करा। 9-10तू पचन्क ओका मारि डवइ चाही। पाथर उठावइ वालन में स तू पचन्क पहिला होइ चाही अउर ओका मारइ चाही। तब सबहिं मनइयन क ओका मारि देइ क बरे ओह पइ पाथर लोकावइ चाही। काहेकि उ मनई तू पचन्क यहोवा तोहरे परमेस्सर स दूर हटावइ क कोसिस किहस। यहोवा सिरिफ एक अहइ जउन तोहे सबन्क मिस्त्र स लिआवा, जहाँ तू पचे दास रह्या। 11तब इस्राएल क सबहिं लोग सुनिहीं अउ डेरइ जइहीं अउर उ सबइ तोहरे पचन्क बीच अउर जियादा इ तरह क बुरा काम फुरइ स करिहीं।

### नगर जेनका बार दीन्ह जाइ चाही

12“यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क रहइ बरे सहरन विहे अहइ। कबहुँ-कबहुँ तू पचे सहरन में स कउनो क बारे में बुरी खबर सुन सकत ह। तू सबइ सुनि सकत ह कि 13तोहारे पचन्क आपन रास्ट्र में ही कछू बुरे लोग आपन सहर क लोगन्क बुरी बातन बरे तइयार करत अहइ। उ पचे आपन सहर क लोगन स कहि सकत हीं, ‘आवा चली, दूसर देवतन क सेवा करी।’ (इ सबइ अइसे देवता होइहीं जेनका तू पचे पहिले नहीं जान्या ह।) 14तब तोहका सबइ चिजियन क पूरी तरह निरिच्छन करइ चाही। अगर तू पावत ह कि इ सही अहइ, तउ तू साबित कइ सकत ह कि सचमुच अइसा भयंकर बात भइ, 15तब तू पचन्क उ सहर क लोगन्क निहचय ही स जरूर मारिइ चाही। उ सहर अउ ओकर सबइ चिजियन क, गिरुअन सहित बरबाद करइ चाही। 16तब तू पचन्क सबहिं कीमती चीजन्क बटोरइ चाही अउर ओका सहर क बीच लइ जाइ चाही अउर सब चिजियन क सहर क संग बारि देइ चाही। इ तोहरे परमेस्स यहोवा बरे होमबलि

होइ। सहर क सदा बरे राख क ढेर होइ जाइ चाही। इ कबहुँ दोबारा नहीं बनावा जाइ चाही। 17एह बरे तू पचन्क कउनो चीज आपन बरे नहीं राखइ चाही। अगर तू पचे इ हुकुम क मानत अहा तउ यहोवा तू पचन्पइ कोहाइ स रोकि देइ। यहोवा तोहे पचन्पइ दया करी अउ तरस खाइ। उ तोहरे पचन्क रास्ट्र क वइसा बड़का बनाइ जइसा उ तोहरे पुरखन क बचन दिहे रहा। 18इ तब होइ जब तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर क बात सुनब्या यानी अगर तू पचे ओन हुकुमन क मनब्या जेनका मई तू पचन्क आजु दइ देत अहउँ। अउर तू पचन्क उहइ करइ चाही जेका यहोवा तोहार परमेस्सर उचित बतावत ह।

### इस्राएली, यहोवा क खास लोग

14 “तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर क गदेलन अहा। अगर कउनो मरइ तउ तू पचन्क आपन दुखे में पड़ा भवा देखावइ बरे खुद क नहीं काटइ चाही। तु पचन्क आपन मूँडे क अगवा क हींसा क बार नहीं कटवावइ चाही।\* 2काहेकि तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर क खास लोग अहा। उ संसार क सब मनइयन में स, तू पचन्क आपन खास लोगन्क रुप में चुना ह।

### इस्राएलियन क भोजन जेका खाइ क अनुमति रही

3“अइसी कउनो चीज जिन खा, यहोवा जेहसे घिना करत ह। 4तू पचे एँन जनावरन क खाइ सकत ह: गाय, भेड़, बोकरी, 5हिंसन, नीलगाय, मृग, जंगली भेड़, जंगली बोकरी, चीतल अउ पहाड़ी भेड़। 6तू पचे अइसे कउनो भी जनावरे क खाइ सकत ह जेकर खुर दुइ हींसा में बँटा होई अउर जउन जुगाली करत होई। 7उ सबइ जनावर जउन जुगाली करत हीं या जेकर खुर दुई भाग में फाट भवा नहीं होतेन तू पचन क सिरिफ एका नहीं खाई चाही। जँट चट्टानी बिच्छु अउर खरहा क जिन खावा। इ सबइ जनावर जुगाली करत हीं किन्तु एकर खुर फटा भवा नहीं होतेन। एह बरे इ तू पचन्क बरे असुद्ध अहई। 8तू पचन्क सुअर नहीं खाइ चाही। ओनकइ खुर फाट होत हीं, मुला उ सबइ जुगाली नहीं करतेन। एह बरे सुअर तोहरे बरे असुद्ध अहइ। सुअर क कउनो गोस जिन खा अउर न ही मरे भए सुअर क छुआ।

9“तू पचे अइसी मछरी खाइ सकत ह जेकरे पर अउ सेहरा होई। 10मुला अइसी मछरी क न खा जेकरे पर अउ सेहरा दुइनाउँ न होई। इ सबइ तोहरे बरे असुद्ध भोजन अहई। 11तू पचे कउनो सुद्ध चिरई क खाइ सकत ह। 12मुला इ चिरइयन में स कउनो क जिन खा गरुड़, गीद्ध, बुजर्द, 13लाल चील, बाइ, कउनो तरह क चील, 14कउनो तरह क काला कौआ 15सुतुरमुर्गा, उल्लू, घुग्घू, कउनो तरह क बहोर, 16नान्ह उल्लू बड़वार उल्लू, उज्जर उल्लू, 17रेगिस्तानी उल्लू, मच्छरी क सिकार करइवाला बड़ा पंछी, जल कौआ, 18चमरघेंच, कउनो तरह क बगुला, नौवा या चमगादड़।

बार नहीं कटवाइ चाही जइसा मूसा क समइ में कउनो क मरे पइ दुःख परगट करइ बरे आपन बार क कटवाइ लेत रहेन या आपन मूँडे क बार छोलवाइ लेत रहेन।

19“पंखवाला किरउनन तोहरे बरे असुद्ध भोजन अहई। तू पचन्क ओनका नाहीं खाइ चाही। 20मुला तू पचे कउनो सुद्ध चिरइया क खाइ सकत ह।

21“खुद मरे भएन जनावरन क जिन खा। तू पचे मरे भए जनावरन क तोहार बीच रहइवाला कउनो प्रावासी क दइ सकत ह या ओका कउनो बिदेसी क हाथे बेंच सकत ह। मुला तू यहोवा तोहार परमेस्सर क खास लोग अहा।

“बोकरी क बच्चा क ओकरी महतारी क दूधे में जिन पकावा।

### मंदिर क दीन्ह जाइवाला दसवों हीसा

22“तू पचन्क हर बरिस आपन खेतन में उगी भइ फसिल क दसवों हीसा निहचय ही बचावइ चाही। 23तब तू पचन्क उ ठउर पइ जाइ चाही जेका यहोवा आपन नाउँ बरे चुनत ह। हुआँ यहोवा आपन परमेस्सर क मौजूदगी में आपन फसिल क दसवों हीसा, अनाजे क तोहरे नवा दाखरस, तोहार तेल क दसवों हीसा, झुण्ड अउ समूह में पइदा पहिला बच्चा, खाइ चाही। तब तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर क जीवन भर डर करब सिखब्या। 24मुला उ ठउर ऐतना दूर होइ सकत ह कि तू पचे हुआँ तलक क जात्रा नाहीं कइ सकत ह। इ होइ सकत ह कि यहोवा जउन फसिल क बरदान दिहे अहइ ओकर दसवों हीसा तू पचे हुआँ न पहोंचाइ सका। अगर अइसा होत ह तउ इ करा: 25आपन फसिल क उ हीसा बेचं द्या। तब उ धने क लइके यहोवा तोहार परमेस्सर क जरिये चुने भएन खास ठउरे पइ जा। 26उ धने क उपयोग जउन कछू तू पचे चहा ओकरे बेसहइ में करा। गाय, भेड़ी, दाखरस या दूसर उबला भवा पेय या कउनो दूसर चीज जउन तू पचे चाहत अहा। तब तू पचन्क तोहरे परिवार क संग खइया खाइ चाही अउर यहोवा आपन परमेस्सर क मौजूदगी में हुआँ उ ठउरे पइ आनन्द मनावइ चाही। 27मुला आपन सहर में बसइया लेवी बंसी लोगन क जिन बिसरा काहेकि ओनके लगे तोहरी तरह भुईया क हीसा नाहीं अहइ।

28“हर तीन बरिस क आखीर में आपन उ बरिस क पइदा भवा फसिल क दसवों हीसा बटोरब्या। इ भोजन क आपन सहर में रखा। 29इ भोजन लेवी बंसी लोगन क बरे अहइ, काहेकि ओनके लगे आपन कउनो भुईया नाहीं अहइ। इ भोजन तोहरे सहर में ओन लोगन बरे अहइ जेनका एकर जरुरत अहइ जइसे तोहार बीच रहइवाला प्रवासी, अनाथ अउर राँइ मेहररुअन उ पचे खाब्या अउ संतुट्ट होब्या। अगर तू पचे इ करत अहा तउ यहोवा तोहार परमेस्सर सबहिं काम तू पचे जउन कछू करब्या ओकरे बरे आसीबादि देइ।

### कर्ज क खत्म करइ क खास लौहार

15 “हर सात बरिस क आखीर में, तू पचन्क कर्ज खतम कइ देइ चाही। 2कर्ज क तू पचन्क इ तरह खत्म करइ चाही: हर एक मनई जउन कउनो इस्त्राएलियन क कर्ज दिहे अहइ आपन कर्ज खत्म कइ दे। ओका आपन भाई (इस्त्राएली) स कर्ज अदा करइ क नाहीं कहइ चाही।

काहेकि यहोवा कहेस ह कि उ बरिस कर्ज खत्म कइ दीन्ह जात हैं। 3तू पचे बिदेसी स आपन कर्ज वापस लइ सकत ह। मुला उ कर्ज क खत्म कइ देब्या जउन कउनो दूसर इस्त्राएली पइ अहइ। 4मुला तोहरे पचन्क बीच कउनो गरीब मनई नाहीं रहइ चाही। काहेकि यहोवा तोहार पचन्क परमेस्सर तू पचन्क उ भुईया क बरदान देइ। जेका तू कब्जा करिही। 5इहइ होइ, अगर तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर क बातन क पूरी तरह मानब्या। तू पचन्क उ हर एक कानूनन क मानइ में सावधान रहइ चाही जेका मई तू पचन्क दिहे हउँ। 6यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क आसीबादि देइ, जइसा कि उ बचन दिहे अहइ अउर तोहरे पचे बहोत स रास्ट्रन क कर्ज देइ बरे काफी धन होइ। मुला तू पचन्क कउनो स कर्ज लेइ क जरुरत नाहीं होइ। तू पचे बहोत स रास्ट्रन पइ सासन करब्या। मुला ओन रास्ट्रन में स कउनो रास्ट्र तोह पइ सासन नाहीं करब्या।

7“जब तू पचे ओह देसे में रहब्या जेका यहोवा तोहार पचन्क परमेस्सर तू पचन्क देत अहइ तब तोहरे लोगन में स एक गरीब होइ सकत ह। तू पचन्क स्वार्थी नाहीं होइ चाही। तू पचन्क उ गरीब मनई क मदद देइ स इन्कार नाहीं करइ चाही। 8तू पचन्क ओका हाथ बटावइ क इच्छा रखइ चाही। तू पचन्क उ मनई क जेतने कर्ज क जरुरत होइ, तोहका प्रचूरता स देइ चाही।

9“कउनो क मदद देइ स एह बरे इन्कार जिन करा, काहेकि कर्ज क सतवों बरिस निजके अहइ। इ तरह क बुरा विचार अपने मन में जिन आवइ द्या। तू पचन्क उ मनई क बरे बुरा विचार नाहीं रखइ चाही जेका मदद क जरुरत बाटइ। तू पचन्क ओकर मदद करइ स इन्कार नाहीं करइ चाही। अगर तू पचे उ गरीब मनई क कछू नाहीं देत्या तउ उ यहोवा स तोहरे खिलाफ सिकाइत करी अउर यहोवा तू पचन्क पाप क उत्तरदायी पाइ।

10“गरीब क तू पचे प्रचूरता स द्या अउर ओका देइ क बुरा न माना। काहेकि यहोवा तोहार परमेस्सर इ नीक काम बरे तू पचन्क आसीस देइ। उ तोहरे पचन्क सबहिं काम अउर जउन कछू तू पचे करब्या ओहमाँ तोहार मदद करी। 11देस में सदा गरीब लोग भी होइहीं। इहइ कारण अहइ कि मई तू पचन्क आदेस देत अहउँ कि तू पचे आपन लोगन, जउन लोग तोहरे देस में गरीब अउर सहायता चाहत हीं, ओनका सहायता देइ बरे तइयार रहा।

### सतएँ बरिस में दसन क अजाद करइ क नेम

12“अगर तोहरे लोगन में स कउनो, हिब्रू मेहरारू या मनसेधू, तोहरे हाथे बेचा जाइ तउ उ मनई क तोहार सेवा छ: बरिस करइ चाही। तब सतएँ बरिस तू पचन्क ओका आपन स अजाद कइ देइ चाही। 13मुला जब तू पचे आपन दास क अजाद करा तउ ओसे बगैर कछू लिए भए जिन जाइ द्या। 14तू पचन्क दास क आपन झुण्ड स, अनाज स, अउ आपन दाखरस स, प्रचूरता स देइ चाही। यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क बहोतइ नीक चीजन क पाए पइ आसीबादि दिहेस ह। उहइ तरह तू पचन्क भी आपन दास क बहोत सारी चीजन क देइ चाही। 15तू पचन्क याद रखइ

चाही कि तू पचे मिस्त्र में दास रह्या। यहोवा तोहार परमेस्सर तोहका पचन्क अजाद किहेस ह। इहइ कारण अहइ कि मई तू पचन्स आजु इ करइ क कहत हउँ।

16“मुला तोहरे दासन में स कउनो कहि सकत ह, ‘मई आप क नहीं तजब।’ उ अइसा एह बरे कहि सकत ह कि उ तू पचन्स, तोहरे परिवारे स पिरेम करत ह अउर उ तोहरे संग बढ़िया जिन्नगी बिताएस ह। 17इ सेवक क आपन दुआरे स कान लगावइ द्या अउर एक तु सूए क उपयोग ओकरे काने में छेद करइ बरे करा। तब उ सदा बरे तोहार दास होइ जाइ। तू पचे दासियन बरे भी इहइ करा जउन तोहरे हिअँ रहइ चाहत ह।

18“तू सबइ आपन दास क अजाद करत समइ दुःखे क अनुभव जिन करा। याद रखा, उ छः बरिस तलक तोहार सेवा, सामान्य मजदूर क दुई गुणा सेवा करइ कइ किहेस ह। यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचे जउन करब्या ओकरे बरे असीस देइ।

### पहिला पइदा भवा जनावर क बाबत नेम

19“तू पचे आपन झुण्ड अउ समूह में सबइ पहिला पइदा भवा जनावरन क यहोवा तोहार परमेस्सर क खास जनावर बनाइ द्या। ओनमँ स कउनो बर्धन क उपयोग आपन काम बरे जिन करा। इ भेड़न में स कउनो क ऊन जिन काटा। 20हर साल तोहका गोरुअन क झुण्ड में पहिला पइदा भवा जनावर क बच्चा क उ ठउरे पइ लइ आवइ चाही जेका यहोवा चुनइ। हुअँ तू पचे अउ तोहरे परिवारे क लोगन क यहोवा तोहार परमेस्सर क मौजूदगी में ओन जनावरन क खइहीं।

21“मुला अगर जनावरन में कउनो दोख होइ, या लंगड़ा, आँधर होइ या एहमँ कउनो दोख होइ, तउ तू पचन्क ओका यहोवा आपन परमेस्सर क भेंट नहीं चढ़ावइ चाही। 22मुला तू पचे ओकर गोस आपन सहरन में खाइ सकत ह। एँका कउनो मनई खाइ सकत ह, चाहे उ सुद्ध होइ चाहे असुद्ध। नीलगाय या हिरन क गोस खाइ पइ इहइ नेम लागू करा जउन इ गोस पइ लागू होत ह। 23मुला तू पचन्क जनावरन क रक्त नहीं खाइ चाही। तू पचन्क खून क पानी क तरह भुईँया पइ बहाइ देइ चाही।

### फसह क त्यौहार

16 “यहोवा आपन परमेस्सर क फसह क त्यौहार आबीब क महीना में मनाव। काहेकि आबीब क महीना में तोहार परमेस्सर तू पचन्क रात में मिस्त्र स बाहेर लिआवा रहा। 2तू पचन्क उ ठउरे पइ जाइ चाही जेका यहोवा आपन नाउँ क हुअँ रखइ बरे चुनब्या। हुअँ तू पचन्क यहोवा क सम्मान में फसह भेंट में भेड़ अउर गोरु चढ़ावइ चाही। 3इ भेंट क संग खमीर वाली रोटी जिन खा। तू पचन्क सात दिना तलक बेखमीरे क रोटी खाइ चाही। इ रोटी क ‘विपत्तियन क रोटी’ कहत हीं। सुमिर ल्या कि केतनी हाली हाली तू पचन्क मिस्त्र तजि देइ क पड़ा। तू पचन्क उ देस स आपन प्रस्थान क तब तलक सुमिरइ चाही जब तलक तू पचे जिअत रहा। 4सात दिना तलक देस में

कउनो क घरे में कहुँ खमीर नहीं होइ चाही। फसह भेंट जउन गोस क पहिले दिन क साँझ क भेंट में चढ़ावा ओका भिन्सार होइ क पहिले खाइ लेइ चाही।

5“तू पचन्क फसह क जनावरन क बलि ओन सहरन में स कउनो में नहीं चढ़ावइ चाही जेनका यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क दिहे अहइ। 6तू पचन्क फसह क त्यौहार क जनावर क बलि सिरिफ उ ठउरे पइ चढ़ावइ चाही जेका यहोवा तोहार परमेस्सर आपन बरे खास निवास क रुप में चुनइ। हुअँ तू पचे फसह क त्यौहार क जनावर क जब सूरज बूडइ तब साँझ क बलि चढ़ावइ चाही। तू पचे एका बरिस क उहइ समइ में करब्या जउने समइ तू पचे मिस्त्र स बाहेर निकरा रह्या। 7अउर तू पचन्क फसह क त्यौहार क गोस यहोवा तोहार परमेस्सर जउने ठउर क चुनी हुअँइ पकउब्या अउर खाब्या। तब भिन्सारे तू पचन्क आपन खेमन में चला जाइ चाही। 8तू पचन्क बेखमीरी क रोटी छः दिना तलक खाइ चाही। सतएँ दिन तू पचन्क कउनो भी काम नहीं करइ चाही। उ दिन यहोवा आपन परमेस्सर बरे खास सभा में भी सबहिँ एकट्ठा होइहीं।

### हफ्तन क त्यौहार (पिन्तेकुस्त)

9“जब तू पचे दोबारा फसल काटब सुरु करा तबहिँ स तू पचन्क सात हफता गनइ चाही। 10तब यहोवा आपन परमेस्सर बरे हफ्तन क त्यौहार करा। एँका एक स्वच्छ बलि ओका लिआइके करा। तू पचन्क केर्तेना देब अहइ, एकर निहचय इ बिचारिके करा कि यहोवा तोहार परमेस्सर केर्तेना तू पचन्क आसीबाद दिहे अहइ। 11उ ठउरे पइ जा जेका यहोवा आपन नाउँ स हुवँ बसइ बरे चुनी। हुअँ तू पचे अउर तोहार लोग, यहोवा आपन परमेस्सर क मौजूदगी में आनन्द क समइ बितइहीं। आपन सबहिँ लोगन, आपन पूतन, आपन बितियन अउर आपन सबहिँ मनसेधू अउ मेहरारु दासन क हुअँ लइ जा अउर आपन सहर में बसइयन लेवी लेवीबसियन, प्रवासियन, अनाथन अउर रँइ मेहररुअन क भी संग लइ जा। 12सुमिरा कि तू पचे मिस्त्र में दास रह्या। तू पचन्क निहचय करइ चाही कि तू पचे इ नेमन क मनब्या।

### खेमन क त्यौहार

13“जब तू पचे आपन खरिहान स फसिल अउ दाखरसाला स दाखरस बटोर लेब्या तब कुटीर क त्यौहार सात दिना तलक मनवा। 14तू पचे, तोहार पूतन, तोहार बितियन, तोहार सबहिँ मरद अउ मेहरारु दासन, तोहरे सहर में बसइयन लेवीबसियन, प्रावासियन, अनाथ अउ रँइ मेहररुअन सबइ इ दावत में आनन्द मानवइँ। 15तू पचन्क इ दावत क सात दिना तलक उ खास ठउरे पइ मनावइ चाही जेका यहोवा चुनी। इ तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर क सम्मान में करा। आनन्द मनाव! काहेकि यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क तोहरी फसिल बरे अउर तू पचे जउन कछू भी किहा ह ओकरे बरे आसीस दिहेस ह।

16“तोहार पचन्क सबहिँ मनइयन बरिस में तीन दाईँ यहोवा आपन परमेस्सर स मिलइ बरे उ खास ठउरे पइ अइहीं जेका उ चुनी। इ बे खमीरे क रोटी क त्यौहार क समइ, हफ्तन

क ल्यौहार क समइ अउ कटीर क ल्यौहार क समइ होइ। कउनो मनई क बिना भेंट लइ यहोवा स नाही मिलइ जाइ चाही। 17हर एक मनई ओतना देइ जेतना उ दइ सकी। केतना देब अहइ, ओकर निहचय उ इ सोचिके करी कि ओका यहोवा केतना दिहे अहइ।

### लोगन बरे निआवधीस अउ अफसर

18“यहोवा तोहार परमेस्सर जउन सहरन क तू पचन्क दइ देत अहइ ओनमाँ स हर एक सहर मँ तू पचन्क आपन परिवार समूह बरे निआव क निआवाधीस अउ अफसर बनवइ चाही। इ निआव क निआवाधीसन अउ अफसरन क जनता क संग सही अउ ठीक निआव करइ चाही। 19तू पचन्क ठीक निआव क बदलइ नाही चाही। तू पचन्क पच्छपाती नाही हाई चाही। तू पचन्क कउनो क सम्बन्ध मँ आपन इरादा क बदल देइ बरे धन नाही लेइ चाही। धन बुद्धिमान मनइयन क आँधर करत ह। इ सच्चा मनई क सबदन क बदल देतह। 20तू पचन्क हर समइ बिना पच्छ लिए अउ निआवा स ठीक होइ क पूरी कोसिस करइ चाही। तब तू पचे जिअत रहब्या अउ तू पचे उ देस क पउब्या जेका यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क दइ देत अहइ अउ तू पचे ओहमाँ रहब्या।

### परमेस्सर मूरतियन स घिना करत ह

21“आसेर देवी क सम्मान बरे उ वेदी बगल मँ काठ क खम्भन जिन लगावा जेका तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर बरे बनाउब्या। 22अउर तू पचन्क खास पाथर लबार देवतन क पूजा बरे नाही खड़ा करइ चाही। यहोवा तोहार परमेस्सर एनसे घिना करत ह।

### बलियन बरे गोरु निर्देख होइ चाही

17 “तू पचन्क यहोवा आपन परमेस्सर क कउनो एक अइसी गाय या भेड़, बलि मँ नाही चढ़ावइ चाही जेहमाँ कउनो दोख या कमी होइ। काहेकि यहोवा तोहार पचन्क परमेस्सर एहसे घिना करत ह।

### मूरति क पुजवइया क सजा

2“तू पचे ओन सहरन मँ स कउनो बुरी बात होइ क सूचना पाइ सकत ह जेनका यहोवा परमेस्सर तू पचन्क देत अहइ। तू पचे इ सुनि सकत ह 3कि तू पचन मँ स कउनो मेहरारु या मनसेधू यहोवा क खिलाफ पाप किहस ह। तू पचे इ सुनि सकत ह कि उ पचे यहोवा स करार तोड़ैत ह यानी उ पचे दूसर देवतन क पूजा किहेन ह। या इ होइ सकत ह कि उ पचे सूरज, चन्द्रमा या तारन क पूजा किहे होई। इ यहोवा क आदेस क खिलाफ अहइ जेका मई तोहे सबन्क दिहे अहउँ। 4अगर तू पचे अइसी बुरी खबर सुनत ह तउ तू सबन्क ओकर जाँच होसियारी स करइ चाही। तू पचन्क इ जान लेइ चाही कि का इ फुरइ अहइ कि इ खौफनाक काम इस्त्राएल मँ होइ चुका अहइ। अगर तू पचे ऐंका साबित कइ सकत ह कि इ फुरइ अहइ, 5तब तू पचन्क उ मनसेधू या मेहरारु क जरूर सजा देइ चाही जउन इ बुरा काम किहे

अहइ। तू पचन्क उ मनसेधू या मेहरारु क सहर क दुआरे क लगे लइ जाइ चाही अउर ओका पाथरन स मारि डवइ चाही। 6मुला अगर एक ही गवाह इ कहत ह कि उ बुरा काम किहस ह तउ ओका मउत क सजा नाही दीन्ह जाइ। अगर दुइ या तीन गवाह इ कहत ही कि इ फुरइ अहइ तउ उ मनई क फाँसी पइ चढ़ाइ देइ चाही। 7गवाह क पहिला पाथर उ मनई क मारि डवइ बरे लोकावइ चाही। तबहिँ दूसर लोगन क ओकर मउत पूरी करइ बरे पाथरन क लोकावइ चाही। इ तरह तू पचन्क उ बुराई क आपन बीच स दूर करइ चाही।

### जटिल मुकदमा

8“कबहुँ अइसी समस्या आइ सकत ह कि जउन तोहरे अदालत बरे फइसला देइ मँ एतना कठिन होइ कि फइसला ही न देइ सकई। इ दूसर तरह खून-खराबा क मुकदमा, कउनो प्रकार क आक्रमण, कउनो दावा क पूरा होवइ सकत ह। जब इ मुकदमन पइ तोहरे सहरन मँ बहस होत ह तउ तोहार निआव क जज होइ सकत ह, फइसला न कइ सकई कि ठीक का अहइ? तब तू पचन्क उ खास ठउरे पइ जाइ चाही जेका यहोवा तोहार परमेस्सर क जरिये चुना ग होइ। 9तू पचन्क लेवी परिवार समूह क याजकन अउ उ समइ क निआव क जज क लगे जाइ चाही। तउ मुकदमा क ओनका देइ चाही। अउर उ मुकदमन क फइसला प्रस्तुत करब्या। 10यहोवा क खास ठउरे पइ उ पचे आपन फइसला तू पचन्क सुनईहीं। जउन भी उ पचे कहई ओका तू पचन्क करइ चाही। तू पचन्क ओनकर फइसला स्वीकारइ चाही अउर ओनकर निर्देस क ठीक ठीक मानइ चाही। 11तोहका ओकर निर्देसन अउ फइसलन क सही-सही मानइ चाही। तू पचन्क ओनसे अलग कछू भी नाही करइ चाही जउन उ सबइ तू पचन्क करइ क कहत हीं।

12“तू पचन्क यहोवा आपन परमेस्सर क सेवा क करइया उ समइ क याजक अउ निआव क निआधीसन क आया मानइ स इन्कार करइवाला क जउन अभिमान पूर्वक कार्य करइ, सजा देइ चाही। उ मनई क मरइ चाही। इही प्रकार तू इस्त्राएल स बुराई क हटाउब्या। 13सबहिँ लोग इ सजा क बारे मँ सुनिहीं अउर अहंकारी कार्य करइ बरे डेरइहीं।

### राजा कइसे चुनई

14“तू पचे उ प्रदेस मँ जाब्या जेका यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क दइ देत अहइ। तू पचे उ देस पइ कब्जा करब्या अउर ओहमाँ रहब्या। तब तू पचे कहब्या, ‘हम लोग अपने ऊपर एक तु राजा वइसेन ही रखब जइसेन हमरे चारिहुँ कइँती क रास्ट्रन मँ अहइ।’ 15जब अइसा होइ तब तू पचन्क इ पक्का निहचय होइ चाही कि तू पचे ओका ही राजा चुन्या ह जेका यहोवा तोहार परमेस्सर चुनत ह। तोहार राजा तू पचन्क आपन लोगन मँ स होइ चाही। तू पचन्क बिदेसियन क आपन राजा नाही बनावइ चाही। 16राजा क बहोत जियादा घोड़न क अपने बरे नाही राखइ चाही अउर ओका लोगन क जियादा घोड़न क लियावइ बरे मिस्त्र नाही पठवइ चाही। काहेकि तू पचन्स यहोवा कहेस ह, ‘तू पचन्क

उ रहे पड़ कबहुँ नाहीं लउटब अहइ।' 17राजा क बहोत पत्नियन क भी नाहीं राखइ चाही। काहेकि इ काम ओका यहोवा स दूर हटाइ अउर राजा क सोना, चाँदी स आपन क मालामाल नाहीं बनावइ चाही।

18"जब राजा हुकुमत सुरु करइ लागइ, तउ ओका एक किताबे में आपन बरे नेमन क नकल कइ लेइ चाही। ओका याजकन अउ लेवी बंसियन क समन्वा नकल कइ चाही 19राजा क उ किताबे क आपन संग रखइ चाही। ओका उ किताबे क जिन्गी भइ पढ़इ चाही। काहेकि तब राजा यहोवा आपन परमेस्सर क सम्मान करब सीखी अउर उ नेम क हुकुमन क पूरा पालन करइ सीखी। 20तब राजा इ न सोची कि उ आपन लोगन में कउनो स भी जियादा नीक बाटइ। उ नेम क खिलाफ न जाइ बल्कि ठीक तरह स मानी। तब उ राजा अउर ओकर संतानन इस्राएल क राज्ज पइ लम्बा समइ तलक हुकुमत करी।

### याजकन अउ लेवी बंसियन क मद्द

18 "लेवी परिवार समूह क याजकन क इस्राएल में कउनो भुइँया क हीसा नाहीं पाइ। उ पचे आपन जीवन यापन उ भेंट क खाइके करिहीं जउन आगी पइ पाकी अउ यहोवा क चढ़ाई जाइ। उ ओकरे मीरास क हीसा अहइ। 2उ सबइ याजक लोग भुइँया क कउनो हीसा दूसर परिवार समूहन क तरह नाहीं पइहीं। लेवी बंसियन क हीसा में खुद यहोवा अहइ। यहोवा एँकरे बरे ओनका बचन दिहे अहइ।

3"जब तू पचे कउनो बर्धा, या भेड़ी बलि बरे मारा तउ तू पचन्क इ सबइ हिस्सन दइ देइ चाही: कंधा, दुइनउ गाल अउर पेट। 4तू पचन्क याजकन क आपन पहली फसल क अनाज, नई दाखरस अउर आपन नई फसल क तेल देइ चाही। तू पचन्क याजकन क अपनी भेड़ी क पहिला काटा ऊन देइ चाही। 5काहेकि यहोवा तोहार परमेस्सर तोहरे सबहि परिवारे समूहन स ओनका सदा यहोवा बरे खड़ा होइ अउर सेवा करइ बरे चुनेस ह।

6"लेवी बंसी जउन समूचइ इस्राएल में तोहरे सहरन में स कउनो में रहत ह, कउनो समइ में आपन घर तजि सकत ह अउर यहोवा क खास ठउर पइ जाइ सकत ह। 7तब इ लेवी बंसी यहोवा आपन परमेस्सर क नाउँ पइ सेवा कइ सकत ह। ओका परमेस्सर क खास ठउर में वइसेन ही सेवा करइ चाही जइसे ओकर भाई दूसर लेवी बंसी करत हीं। 8उ लेवी बंसी, आपन अधिकार क मिलइवाला हीसा क अलावा दूसर लेवी बंसियन क संग बराबर क हीसादार होइ।

### इस्राएलियन क दूसर रास्ट्रन क नकल नाहीं करइ चाही

9"जब तू पचे उ भुइँया में घुसब्या, जउन यहोवा तोहार पचन्क परमेस्सर तू पचन्क दइ देत अहइ, तब उ रास्ट्रे क लोग जउन खउफनाक काम हुआँ करत होईँ ओनका जिन सीखा। 10आपन बेटवन अउ बिटियन क बलि आपन वेदी पइ आगी में जिन द्या। कउनो जोतिसी स बात कइके या कउनो जादूगर, डाइन या बाजीगर क लगे जाइके इ जिन

सीखा कि भविस्स में का होइ? 11कउनो भी मनई क जादू-टोना चलावइ क कोसिस न करइ द्या अउर तू पचन में स कउनो मनई ओझा या भूतसिद्धक नाहीं बनी। अउर कउनो मनई कउनो अइसे मनई स बात करइ क कोसिस न करी जउन मर चुका होइ। 12यहोवा तोहार परमेस्सर ओन लोगन स घिना करत ह जउन अइसा करत हीं। इहइ कारण अहइ कि उ तोहरे समन्वा इ लोगन्क देस तजि देइ क मजबूर करी। 13तोहे सबन्क यहोवा तोहार परमेस्सर पइ पूरा निस्थावान जरूर होइ चाही।

### यहोवा क खास नबी

14"तू पचन्क उ रास्ट्रन क लोगन्क बल क जरिये आपन देस स हटाइ देइ चाहीं। उ रास्ट्रन क लोग जोतिसियन अउर जादूगरन क बात मानत हीं। मुला यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क वइसा नाहीं करइ देइ। 15यहोवा तोहार परमेस्सर तोहारे लगे आपन नबी पठई। इ नबी तोहरे आपन लोगन में स आइ। उ मोरी नाई होइ। तू पचन्क इ नबी क बात मानइ चाही। 16यहोवा तोहरे लगे इ नबी क पठइ काहेकि तू पचे अइसा करइ क बरे ओहसे कहया ह। उ समइ जब तू पचे होरेब पहाड़े क चारिहूँ कइँती बटुरा रहया, तू पचे यहोवा क अवाज अउ पहाड़े पइ खउफनाक आगी क लिखके डेरान रहया। एह बरे तू पचे कहे रहया, 'हम लोग यहोवा आपन परमेस्सर क अवाज फुनि न सुनी। हम लोग उ खउफनाक आगी क फुनि न लखी। हम मरि जाब।'

17"यहोवा मोसे कहेस, 'उ पचे जउन चाहत हीं, उ ठीक बाटइ। 18मई तोहरी नाई क एक ठु नबी ओनके बरे पठइ देब। इ नबी ओन लोगन में स कउनो एक होइ। मईँ ओकर मुख में आपन बात डालब। उ लोगन स उहइ कही जउन मोर हुकुम मानी। 19इ नबी मोरे नाउँ पइ बोली अउर जब उ कछू कही तब अगर कउनो मनई मोरे हुकुमन क सुनइ स इन्कार करी, तउ मईँ खुद उ मनई क जिम्मेदार होब।'

### लबार नबियन क कइसे पहिचाना जाइ?

20"मुला कउनो नबी कछू अइसा कहि सकत ह जेका करइ क बरे मईँ ओसे नाहीं कहेउँ ह अउर उ लोगन स कहि सकत ह कि उ मोरे जगह पइ बोलत अहइ। अगर अइसा होत ह तउ उ नबी क मारि डवइ चाही या कउनो अइसा नबी होइ सकत ह जउन दूसर देवतन क नाउँ पइ बोलत ह। उ नबी क भी मारि डवइ चाही। 21तू पचे सोच सकत ह, 'हम कइसे पहिचान सकित ह कि नबी क कहब, यहोवा क नाहीं अहइ?' 22अगर कउनो नबी कहत ह कि उ यहोवा कइँती स कछू कहत बाटइ, मुला ओकर कहब फुर साबित नाहीं होत, तउ तू पचन्क पहिचान लेइ चाही कि यहोवा वइसा नाहीं कहेस। तू पचे समुझ जाब्या कि इ नबी अभिमान पूर्वक बात करत रहा। तू पचन्क ओसे डेराइ क जरुरत नाहीं।

### सुरच्छा बरे तीन ठु सहर

19 "यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क उ देस देत अहइ जउन दूसर रास्ट्रन क अहइ। यहोवा ओन रास्ट्रन

क बरबाद करी। तू पचे हुआँ रहब्या जहाँ उ सबइ लोग रहत हीं। तू पचे ओनकइ सहरन अउर घसन क लइ लेब्या। जब अइसा होइ, 2-3तब तू पचन्क भुइँया क तीन हींसा मँ बाँटइ चाही। तब तू पचन्क हर एक हींसा मँ सबहिं लोगन्क निअरे परइवाला सहर उ छेत्र मँ चुनइ चाही अउर तू पचन्क उ सहरन तलक सड़कन बनावइ चाही तब कउनो भी मनई जउन कउनो दूसर मनई क मारत ह हुआँ पराइके जाइ सकत ह।

4“जउन मनई कउनो क मारत ह उ सुरच्छा बरे इ तीन सहरन मँ स कउनो मँ भी पराइके पहोंच सकत ह। उ सुरच्छा पा सकत ह। जदि उ बिना इरादा क साथ कउनो मनई क मारि डवइ अउर उ ओसे पहिले स घिना नाहीं करत रहेन। 5एक ठु उदाहरण बा: कउनो मनई कउनो मनई क संग जंगल मँ लकड़ी काटइ जात ह। ओनमँ स एक मनई लकड़ी काटइ बरे कुल्हरी क एक ठु बृच्छ पइ चलावत ह, मुला कुल्हरी हाथे स छूट जात ह। कुल्हरी क धार दूसर मनई पइ लग जात ह अउर ओका मार डवत ह। उ मनई जउन कुल्हरी चलाएस, ओन नगरन मँ पराइ सकत ह अउर आपन क सुरच्छित कइ सकत ह। 6मुला अगर सहर बहोत दूर होइ, तउ उ आवस्यकतानुसार तेज नाहीं पराइ सकी। मारा भवा मनई क कउनो नजदीक क रिस्तेदार\* ओकर पाछा कइ सकत ह अउर सहर मँ ओकरे पहोंचइ स पहिले ही ओका धरि सकत ह। रिस्तेदार आपन किरोध मँ उ मनई क कतल कइ सकत ह। मुला उ मनई क मउत क सजा उचित नाहीं अहइ। उ उ मनई स पहिले घिना नाहीं करत रहा जेका उ मारेस ह। 7एह बरे मई आदेस देत हउँ कि तीन खास सहरन क चुना।

8“यहोवा तोहार परमेस्सर तोहरे पुरखन क इ बचन दिहस कि मई तू पचन्क चउहद्दी क विस्तार करब। उ तू लोगन क सारा देस देइ जेका देइ क बचन उ तोहरे पुरखन क दिहस। 9उ इ करी, अगर तू ओन नेमन क पालन पूरी तरह करब्या जेनका मई तू पचन्क आजु दइ देत हउँ यानी अगर तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर स पिरम करब्या अउर ओकरे रहे पइ चलत रहब्या। अगर यहोवा तोहरे देस क बड़ावत ह तउ तू पचन्क तीन दूसर नगर सुरच्छा बरे चुनइ चाही। उ सबइ सुरच्छा बरे पहिले तीन सहरन क इलावा होइ चाही। 10तबहिं निर्दोख लोग उ देस मँ नाहीं मारा जइहीं जेका यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क आपन बनावइ बरे देत बाटइ अउर तू पचे कउनो भी मउत बरे अपराधी नाहीं होब्या।

11“किन्तु एक मनई कउनो मनई स घिना कइ सकत ह। उ मनई क मारइ बरे इन्तजार मँ लुका रहि सकत ह जेहसे उ घिना करत ह। उ उ मनई प हमला कइ सकत ह अउ ओका पीटइ अउर मारि सकत ह। ओकर पाछे सुरच्छा बरे चुने इ सहरन मँ पहोंच सकत ह। 12अगर अइसा होत ह, तउ उ मनई क सहर क मुखिया क, कउनो क ओका धरइ क अउर सुरच्छत क सहर स ओका बाहेर लिआवइ बरे

पठइ चाही। सहर क मुखिया ओका मरे भए क नजिक क रिस्तेदारे क दइ चाही। हत्तियारा जरूर मारा जाइ चाही। 13ओकरे बरे तू पचन्क दुःखी नाहीं होइ चाही। तू पचन्क निर्दोख मनई क मारइ क अपराध क इस्त्राएल स हटावइ चाही। तब इ तोहरे बरे नीक रही।

### जायदाद क चीन्हा

14“तू पचन्क पड़ोसी क जायदाद क चीन्हा क नाहीं हटावइ चाही। उ चउहद्दी उ समइ मँ स्थापित कीन्ह जात रहा जउन तू उ भुइँया मँ कब्जा कीन्ह रहा। यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क रहइ बरे देइ अउर जउन तोहार होई।

### गवाह

15“अगर कउनो मनई कछु अन्याय या पाप क दोखी ठहरावइ जात ह जेका अपराध उ किहेस ह, तउ एक गवाह एक साबित करइ बरे काफी नाहीं होइ कि उ दोखी अहइ। उ सिद्ध करइ बरे दुइ या तीन गवाह जरूर होइ चाही।

16“कउनो झुठी गवाह कउनो मनई प झुठी मत क अपराध ठहरइ सकत ह। 17अगर अइसा होत ह तउ तहतुक करइवाले दुइनउँ मनई क यहोवा क मौजूदगी मँ खड़ा होइ चाही अउर ओनके मोकददमन क फइसला याजकन अउ उ समइ क मुख्य निआवाधीसन क जरिये होइ चाही। 18निआवाधीसन क होसियारी स पूछ-ताछ करइ चाही। उ पचे पता लगाइ सकत हीं कि गवाह दूसर मनई क खिलाफ झूठ बोलेस ह। अगर गवाह झूठ बोलेस ह तउ, 19तू पचन्क ओका सजा देइ चाही। तू पचन्क ओका उहइ हानि पहोंचावइ चाही जउन उ दूसर मनई क पहोंचावइ चाहत रहा। इ तरह तू पचे आपन बीच स कउनो भी बुरी बात निकारिके बाहेर कइ सकत ह। 20दूसर सबहिं लोग एँका सुनिहीं अउर डेराइ जइहीं, अउर तोहमँ स कउनो भी फुन वइसी बुरी बात नाहीं करी।

21“तू पचे ओह पइ दया-दृष्टि जिन कर्या जेका बुराई बरे तू पचे ओका सजा देत अहा। जिन्गगी बरे जिन्गगी, आँखी बरे आँखी, दाँत बरे दाँत, हाथ बरे हाथ अउर गोइवा बरे गोइ लीन्ह जाइ चाही।

### जुद्ध बरे नेम

20“जब तू पचे आपन दुस्मनन क खिलाफ जुद्ध मँ जा, अउर आपन फउज स जियादा घोड़न, रथ, मनइयन क लखा, तउ तू पचन्क डेराइ नाहीं चाही। काहेकि यहोवा तोहार परमेस्सर तोहरे संग अहइ अउर उहइ एक अहइ जउन तू पचन्क मिस्त्र स बाहेर निकारि लिआवा।

2“जब तू पचे जुद्ध क निचके आवा, तब याजक क लोगन क लगे जाइ चाही अउर ओनसे बात करइ चाही। 3याजक कही, ‘इस्त्राएल क लोगो, मोरी बात सुना। आजु तू लोग आपन दुस्मनन क खिलाफ जुद्ध मँ जात अहा। आपन हिम्मत जिन तजा। जिन डरा। आतंकित जिन हवा। दुस्मनन स जिन डेराअ! 4काहेकि यहोवा तोहार परमेस्सर दुस्मनन क खिलाफ लड़इ बरे तोहरे संग जात अहइ। यहोवा तोहार परमेस्सर तोहार रच्छा करी।’

**मारा भवा ... रिस्तेदार** सब्द क अरथ “खून क बदला लेइवाला”। जब कउनो मनई मारा जात रहा तब ओकरे निचके क रिस्तेदारन क इ कर्तव्य होत रहा कि उ मारइवाला मनई क उ पचे सजा देई।

5“उ पचे अफसरन फउजियन स इ कइहीं, ‘का हिआँ कउनो अइसा मनई अहइ जउन नवा घर बनाइ लिहे अहइ, मुला अब तलक ओका अर्पण नाहीं किहे अहइ? उ मनई क आपन घरे लउट जाइ चाही। उ जुद्ध में मारा जाइ सकत ह अउर तब दूसर मनई ओकरे घरे क अर्पित करी। 6का कउनो मनई हिआँ अइसा अहइ जउन अंगूरे क बगिया लगाए अहइ, मुला अबहिं तलक ओसे कउनो अंगूर नाहीं पाएस ह? उ मनई क घर लउटि जाइ चाही। अगर उ मनई जुद्ध में मारा जात ह तउ दूसर मनई ओकरे बगिया क फले क भोग करी। 7का हिआँ कउनो अइसा मनई अहइ जेकरे बियाहे क क बात पक्की होइ चुकी अहइ। मुला उ लइकी क नाहीं बियाहेस ह? उ मनई क घरे लउटि जाइ चाही। अगर उ जुद्ध में मारा जात ह तउ दूसर मनई उ मेहरारु स बियाह करी जेकरे संग ओकरे बियाहे क बात पक्की होइ चुकी बाटइ।’

8“अफसरन क लोगन स इ पूछइ चाही, ‘का हिआँ कउनो अइसा मनई अहइ जउन हिम्मत हरि चुका अहइ अउर डेरान अहइ। ओका घर लउटि जाइ चाही। तब उ दूसर फउजियन क हिम्मत हार जाइ मैं सहायक न होइ।’ 9जब अफसर फउजियन स बात करब खतम कइ लेइ तब उ पचे लोगन क अगवाइ बरे सैनिक क सेनापतियन चुनईं।

10“जब तू पचे सहर पइ हमला करइ जा तउ हुआँ क लोगन क समन्वा सान्ति क प्रस्ताव रखा। 11अगर उ पचे तोहार प्रस्ताव अंगिकार कइ लेत हीं अउर आपन फाटक खोलि देत हीं तब उ सहर मैं बसइयन सब लोग तोहार दास होइ जइहीं अउर तोहार काम करइ बरे मजबूर कीन्ह जइहीं। 12मुला अगर सहर सान्ति प्रस्ताव अंगीकार करइ स इन्कार करत ह अउर तू सबन्स लइत ह तउ तू सबन्क सहर घेरि लेइ चाही। 13अउर जब यहोवा तोहार परमेस्सर सहर पइ तोहार कब्जा करावत ह तब तू पचन्क सबहिं मनसेधुअन क मारि डवइ चाही। 14तू पचे आपन बरे मेहररुअन, गदेलन, गोरुअन अउर सहर क कउनो भी चीज लइ सकत ह। तू पचे इ सबइ चीजन्क बइपर सकत ह। यहोवा तोहार परमेस्सर इ सबइ चीजन तू पचन्क दिहे अहइ। 15जउन सहर तोहरे प्रदेस मैं नाहीं अहइ अउर बहोत दूर अहइँ, ओन सबन्क संग तू पचे अइस बेउहार करब्या।

16“मुला जब तू पचे उ सहर उ प्रदेस मैं लेत ह जेका यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क दइ देत अहइ तब तू पचन्क हर एक क मारि डवइ चाही। 17तू पचन्क हिती, एमोरी कनानी, परिज्जी, हिब्बी अउर यबूसी सबहिं लोगन्क पूरी तरह बरबाद कइ देइ चाही। यहोवा तोहार परमेस्सर, इ करइ क तू पचन्क आदेस दिहे अहइ। 18एह बरे तब उ पचे तू सबन्क यहोवा तोहारे परमेस्सर क खिलाफ घृणित कार्य क सिच्छा तू पचन्क नाहीं दइ सकत जउन उ पचे आपन देवतन क पूजा क समइ करत हीं।

19“जब तू पचे कउनो सहर क खिलाफ जुद्ध करत रहब्या तउ तू पचे लम्बा समइ तलक ओकर घेरा डाए रहि सकत ह। तू पचन्क सहर क चारिहुँ कइँती क फलदार बृच्छन क नाहीं काटइ चाही। तू पचन्क एनसे फल खाइ चाही मुला काटिके भहरावइ नाहीं चाही। इ सबइ बृच्छ

दुस्मन नाहीं अहइँ। एह बरे ओनके खिलाफ जुद्ध जिन लइ। 20मुला ओन बृच्छन क काटि सकत ह जेनका तू पचे जानत अहा कि इ सबइ फलदार नाहीं अहइँ। तू पचे एनकइ उपयोग उ सहर क खिलाफ घेराबंदी मैं कइ सकत ह, जब तलक ओकर पतन न होइ जाइ।”

### अगर कउनो मनई मरा भवा पावा जाइ

21 “उ देस मैं जेका यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क रहइ बरे देत अहइ, कउनो मनई मइदान मैं हतिया कीन्ह भवा लास पाइ जाइ सकत ह। मुला कउनो क इ पता नाहीं चल सकत कि ओका कउन मारेस। 2तब तोहार पचन्क मुखियन अउर निआवाधीसन मारे भए मनई क चारिहुँ कइँती स सहरन क दूरी क नाप-जोख करइ चाही। 3जब तू पचे इ जानि जाब कि मरे भए मनई क सबन त निचके क कउन सा सहर अहइ। तब उ सहर क मुखियन आपन झुण्डन मैं स एक गइया लेइहीं। जेकर उपयोग कबहुँ भी कउनो कामे मैं न कीन्ह गवा होइ। या उ प कबहुँ जुआ न रखा गवा ह। 4उ सहर क मुखियन उ गइया क बहता भवा पानीवाली घाटी मैं लइहीं। इ अइसी घाटी होइ चाही जेका कबहुँ जोता न गवा होइ अउर न ओहमाँ पेड़-पौधा रोपा गवा होई। तब मुखियन क उ घाटी मैं हुअँइ उ गइया क गर्दन तोड़ देइ चाही। 5लेवी बंसी याजकन क हुआँ जाइ चाही। (यहोवा तोहार परमेस्सर इ याजकन क आपन सेवा बरे अउर आपन नाउँ पइ आसीबदि देइ बरे चुनेस ह। याजक सबहिं वाद-विवाद अउ नोस्कान क मुकद्दमा क निहचय करिहीं।) 6मारे भए मनई क सबन त निचके क सहर क सबई मुखियन आपन हाथन क उ गइया क ऊपर धरिहीं जेकर गर्दन घाटी मैं तोड़ दीन्ह गवा रहा। 7इ सबइ मुखिया स जरूर कइहीं, ‘हम इ मनई क नाहीं मारा अउर हम पचे एकर मारा जाब नाहीं देखा। 8यहोवा, इस्राएल क लोगन क छिमा कर, जेनकइ तू उद्धार किहा ह। आपन लोगन मैं स कउनो निर्दोख मनई क दोखी न ठहरावइ द्या।’ तब उ पचे कतल बरे दोखी नाहीं ठहरावा जइहीं। 9इ सबइ मामलन मैं उ करब ही तोहरे पचन्क बरे नीक अहइ। अइसा कइके तू पचे कउनो निर्दोख क हत्या कइके दोखी नाहीं रहब्या।

### जुद्ध मैं मिली मेहररुअन

10“तू पचे आपन दुस्मनन स जुद्ध करउब्या अउर यहोवा तोहार पचन्क परमेस्सर ओनका तू पचन्स हरवाइ देइ। तब तू पचे दुस्मनन क बन्दी क रुप मैं लिअउब्या। 11अउर तू पचे जुद्ध मैं बन्दी कउनो सुन्नर मेहरारु क लख सकत ह। तू पचे ओका पाउब चाह सकत ह अउर आपन मेहरारु क रुप मैं रखइ क इच्छा कइ सकत ह। 12तू पचन्क ओका आपन परिवार मैं आपन घरे लिआवइ चाही। ओका आपन बार छोलवावइ चाही अउर आपन नह कटवावइ चाही। 13ओका आपन बन्दी भए ओढनन क उतारइ चाही। ओका तोहरे घरे मैं रहइ चाही अउर एक महीना तलक आपन महतारी अउर बाप बरे रोवइ चाही। ओकरे बाद तू ओकरे संग यौन सम्बन्ध कायम कइ सकत ह अउर ओकर भतार होइ सकत ह्या। अउर उ तोहार पत्नी बन जाइ। 14मुला अगर तू पचे

ओसे खुस नहीं होत्या तउ तू पचे ओका जहाँ उ जाइ चाही जाइ देइ। मुला तू ओका वास्तविक रूप में बेच नहीं सकत्या। तू ओकरे बरे दासी क तरह बेउहार नहीं कइ सकत्या। काहेकि तोहार ओकरे संग यौन सम्बन्ध रहा।

### एक ठु मनई क दुइ पत्नियन क गदेलन

15“एक ठु मनई क दुइ पत्नियन होइ सकत हीं अउर उ एक पत्नी स दूसर पत्नी क अपेच्छा जियादा पिरेम कइ सकत ह। दुइनउँ पत्नियन स ओकरे गदेलन होइ सकत हीं अउर पहिला गदेलन उ पत्नी क होइ सकत ह जेहसे उ जियादा पिरेम न करत होइ। 16जब उ आपन सम्पत्ति आपन गदेलन में बाँटी तउ उ इ घोसणा नहीं करइ सकत ह कि जे पत्नी क उ जियादा पिरेम करत ह ओका गदेलन पहिलौटी अहइ अउर जेका उ पिरेम नहीं करत ही ओका गदेलन नहीं। 17उ मनई क दुतकारी पत्नी क गदेलन क ही पहिलौटी क गदेलन अंगीकार करइ चाही। उ मनई क आपन चीजन क दुइ हींसा पहिलौटी पूत क देइ चाही। काहेकि उ बड़का गदेलन अहइ। अउ पहिलौटी क अधिकार रखत अहइ।

### आग्या न मानइवाला पूत

18“कउनो मनई क अइसा पूत होइ सकत ह जउन जिद्दी अउर आग्या क न मानइवाला होइ। इ पूत आपन महतारी अउर बाप क आग्या न मानी। महतारी अउर बाप ओका दण्ड देत हीं मुला पूत फुन भी ओनकइ कछू नहीं सुनत। 19ओकरे महतारी अउर बाप क ओका सहर क फाटक पइ सहर क मुखियन क लगे लइ जाइ चाही। 20ओनका सहर क मुखियन स कहइ चाही: ‘हमार पूत जिद्दी अहइ अउर आग्या नहीं मानत। उ कउनो काम नहीं करत जेका हम करइ बरे कहित ह। उ जरुरत स जियादा खात अउ मद पिअत ह।’ 21तब सहर क लोगन क उ पूत क पाथरन स मारि डावइ चाही। अइसा कइके तू पचे आपन में स बुराई क हटाइ देइहीं। इस्त्राएल क सबहिं लोग ऐंका सुनिहीं अउ डेरइ जइहीं।

### अपराधियन मारा जात अउ लटकावा जात हीं

22“कउनो मनई अइसा पाप करइ क अपराधी होइ सकत ह जेका मउत क सजा दीन्ह जाइ। जब उ मारि डावा जाइ तब ओकर देह पेड़े पइ लटकावा जाइ सकत ह। 23जब अइसा होत ह तउ ओकरे देह क रत भइ पेड़े पइ नहीं रहइ चाही। तू पचन्क ओका उहइ दिन निहचय ही दफनाइ देइ चाही। काहेकि जउन मनई पेड़े पइ लटकावा जात ह उ परमेस्सर स अभिसाप पावा होत ह। तू पचन्क उ देस क बे पवित्तर नहीं करइ चाही जेका यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क रहइ बरे देत ह।

### दूसर नेम

22 “अगर तू पचे लखा कि तोहरे पड़ोसी क गइया या भेड़ी खुली बाटइ, तउ तू पचन्क एहसे लापरवाह नहीं होइ चाही। तू पचन्क निहचय ही ऐंका मालिक क लगे पहोंचाइ देइ चाही। 2अगर ऐंकर मालिक तोहरे लगे न रहत

होइ या तू ओका नहीं जानत हवा कि उ कउन अहइ तउ तू उ गइया या भेड़ी क आपन घरे लइ जाइ चाही अउर तू ऐंका तब तलक रखा जब तलक मालिक ऐंका हेरत भवा तोहार लगे न आवइ। तब तू पचन्क ओका ओकरे बरे लउटाइ देइ चाही। 3तू पचन्क इहइ तब भी जरूर करइ चाही जब तू पचन्क पड़ोसी क गदहा मिलइ, ओकर ओढ़नन मिलई या कउनो चीज पड़ोसी खोइ देत ह। अगर तू पावत ह, तउ तोहका नज़रअन्दाज नहीं रहइ चाही।

4“अगर तोहरे पड़ोसी क गदहा या ओकर गइया सड़क पइ पड़ी होइ तउ ओहसे आँखी नहीं फेरि लेइ चाही। तू पचन्क ओका फुनि उठावइ में ओकर मदद करइ चाही।

5“कउनो मेहरारु क कउनो मनई क ओढ़ना नहीं पहिरइ चाही अउर कउनो मनसेधू क कउनो मेहरारु क ओढ़ना नहीं पहिरइ चाही। यहोवा तोहार परमेस्सर ओहसे धिना करत ह जउन अइसा करत ह।

6“कउनो राहे स टहरत समइ तु पचे बृच्छ पइ या भुइँया पइ चिरइयन क घोसला पाइ सकत ह। अगर मादा चिरई आपन बच्चन क संग बइठी होइ या आपन अण्डन पइ बइठी होइ तउ तू पचन्क मादा चिरई क बच्चन क संग नहीं पकड़इ चाही। 7तू पचे बच्चन क आपन बरे लइ सकत ह। मुला तू पचन्क महतारी क तजि देइ चाही। अगर तू पचे इ नेमन क मानत ह तउ तोहरे बरे सब कछू नीक होइ अउर तू लम्बे समइ तलक जिअत रहब्या।

8“जब तू पचे कउनो नवा घर बनावा तउ तू पचन्क आपन छते क चारिहुँ कइँती देवार खड़ी करइ चाही। तब तू पचे कउनो मनई क अपराधी नहीं होब्या अगर उ छते पइ स भहरात ह।

### कछू चीजन जेका एक संग नहीं रखइ चाही

9“तू पचन्क आपन अंगूरे क बगिया में अनाजे क बिअन क नहीं बोवइ चाही। काहेकि अनाज या अंगूर जउन बोवइ भवा बिअन स उगिहीं ओनका अलग रखइ क होइ।

10“तू पचन्क बर्धी अउ गदहा क एक संगे हर जोतइ में नहीं लगावइ चाही।

11“तू पचन्क उ ओढ़नन क नहीं पहिरइ चाही जेका अन अउ सूते स एक संग बुना भवा होइ। 12“तू पचन्क आपन पहिरा जाइवाला चोगा क चारिहुँ कोनन पइ फुंदनन जरूर लगावइ चाही।

### बियाह क नेम

13“अगर एक मनई कउनो लड़की स बियाह करइ अउर ओसे तने स सम्बन्ध करइ। तब होइ सकत ह। उ फइसला करत ह कि उ ओका पसन्द नहीं अहइ। 14उ झूठ बोलि सकत ह अउर कह सकत ह, ‘मई उ मेहरारु स बियाहेउँ, मुला जब हम पचे तने स सम्बन्ध कियेउँ तब मालूम भवा कि उ कुआँरी नहीं अहइ।’ ओकरे खिलाफ अइसा सरमनाक बात कहइ पइ लोग उ मेहरारु क सम्बन्ध में बुरा विचार रख सकत हीं। 15अगर अइसा होत ह तउ बिटिया क महतारी अउर बाप क इ बात क सबूत सहर क फाटक जगह पइ नगर-प्रमुखन क लगे लिआवइ चाही कि बिटिया कुआँरी

रही। 16 लड़की क बाप क नगर-प्रमुखन स कहइ चाही, 'मई आपन बिटिया क उ मनई क पत्नी होइ बरे दिहेउँ, मुला अब उ ओका नहीं चाहत।' 17 इ मनई मोरी बिटिया क खिलाफ झूठ बोलेस ह। उ कहेस, "मई तोहार बिटिया क कुआँरी नाही पावइ ह। मुला इ मोर बिटियन क कुआँरिपन क सबूत अहइ। तब उ पचे उ ओढ़ना\* क नगर-प्रमुखन क देखइहीं।" 18 तब नगर-प्रमुख उ मनई क लेइहीं अउर ओका सजा देइहीं। 19 उ पचे ओह पइ सौ चाँदी क सेकेल क जुर्माना करिहीं। उ पचे उ रुपिया क लड़की क पिता क देइहीं काहेकि ओकर भतार एक इस्त्राएली बिटिया पइ कलंक लगाएस ह अउर बिटिया उ मनई क पत्नी बनी रही। उ आपन पूरी जिन्नगी ओका तलाक नहीं दइ सकत।

20 "मुला जउन बातन भतार आपन पत्नी क बारे में कहेस उ सबइ फुर होइ सकत हीं। पत्नी क महतारी-बाप क लगे इ सबूत नहीं होइ सकत कि बिटिया कुआँरी रही। 21 अगर अइसा होत ह तउ नगर-प्रमुख उ बिटिया क ओकरे बाप क दुआरे पइ लइ अइहीं तब नगर क मनई ओका पाथर स मार डइहीं। काहेकि उ इस्त्राएल में लज्जावाली बात किहस। उ आपन बाप क घरे में रंडी जइस बेउहार किहस ह। तू पचन्क आप लोगन में स हर बुराई क दूर करइ चाही।

### जिनाखोरी क पाप

22 "अगर कउनो मनई कउने दूसरे क पत्नी क संग तने क सम्बन्ध करत भवा पावा जात ह तउ दुइनउँ मारा जाब्या, उ मेहरारू अउ उ मनसेधु जउन ओकर संग तने क सम्बन्ध किहस ह। तू पचन्क इस्त्राएल स इ बुराई दूर करइ चाही। 23 "कउनो मनई कउनो उ कुआँरी बिटिया स मिल सकत ह जेकर दूसरे स पक्का होइ चुका अहइ। उ ओकरे संग तने क सम्बन्ध भी कइ सकत ह। अगर सहर में अइसा होत ह तउ 24 तू पचन्क ओन दुइनउँ क उ सहर क बाहेर फाटक पइ लावइ चाही अउर तू पचन्क ओन दुइनउँ क पाथरन स मारि डवइ चाही। तू पचन्क मनई क एह बरे मारि डवइ चाही कि उ दूसर क पत्नी क संग तने क सम्बन्ध किहस अउर तू पचन्क बिटिया क एह बरे मारि डवइ चाही कि उ सहर में रही अउर उ मदद बरे पुकार नहीं किहस। तू पचन्क आपन लोगन में स इ बुराई भी दूर करइ चाही।

25 "मुला कउनो मनई मैदानन में, बियाह क सगाई पक्की भइ बिटिया क पकड़ लेत ह अउर ओसे बल लगाइके तने क सम्बन्ध करत ह तउ अकेला उ जरूर मनई क मारि डवइ चाही। 26 तू पचन्क बिटिया क संग कछू भी नहीं करइ चाही काहेकि उ अइसा कछू भी अपराध नहीं किहस जउन ओका मउत क सजा क काबिल बनावत ह। इ मामला वइसा ही अहइ जइसा कउनो मनई क निर्दोख मनई पइ आक्रमण अउ ओकर कतल करतह। 27 उ मनई बियाह क सगाई पक्की कीन्ह भइ बिटिया क मैदान में धरेस। बिटिया

**ओढ़ना** अक्सर मेहरारू क संग पहिले तने क सम्बन्ध क समइ में भितरे क झिझी फटि जाइसे तनिक रक्त आवत ह। दुलहिन अपने बियाहे क रात क बिछउना क ओढ़ना क इ सिद्ध करइ बरे राखत रही कि उ बियाहे क समइ कुआँरी रही।

मदद बरे गोहार लगाएस, मुला कउनो ओकर मदद करइवाला नहीं रहा।

28 "कउनो मनई कउनो कुआँरी बिटिया जेकर बरिच्छा नहीं भइ अहइ, क धइ लेत ह अउर ओका आपन संग बल स तने क सम्बन्ध करइ क मजबूर कइ सकत ह। अगर उ परगट होइ जात ह, 29 तउ ओका बिटिया क बाप क पचास सेकेल चाँदी देइ चाही अउर बिटिया ओकर पत्नी होइ जाइ। काहेकि उ ओकरे संग तने क सम्बन्ध किहस। उ ओका पूरी जिन्नगी तलाक नहीं दइ सकत।

30 "कउनो मनई क आपन सौतेली महतारी क संग सादी कइके आपन बाप पइ कलंक नहीं लगावइ चाही।"

### उ सबइ लोग उपासना में सामिल होइ सकत हीं

**23** "इ सबइ लोग इस्त्राएल क लोगन क संग यहोवा क उपासना करइ बरे नहीं आइ सकतेन: उ मनई जउन आपन क बधिया कराइ लिहस ह, उ मनई जउन आपन जनन अंग कटवाइ लिहस ह 2या उ मनई जउन बिना बियाहे भए महतारी-बाप क सन्तान होइ। इ मनई क परिवार क कउनो मनई दसई पीढ़ी तलक भी यहोवा क लोगन में यहोवा क उपासना करइ बरे नहीं गना जाइ सकत।

3 "कउनो अम्मोनी या मोआबी यहोवा क लोगन स सम्बन्ध रखत भवा नहीं होइ सकत अउर दस पीढ़ियन तलक ओनकर कउनो सन्तान भी यहोवा क लोगन क हींसा यहोवा क उपासना करइ बरे नहीं बन सकत। 4 काहेकि अम्मोनी अउर मोआबी लोग मिस्त्र स बाहेर आवइ क जात्रा क समइ तू लोगन क रोटी अउ पानी देइ स इन्कार किहे रहेन। उ सबइ यहोवा क लोगन क हींसा एह बरे भी नहीं होइ सकतेन काहेकि उ पचे बिलाम क तू पचन्क अभिसाप देइ बरे मुकरर किहे रहेन। (बिलाम अरम्महरैम में पतोर सहर क बोर क पूत रह।) 5 मुला यहोवा परमेस्सर बिलाम क एक नहीं सुनेस। यहोवा अभिसाप क तोहरे बरे बरदान में बदल दिहस। काहेकि यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्स पिरेम करत ह। 6 तू पचन्क अम्मोनी अउ मोआबी लोगन क संग सान्ति रखइ क कोसिस कबहुँ नहीं रखइ चाही। जब तलक तू लोग रहा, ओनसे मिताइं जिन राखा।

### इ सबइ जेका इस्त्राएलियन क अपने में मिलावइ चाही

7 "तू पचन्क एदोमी स घिना नहीं करइ चाही। काहेकि उ तोहार सभ्बंधी अहइ। तू पचन्क कउनो मिस्त्री स घिना नहीं करइ चाही। काहेकि ओनके देस में तू पचे अजनबी रह्या। 8 एदोमी अउर मिस्त्री लोगन स पइदा तीसरी पीढ़ी क गदेलन यहोवा क लोगन क हींसा बन सकत हीं।

### फउज क छाउनी क स्वच्छ रखब

9 "जब तोहार फउज दूस्मन क खिलाफ जाइ, तब तू पचे ओन सबहिं चीजन स दूर रहा जउन तू पचन्क बे पवित्तर बनावत हीं। 10 अगर कउनो अइसा मनई अहइ जउन इ कारण पवित्तर नहीं अहइ कि रात में सपनदोस होइ गवा बाटइ तउ ओका छाउनी क बाहेर चला जाइ चाही। ओका

छाउनी स दूर रहइ चाही। 11मुला जब साँझ होइ तब उ मनई क पानी स नहाइ चाही अउर जब सूरज बूड़इ तब ओका छाउनी में आवइ चाही।

12“तू पचन्क छाउनी क बाहेर दिसा फरागत बरे जगह बनवइ चाही। 13अउर तू पचन्क आपन हथियार क संग खनइ बरे एक ठु खन्ती रखइ चाही। एह बरे जब तू पचे फरागत करब्या तब तू एक ठु गड़हा खना अउर ओका ढाँकि द्या चाही। 14काहेकि यहोवा तोहार परमेस्सर तोहरे डेरन में दुस्मनन क हरावइ मैं तोहार मदद करइ बरे तोहरे संग अहइ। एह बरे डेरा पवित्तर रहइ चाही। तब यहोवा तू पचन में कछू भी अनुचित न लखी अउर तोहे सबन्स आँखी न फेरी।

### दूसर नेम

15“अगर कउनो दास आपन मालिक क हिआँ स पराइके तोहरे लगे आवत ह तउ तू पचन्क उ दास क ओकरे मालिक क नहीं लउटावइ चाही। 16इ दास तोहरे संग जहाँ चाहे हुआँ रहि सकत ह। उ जउने भी सहर क चुन लेइ ओहमाँ रहि सकत ह। तू पचन्क ओका परेसान नहीं करइ चाही।

17“कउनो इस्त्राएली मेहरारु या मनसेधू क कबहुँ देवदासी या देवदास नहीं बनइ चाही। 18देवदास या देवदासी क कमावा भवा धन तोहरे परमेस्सर क मन्दिर में नहीं लिआवा जाइ चाही। कउनो मनई दीन्ह भाए बचन क कारण यहोवा क दीन्ह जाइवाली चीज क बरे इ धने क उपयोग नहीं कइ सकत। यहोवा तोहार परमेस्सर सबहिँ मन्दिरन क देवदास-देवदासियन स घिना करत ह।

19“अउर तू पचे कउनो इस्त्राएली क उधार द्या तउ तू पचे ओह पइ बियाज जिन ल्या। तू पचे उधार में लीन्ह गवा सिक्कन, भोजन या कउनो अइसी चीज पइ बियाज में न ल्या। 20तू पचे बिदेसियन स बियाज लइ सकत ह। मुला तू पचन्क दूसर इस्त्राएली स बियाज नहीं लेइ चाही। अगर तू पचे इ नेमन क मनब्या तउ यहोवा तोहार परमेस्सर उ देस में, जहाँ तू पचे रहइ जात अहा, जउन कछू तू पचे करब्या ओहमाँ आसीस देइ।

21“जब तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर क बचन द्या, तउ जउन तू पचे देइ क कहा ओन सब क देइ मैं ढीला जिन हवा। अगर तू बचन दीन्ह गइ चीजन क नहीं देब्या तउ पाप क अपराध करब्या। यहोवा तोहार परमेस्सर चाहत ह कि तू निहचय ही आपन वचन क जरूर पूरा करा। 22अगर तू बचन नहीं देब्या तउ तू पचे पाप नहीं करत अहा। 23मुला तू पचन्क उ चीजन क करइ चाही जेका करइ बरे तू पचे कह्या ह कि तू करब्या। जब तू पचे अजादी स यहोवा आपन परमेस्सर क बचन द्या तउ, तू पचन्क बचन दीन्ह गइ बात क पूरी करइ चाही।

24“अगर तू दूसर मनई स अंगूर क बगिया स होइके जात अहा, तउ तू जेतना चाहा ओतना अंगूर खाइ सकत ह। मुला तू कउनो अंगूर आपन टोकरी में नहीं रख सकब्या। 25जब तू दूसर क पका भवा अनाज क फसल क खेते स होइके जात अहा तउ तू आपन हाथे स जेतना उजारा, खाइ

सकत ह। मुला तू हँसिया क उपयोग दूसर क अनाज क काटइ अउर लेइ बरे नहीं कइ सकत्या।

24 “जदि कउनो मनई कउनो मेहरारु स बियाह करत ह, अउर उ मेहरारु ओका खूस नहीं करत ह, काहेकि उ मनई उ मेहरारु में कछू असलीलता पावत ह, तउ उ ओक तलाक पत्र दइ सकत ह अउर ओका आपन घरे स पठइ देइ सकत ह। 2जब उ ओकर घर तज दिहेस ह तउ उ दूसर मनई क लगे जाइके ओकर पत्नी होइ सकत ह। 3-4मुला मान ल्या कि नवा भतार भी ओका पसन्द नहीं करत अउर ओका बिदा कइ देत ह। अगर उ मनई ओका तलाक देत ह तउ भी पहला भतार ओका फुन स पत्नी क रूप में नहीं राखि सकत या अगर नवा भतार मरि जात ह तउ भी पहिला भतार ओका फुन पत्नी क रूप में नहीं रख सकत ह। उ दूसित होइ चुकी बाटइ। अगर उ ओसे बियाह करत ह तउ उ अइसा काम करी जेहसे यहोवा घिना करत ह। तू पचन्क उ देस में अइसा पाप नहीं लावइ चाही जेका यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क रहइ बरे दइ देत अहइ।

5“नवा बियाहा क फउज में नहीं पठवइ चाही अउर ओका कउनो दूसर खास काम भी नहीं देइ चाही। काहेकि एक बरिस तलक ओका घरे पइ रहइ क अजाद होइ चाही अउर आपन नई पत्नी क सुखी बनावइ चाही।

6“अगर कउनो मनई क तू कर्ज द्या तउ गिरवी क रूप में ओकर आटा पीसइ क जाँत क कउनो पाट न रखा। काहेकि अइसा करब ओका खइया करइ के तू ओकर जिन्गी क जरिया लइ लेब्या।

7“अगर कउनो इस्त्राएली मनई दूसर इस्त्राएली मनई क अपहरण करत ह जउन ओकरे देस क अहइ अउर ओकरे संग दूरव्यवहार करत ह या ओका बेच लेत ह तउ अपहरण करइवाला जरूर मारा जाइ चाही। इ तरह तू आपन बीच स इ बुराई क दूर करब्या।

8“अगर तू पचन्क कोढ़ होइ जाइ तउ तू पचन्क लेवी बंसी याजकन क दीन्ह गइ सारी सिच्छा अंगीकार करइ मैं होसियार रहइ चाही। तू पचन्क होसियारी स ओन सबइ आदेसन क मानइ चाही जेनका देइ बरे मई याजकन स कहेउँ ह। 9इ याद राखा कि यहोवा तोहार परमेस्सर मिरियम क संग का किहेस जब तू पचे मिस्र स बाहेर निकरइ क जात्रा पइ रह्या।

10“जब तू पचे कउनो मनई क कउनो तरह क कर्ज द्या तउ ओकरे घरे मैं ओकर घरेलू सामान क, गिरवी रखी चीज लेइ बरे जिन जा। 11तू पचन्क बाहेर ही खड़ा रहइ चाही। तब उ मनई, जेका तू पचे कर्ज दिहा ह, तोहारे लगे गिरवी रखी गइ चीज लिआइ। 12अगर उ गरीब अहइ तउ उ आपन वस्त्रन क दइ देइ, जेहसे उ आपन क गरम रख सकत ह। तू पचन्क ओकर गिरवी रखी चीज रात क नहीं रखइ चाही। 13तू पचन्क हर एक साँझ क ओकर गिरवी धरी चीज क लउटाइ देइ चाही। तब उ आपन ओढ़नन में स सोइ सकी। उ तोहार एहसानमंद रही अउर यहोवा तोहार परमेस्सर इ लखी कि तू इ अच्छा काम किह्या ह।

14“तू पचन्क कउनो गरीब अउ जरूरतवाला मजूर पइ अत्याचार नाही करइ चाही। एकर कउनो महत्व नहीं कि उ

तोहार साथी इस्त्राएली बाटइ या उ कउनो बिदेसी अहइ जउन तोहरे सहरन में स कउनो एक में उ रहत बाटइ। 15सूरज बूड़इ स पहिले हर रोज ओकर मजूरी दइ द्या। काहेकि उ गरीब अहइ अउर उहइ धने पइ ओका सहारा अहइ। अगर तू ओकर भुगतान नहीं करत्या तउ उ यहोवा स तोहरे खिलाफ सिकाइत करी अउर तू पचे पाप करइ क अपराधी होब्या। 16“गदेलन क जरिये कीन्ह गए कउनो अपराध बरे बाप क मउत क सजा नहीं दीन्ह जाइ सकत। अउर गदेलन क बाप क जरिये कीन्ह गए अपराध बरे मउत क सजा नहीं दीन्ह जाइ सकत। कउनो मनई क ओकरे खुद क अपराध बरे ही मउत क सजा दीन्ह जाइ सकत ह।

17“तू पचन्क प्रवासी अउ अनाथन क संग गलत फइसला नाही करइ चाही। तू पचन्क रँडि मेहररु स ओकर ओढ़ना कबहुँ भी गिरवी रखइ क बरे नहीं लेइ चाही। 18तू पचन्क सदा सुमिरइ चाही कि तू पचे मिस्र में दास रह्या। इ जिन बिसस कि यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क हुआँ स बाहेर लिआवा। इहइ कारण अहइ कि मई तू पचन्क इहइ करइ क आदेस देत अहउँ।

19“तू पचे आपन खेत क फसल बटोरत रहि सकत ह अउर तू पचे तनिक भूलचूक स हुआँ छोड़ि सकत ह। तू पचन्क ओका लेइ नहीं चाही। इ प्रवासियन, अनाथन अउर रँडि मेहररुअन बरे होइ। अगर तू पचे ओनके बरे कछू अन्न छोड़त ह तउ यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क ओन सबहि कामन में असीसी जउन तू पचे करब्या। 20जब तू पचे आपन जइतून क बृच्छन स फली झरब्या तउ तू पचन्क डारन क फुन जाँच करइ नहीं जाइ चाही। जउन जइतून तू पचे ओहमाँ तज देब्या उ बिदेसियन, अनाथन अउर रँडि मेहररुअन बरे होइ। 21जब तू पचे आपन अंगूरे क बगियन स अंगूर बटोरब्या तब तू पचन्क ओन अंगूर क लेइ नहीं जाइ चाही जेनका तू पचे तजि दिहे अहा। उ सबइ अंगूर बिदेसियन, अनाथन अउर रँडि मेहररुअन बरे होइहीं। 22याद राखा कि तू पचे मिस्र में दास रह्या। इहइ कारण अहइ कि तू पचन्क इ करइ क आदेस देत अहउँ।

**25** “अगर दुइ मनइयन में झगड़ा होइ तउ ओनका अदालत में जाइ चाही। निआवाधीस ओनके मोकदमा क फइसला करिही। ओनका निर्दोष क रिहा अउ दोसी क सजा देइ चाही। 2अगर अपराधी मनई पीटा जाइ जोगग अहइ तउ निआवाधीस ओका मुँहे क बल ओलारी। ओका निआवाधीस क समन्वा ओकरे अपराध क अनुसार ओतनी दाई पीटा जाइ चाही जेतना दाई उचित होइ। 3कउनो मनई क चालीस दाई तलक पीटा जाइ सकत ह, मुला ओसे जियादा नहीं। अगर उ ओहसे जियादा बार पीटा जात ह तउ एहसे पता चली कि उ मनई क जिन्नगी तोहरे बरे महत्वपूर्ण नहीं।

4“जब तू पचे अन्न क अलगावइ बरे गोरुअन क उपयोग करा तब ओनका खाइ स रोकइ बरे ओनके थूथन क जिन बाँधा।

5“अगर दुइ भाई एक संग रहत होइँ अउर ओनमाँ स एक ठुलाओलाद मरि जाइ तउ मरे भए भाई क पत्नी क बियाह परिवार क बाहेर कउनो अजनबी स नहीं होइ चाही।

ओकरे भतारे क भाई क ओका पत्नी क रूप में लइ चाही अउर ओकर लगे जाइ चाही अउर ओकरे बरे भतार क भाई क कर्तव्य पूरा करइ चाही। 6तब जउन पहिलौटी पूत ओसे पइदा होइ उ मनई क मरे भाई क जगह लेइ। तब मरे भाई क नाउँ इस्त्राएल स बाहेर नहीं कीन्ह जाइ। 7अगर उ मनई आपन भाई क पत्नी क अंगीकार करइ नहीं चाहत, तब भाई क पत्नी क बइठकवाली जगह पइ नगर-प्रमुखन क लगे जाइ चाही। ओकरे भाई क पत्नी क नगर प्रमुखन स कहइ चाही, ‘मोरे भतार क भाई इस्त्राएल में आपन भाई क नाउँ बनाए रखइ स इन्कार करत ह। उ मोरे बरे आपन भाई क कर्तव्य क पूरा नहीं करी।’ 8तब नगर-प्रमुखन क उ मनई क बोलावइ चाही अउ ओसे बात करइ चाही। अगर उ मनई जिद्दी अहइ अउर कहत बाटइ, ‘मई ओका अंगीकार करइ नहीं चाहत हउँ।’ 9तब ओकरे भाई क पत्नी नगर प्रमुखन क समन्वा ओकरे लगे आवइ। उ ओकरे गोड़ स पनही उतारि लेइ अउर ओकरे मुँहे पइ थूकइ। ओका कहइ चाही, ‘इ उ मनई क कीन्ह जात इ कारज अहइ कि उ आपन भाई क परिवार न बसाइ।’ 10तब उ भाई क परिवार, बुलावा जाब्या, ‘उ मनई क परिवार जउन आपन जूता पनही, उतार दिहस।’

11“दुइ मनई आपुस में झगड़ सकत हीं। ओनमाँ एक क पत्नी आपन भतारे क मदद करइ आइ सकत ह। मुला ओका दूसर मनई क गुप्त अंगन क नहीं धरइ चाही। 12अगर उ अइसा करत ह तउ ओकर हाथ काट डवा, ओकरे बरे दुःखी जिन हवा।

13“लोगन क धोखा देइ बरे जाली बटरखरा जिन रखा। ओन बटरखरन क उपयोग जिन करा जउन असली वजन स कमती या जियादा होइँ। 14आपन घरे में ओन नाप जोख क न रखा जउन सही नाप जोख स बहोत बड़ा या बहोत नान्ह न होइँ। 15तू पचन्क ओन बटरखरन अउ नाप-जोख क बइपरइ चाही जउन सही अउर ईमानदारी क परिचायक अहइ। तू पचे उ देस में लम्बी उमिरवाला होब्या जेका यहोवा, तोहार परमेस्सर तू पचन्क देत अहइ। 16यहोवा तोहार परमेस्सर ओनसे घिना करत ह जउन जाली बटरखरा अउर नाप जोख बइपरिके धोखा देत बाटेन। हाँ, उ सबइ ओन सबहि लोगन स घिना करत ह जउन बेईमानी करत हीं।

### अमालेक क लोगन्क नस्ट कइ देइ चाही

17“तू पचन क याद करइ चाही कि जब तू पचे मिस्र छोड़ेस तब अमालेक क लोग तोहरे संग का किहेन। 18अमालेक क लोग परमेस्सर क सम्मान नहीं किहन। उ पचे तू पचन्क पइ पाछे स तब हमला किहन जब तू पचे थका भवा अउर कमजोर रह्या। उ पचे तोहरे ओन सब लोगन्क मार डापन जउन सुस्त होइके पीछे चलत रहेन। 19एह बरे तू लोगन्क अमालेक क लोगन्क याद क संसारे स मेट देइ चाही। इ तू लोग तब करब्या जब उ देस में जाब्या जेका यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क देत अहइ। हुआँ उ पचे तू सबन्क चारिहुँ कइँती क दुस्मनन स छुटकारा दिअइहीं। मुला अमालेकियन क नास करब जिन बिसरा।

### पहिली फसिल क बारे में नेम

**26** “तू पचे हाली ही उ देस में घुसब्या जेका यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क रहइ बरे देत अहइ। जब तू पचे हुआँ क भुईया पइ कब्जा कइ ल्या अउ ओह पइ रहइ लाग्या, 2तब तू पचन्क आपन क तनिक फसिल लेइ चाही अउर ओका एक टोकरी में धरइ चाही। उ पहिली फसिल होइ जेका तू पचे उ देस स पउब्या जेका यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क दइ देत अहइ। तनिक पहिली फसिल वाला टोकरी क ल्या अउर उ ठउर पइ जा जेका यहोवा तोहार परमेस्सर चुनी। 3उ समइ सेवा करइवाला याजक क लगे तू पचन्क जाई चाही अउर ओहसे कहइ चाही, ‘आजु मई यहोवा आपन परमेस्सर क लगे इ एलान करत हई कि हम पचे उ देस में आवा अही जेका यहोवा हम लोगन क देइ बरे हमरे पुरखन क बचन दिहे रहा।’

4“तब याजक टोकरी क तोहरे हाथे स लेइ। उ एका यहोवा तोहरे परमेस्सर क वेदी क समन्वा रखी। 5तब तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर क समन्वा इ कहब्या: ‘मोर पुरखा घुमक्कड़ अरामी रहा।\* उ मिस्र पहोंचा अउर हुआँ रहा। जब उ हुआँ गवा तब ओकरे परिवार में बहोत कम लोग रहेन। मुला मिस्र में उ एक सक्तीवाला बहोत स मनइयन वाला महान रास्ट्र बन गवा। 6मिस्रियन हम लोगन क संग बहोतइ बुरा बेउहार किहन। उ हम लोगन क मुसीबत में डाइ दिहेन अउ कठिन कारज करइ बरे निश्चित किहेन। 7तब हम पचे यहोवा आपन पुरखन क परमेस्सर स पराथना कीन्ह अउर ओनका गोहार लगाएन यहोवा हमरउ सुनेस अउर उ हम लोगन्क परेसानियन, हमरे कठोर काम अउ अत्याचार क लखेस। 8तब यहोवा हम लोगन्क आपन प्रबल सक्ती अउ मजबूती स मिस्र स बाहेर लइ गवा। उ डरावना बातन, महान चमत्कारन अउ अचरजन कर्म किहस। 9इ तरह हम लोगन्क इ ठउरे पइ लिआवा। उ दूध अउर सहद बहत भवा देस हम पचन्क दिहस। 10यहोवा, अब मई उ देस क पहिली फसिल तोहरे लगे लिआएँ ह जेका तू मोका दिह्या ह।’

“तब तू पचन्क यहोवा आपन परमेस्सर क समन्वा रखइ चाही अउर तू पचन्क ओका निहुर करइ चाही। 11तब तू पचे ओन सब नीक चीजन्क क आनन्द स भोग कइ सकत ह जेका यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क अउर तोहरे परिवार क दिहस ह। लेवी बंसी अउर उ सबइ प्रवासी जउन तोहरे बीच रहत हीं तोहरे संग इ चीजन्क आनन्द लइ सकत हीं।

12“जब तू पचे दसवाँ हींसा जउन तीसरे बरिस (दसवाँ हींसा क बरिस) तोहरी फसिल क दीन्ह जाइ क अहइ, दइ चुका तब तू पचन्क लेवी बंसियन, बिदेसियन, अनाथन अउर रॉइ मेहररुअन क एका दइ देइ चाही। तब हर एक सहर में उ पचे खाइ सकत हीं अउर सन्तुदठ कीन्ह जाइ सकत हीं। 13तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर स कहब्या, ‘मई आपन घरे स आपन फसिल क पवित्तर हींसा दसवाँ हींसा बाहेर निकारि दिहेँ ह। मई एका ओन सबहिं लेवी बंसियन, बिदेसियन, अनाथन अउर रॉइ मेहररुअन क दइ दिहेँ ह। जइसा तू

मोका आदेस दिहेस रहा मई एका ओन सबहिं अदेसन क मानइ स इन्कार नाहीं किहेँ ह। मई ओनका बिसरेँ नाहीं। 14मई इ भोजन तब नाहीं किहेँ जब मई सोक मनावत रहेँ। मई इ अनाज क तब अलग नाहीं किहेँ जब मई असुद्ध रहेँ। मई इ अनाजे में स कउनो हींसा मरे मनई बरे नाहीं दिहेँ ह। मई यहोवा हमार परमेस्सर क आग्या क मानेँ ह। मई उ सब कछू किहेँ ह जेकरे बरे तू आग्या दिह्या ह। 15तू आपन पवित्तर आवास सरग स खाले निगाह डवा अउर आपन लोगन, इस्राएलियन क आसीबाद द्या जेका तू हम लोगन्क वइसा ही दिह्या ह जइसा तू हमरे पुरखन क बढिया चीजन्स भरा-पूरा देस देइ ल बचन दिह्या रह्या।

### यहोवा क हुकुमन पइ चला

16“आजु यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क आदेस देत अहइ कि तू पचे इ सबइ बिधियन अउ नेमन क माना। आपन पूरा हिरदय अउर आपन पूरी आतिमा स एनका मानइ बरे होसियार रहा। 17आजु तू पचे इ कह्या ह कि यहोवा तोहार परमेस्सर अहइ। तू लोग बचन दिहा ह कि तू पचे ओकरे रहे पइ चलब्या, ओकरे हुकुमन, आदेसन अउर नेमन क मनब्या। तू पचे कह्या ह कि तू पचे उ सब कछू करब्या जेका करइ बरे उ कहत ह। 18आजु यहोवा तू पचन्क आपन लोग क रूप स्वीकार किहेस। अउर तोहका आपन मूल्यवान सम्पत्ति बनाइ बरे बचन दिहस ह। अउर तू पचन्क ओकरे सब आदेसन क मानइ चाही। 19यहोवा तू पचन्क ओन सबहिं रास्ट्रन स महान बनाई जेनका उ बनाएस ह। उ तू पचन्क तारीफ, जस अउर गौरव देइ अउर तू पचे ओकर खास लोग होब्या, जइसा उ बचन दिहेस ह।”

### नेमन पाथरन पइ लिखा जाइ चाही

**27** मूसा अउर इस्राएल क प्रमुखन मनइयन क आदेस दिहस। उ कहेस, “ओन सबहिं आदेसन क माना जेनका मई आजु देत हई। 2जउने दिन तू यरदन नदी पार कइके उ देस में घुसा जेका जेका यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क देत अहइ उ दिन, आपन बरे बहोत बड़की सिलन क तइयार करा। इ सबइ सिला क पलसतर स ढाँकि द्या। 3तब इ उपदेस क सब बातन इ पाथरन पइ लिखी द्या। तू पचन्क इ तब करइ चाही जब तू पचे यरदन नदी क पार पहोंच जा। तब उ देस में जाइ सकब्या जउन में दूध अउर सहद बहत अहइ जेका यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क देत अहई। यहोवा तोहरे पुरखन क परमेस्सर एँका दइके आपन बचन क पूरा किहस ह।

4“यरदन नदी क पार जाइके पाछे तू पचन्क इ सिलन क एबाल पहाड़े पइ आजु क मोरे आदेस क मुताबिक स्थापना करइ चाही। तू पचन्क इ पाथरन क चूना क लेप स ढाँकि देइ चाही। 5हुआँ पइ यहोवा आपन परमेस्सर क वेदी बनावइ बरे भी कछू सिला क उपयोग करा। पाथरन क काटइ बरे लोहा क अउजारन क उपयोग जिन करा। 6तू पचन्क यहोवा आपन परमेस्सर क वेदी पूरा पाथरन स बनाववा अउर तब यहोवा आपन परमेस्सर बरे एह पइ होमबलि चढ़ावा।

**मोर ... अरामी रहा** हिआँ इ सबइ इब्राहीम, इसहाक या साइद याकूब होइ सकत ह।

7तोहका मेलबलि चढ़ावइ चाही अउर ओनका खाइ चाही। खा अउर यहोवा आपन परमेस्सर क मौजूदगी में खुसी क समइ बितावा। 8तू पचन्क इ सबइ उपदेसन क पाथर क सिलन पइ साफ साफ लिखि देइ चाही।”

### नेम क अभिसाप

9मूसा अउर लेवी बंसी याजकन इस्राएल क सबहि लोगन स बात किहस। उ कहेस, “इस्त्राएलियो, सान्त रहा अउ सुना! आजु तू लोग, यहोवा आपन परमेस्सर क लोग होइ गवा। 10एह बरे तू पचन्क उ सब कछू जरूर करइ चाही जउन यहोवा तोहार परमेस्सर कहत ह। तू पचन्क ओकरे ओन आदेसन अउ नेमन क जरूर मानइ चाही जेनका मई आजु तू पचन्क दइ देत हउँ।”

11उहइ दिन, मूसा लोगन क आदेस दिहेस, 12“जब तू पचे यरदन नदी क पार जाब्या ओकरे पाछे इ सबइ परिवार समूह गिरिज्जीम पहाड़े पइ खड़ा होइ के लोगन्क आसीबादि देइहीं: सिमोन, लेवी, यहूदा, इस्साकार, यूसुफ अउ बिन्यामीन। 13अउर इ सबइ परिवार समूह एबाल पहाड़े पइ अभिसाप बाँचिहीं: रूबेन, गाद, आसेर, जबूलून, दान अउर नप्ताली।

14“अउर लेवी बंसी इस्राएल क सबहि लोगन स ऊँची अवाजे में कइँहीं: 15‘उ मनई अभिसाप स दबा बा जउन लबार देवता बनावत ह अउर ओका गुप्त ठउरे में धरत ह। लबार देवतन सिरिफ उ सबइ मूर्तियन अहइँ जेका कउनो कारीगर काठ, पाथर या धातु क बनावत ह। यहोवा ओन चीजन स घिना करत ह!’

“तब सबहि लोग जवाब देइहीं, ‘आमीन!’

16“लेवी बंसी कइँहीं, ‘उ व्यक्ति अभिसापित अहइ जउन आपन महतारी अउर बाप क बेज्जत करत ह।’

“सबहि लोग जवाब देइहीं, ‘आमीन!’

17“लेवी बंसी कइँहीं: ‘उ व्यक्ति अभिसापित अहइ जउन आपन पड़ोसी क चउहदूदी-चीन्हा क खिसकावत ह।’

“तब सबहि लोग कइँहीं, ‘आमीन!’

18“लेवी बंसी कइँहीं: ‘उ व्यक्ति अभिसापित अहइ जउन आँधर क कुमार्ग पर चलावत ह।’

“तब सबहि लोग कइँहीं, ‘आमीन!’

19“लेवी बंसी कइँहीं: ‘उ व्यक्ति अभिसापित अहइ जउन बिदेसियन, अनाथन अउर रौँड मेहररुअन क संग निआव नाहीं करत।’

“तब सब लोग कइँहीं, ‘आमीन!’

20“लेवी बंसी कइँहीं: ‘उ व्यक्ति अभिसापित अहइ जउन आपन बाप क पत्नी क संग तने क सम्बंध रखत ह काहेकि उ आपन बाप क नंगा क तरह करत ह।’

“तब सबहि लोग कइँहीं, ‘आमीन!’

21“लेवी बंसी कइँहीं: ‘उ व्यक्ति अभिसापित अहइ जउन कउनो तरह क जनावर क संग तने क सम्बंध रखत ह।’

“तब सबहि लोग कइँहीं, ‘आमीन!’

22“लेवी बंसी कइँहीं: ‘उ व्यक्ति अभिसापित अहइ जउन आपन महतारी क बिटिया या आपन बाप क बिटिया, आपन बहिन क संग तने क सम्बंध रखत ह।’

“तब सबहि लोग कइँहीं, ‘आमीन!’

23“लेवी बंसी कइँहीं: ‘उ व्यक्ति अभिसापित बाटइ जउन आपन सास क संग तने क सम्बंध रखत ह।’

“तब सबहि लोग कइँहीं, ‘आमीन!’

24“लेवी बंसी कइँहीं: ‘उ व्यक्ति अभिसापित अहइ जउन दूसर मनई क लुकाई क कतल करत ह।’

“तब सबहि लोग कइँहीं, ‘आमीन!’

25“लेवी बंसी कइँहीं: ‘उ व्यक्ति अभिसापित अहइ जउन निर्दोख क कतल बरे धन वसूलत ह।’

“तब सबहि लोग कइँहीं, ‘आमीन!’

26“लेवी बंसी कइँहीं: ‘उ व्यक्ति अभिसापित अहइ जउन इ उपदेसन क समर्थन नाहीं करत अउर ओका पालन नाहीं करत।’

“तब सबहि लोग कइँहीं, ‘आमीन!’”

### आसीबादि

28“अगर तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर क इ सबइ कानून क मानइ मैं होसियार रहब्या अउर ओका सावधानी स पालन करब्या जेनका मई आजु बतावत हउँ तउ यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क धरती क सब रास्ट्रन क ऊपर स्नेष्ठ करी। 2अगर तू यहोवा आपन परमेस्सर क आदेसन क मनब्या तउ इ सबइ वरदान तोहरे लगे अइहीं अउर तोहार होइहीं:

3“तोहरे सहरन अउ खेतन क असीसी कीन्ह जाब्या।

4तोहरे गदेलन क आसीबादि दीन्ह जाई। उ तोहरी भुइँया क बढ़िया फसिल क वरदान देइ अउर तोहरे गोरुअन क बच्चन देइ क वरदान देइ। तोहरे लगे बहोत स मवेसी अउर भेड़ होइहीं।

5यहोवा तू पचन्क बढ़िया अनाज क फसिल अउर बहोत जियादा भोजन पावइ क असीसी।

6तू पचन्क आसीबादि दीन्ह जाई जब तू पचन्क आवई अउर जावई।

7“यहोवा तू पचन्क ओन दुस्मनन पइ विजयी बनाई जउन तोहरे खिलाफ होइहीं। तोहार दुस्मन तोहरे खिलाफ एक रस्ता स अइहीं मुला उ पचे तोहरे समन्वा सात ठु राहे मैं पराइ जइहीं।

8“यहोवा तू पचन्क खरिहान क आसीबादि देइ। तू पचे जउन कछू तू करब्या उ ओकरे बरे आसीबादि देइ। उ पचे तोहका उ भुइँया पइ आसीबादि देइ जेका यहोवा तोहार परमेस्सर तोहाका दिहेस ह। 9यहोवा तू पचन्क आपन खास लोग बनाई। यहोवा तू पचन्क इ वचन दिहे अहइ मुला सर्त इ बाटइ कि तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर क हुकुमन क माना अउ ओनकइ राहे पइ चला। 10तब धरती क सबहि लोग इ लिखिहीं कि तू पचे यहोवा क नाउँ स जाना जात अहा अउर उ पचे तोहसे सबन्स डेराइ जइहीं।

11“अउर यहोवा तू पचन्क बहोत स बढ़िया चीज देइ। उ तू पचन्क बहोत स गदेलन देइ। उ तू पचन्क बहोत स गोरु अउ बछवन क देइ। उ उ देस मैं बहोत-स बढ़िया फसिल देइ जेका उ पचे तोहरे पुरखन क देइ क वचन दिहे रहन। 12यहोवा सरग मैं आपन भण्डार खोलि देइ। उ आपन वरदान स तोहरी भुइँया बरे ठीक समइ पइ बर्खा देइ। यहोवा

जउन कछू तू पचे करब्या ओकरे बरे आसीबाद देइ अउर बहोत स रास्ट्रन क कर्ज देइ बरे तोहरे पचन्क लगे धन होइ। मुला तू पचन्क ओन से कछू उधार लेइ क जरुरत नाहीं होइ। 13यहोवा तू पचन्क मूँड बनाई, पूँछ नाहीं। तू पचे चोटी पड़ होब्या, तलहटी पड़ नाहीं। इ तब होइ जब तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर क ओन आदेसन पड़ धियान देब्या जेनका मई आजु तू पचन्क देत अहउँ। 14तू पचन्क ओन सिच्छन मँ स कउनो क उपेच्छा नाहीं करइ चाही जेनका मई आजु तू पचन्क देत हउँ। तू पचन्क एँसे दाई या बाई कइँती नाहीं जाइ चाही। तू पचन्क उपासना बरे दूसर देवतन क पाछे नाहीं चलइ चाही।

### अभिसाप

15“अगर तू यहोवा आपन परमेस्सर क जरिये कही गइ बातन पड़ धियान नाहीं देत्या अउर आजु मई जउने आदेसन अउ नेमन क बतावत अहउँ, होसियारी स पालन नाहीं करत्या तउ इ सबइ अभिसाप तू पचन्प अइहीं।

16“तोहका तोहरे सहरन अउर मइदानन मँ अभिसापित कीन्ह जाइ।

17यहोवा तोहरी टोकरियन अउ बर्तनन क अभिसापित करी। अउ तू पचन्क काफ़ी भोजन नाहीं मिली।

18तू पचन्क गदेलन अभिसाप पइहीं। तोहरी धरती क फसलन तोहरे गोरुअन क बछवन अउ तोहरे झुण्डे क बचवन अभिसाप पइहीं।

19तू आपन आवइ अउर जावइ पड़ अभिसापित कीन्ह जाब्या।

20“अगर तू पचे बुरा काम करब्या अउर आपन यहोवा स मुँह फेर लेब्या, तउ तू पचे अभिसाप पउब्या। तू पचे जउन कछू करब्या ओहमँ तू पचन्क क अव्यवस्था अउ फटकार क सामना करइ क होइ। उ इ तब तलक करी जब तलक तू पचे हाली स अउ पूरी तरह स बरबाद नाहीं होइ जात्या। 21अगर तू पचे यहोवा क हुकुम नाहीं मनत्या तउ उ तू पचन्क तब तलक महामारी स दुखी करत रही जब तलक तू उ देस मँ पूरी तरह बरबाद नाहीं होइ जात्या जेहमँ तू पचे रहइ बरे प्रवेश करत अहा। 22यहोवा तू पचन्क रोग स दुखी अउ दुर्बल होइ क दण्ड देइ। तू पचन्क बोखार अउ सूजन होइ। यहोवा तोहरे लगे भयंकर गर्मी पठइ अउर तोहरे हिउँ बर्खा नाहीं होइ। तोहार फसलन गर्मी अउ रोग\* स बरबाद होइ जइहीं। तू पचन्प इ सबइ मुसीबतन तब तलक अइहीं जब तलक तू पचे मर नाहीं जात्या। 23अकासे मँ कउनो बादल नाहीं रही अउर आकास काँसा सरीखा होइ जाइ। अउर तोहरे पचन्क खाले धरती लोहा क सरीखा होइ। 24बर्खा क बदले यहोवा तोहरे पास अकासे स रेत अउ धूरि पठइ। इ तोहे सबन पड़ तब तलक आइ जब तलक तू पचे बरबाद नाहीं होइ जात्या।

### दुस्मन स हार जाइ क अभिसाप

25“यहोवा तोहरे पचन्क दुस्मनन क जरिये तू पचन्क

हराइ। तू पचे आपन दुस्मनन क खिलाफ एक रहे स जाब्या अउर ओनके समन्वा स सात तु रहे स पराइ जाब्या। तोहरे सबन क ऊपर जउन मुसीबतन अइहीं उ सबइ सारी धरती क लोगन क डेरवाइ देइहीं। 26तोहार पचन्क क लहासियन क सबइ जंगली जनावर अउ पछियन क चारा बनिहीं। कउनो मनई ओनका डेराइके तोहरी लहासियन स पराइवाला न होइ।

### दूसर रोगन क अभिसाप

27“अगर तू यहोवा क हुकुम क नाहीं मनत्या तउ उ तू पचन्क वइसेन फोड़ा होइ क सजा देइ जइसे फोड़न क उ मिस्री लोगन पड़ पठए रहा। उ तू पचन्क ला-इलाज सूजन, पीड़ा युक्त फोड़न अउ खजुरी स दुःखी करी। 28यहोवा तू पचन्क पागल बनाइके सजा देइ। उ तू पचन्क अँधर बनाइ अउ उलझन मँ डाइ देइ। 29तू पचन्क दिन क प्रकास मँ अँधर क नाई आपन राह टटोलइ क होइ। तू पचे जउन कछू करब्या ओहमँ तू पचे असफल रहब्या। लोग तू पचन्प बार बार प्रहार करिहीं अउर तोहार चिजियन क चोरइहीं। तू पचन्क बचावइवाला हुआँ कउनो भी न होइ।

### चीज हेराइ क अभिसाप

30“तोहार बियाह कउनो मेहरारु क संग पक्का होइ सकत ह, मुला कउनो दूसर मनई ओकरे संग बलत्कार करी। तू पचे कउनो घर बनाइ सकत ह, मुला तू पचे ओहमँ रहब्या नाहीं। तू पचे अंगूरे क बगिया लगाइ सकत ह, मुला एहसे कछू भी बटोर नाहीं सकत्या। 31तोहार बर्धा तोहरी आँखिन क समन्वा मारा जाइ मुला ओकर कछू भी गोस नाहीं खाइ सकत्या। तोहार पचन्क गदहा तू पचन्स जबरदस्ती हरिके लइ जावा जाइ इ तू पचन्क लउटा नाहीं जाइ। तोहार पचन्क भेड़ तोहरे दुस्मनन क दइ दीन्ह जइहीं। तोहार पचन्क क रच्छक कउनो भी मनई न होइ।

32“तोहार पचन्क पूतन अउ बिटियन दूसर जाति क मनइयन क दइ दीन्ह जइहीं। तोहार अखियन गदेलन क निहारइ बरे सारे दिन टकटकी लगाए रइहीं काहेकि तू पचे गदेलन क लखइ चहब्या। मुला तू पचे जोहत जोहत कमजोर होइ जाब्या, तू पचे असहाय होइ जाब्या।

### दूसर अभिसाप

33“उ रास्ट्र जेका तू पचे नाहीं जनत्या, तोहरे पसीना क कमाई क फसिल खाब्या अउ आनन्दित होब्या। तोहार संग सदा दुरव्यवहार अउ दुरुपयोग कीन्ह जाब्या। 34जउन चिजियन क तू लखब तोहका दीवाना बनाइ देब। 35यहोवा तू पचन्क दर्दवाला फोड़न क सजा देइ। इ सबइ फोड़न तोहरे घुटनन अउ गोड़न पड़ होइहीं। उ सबइ तोहरे पचन्क क तलवा स लइके मूँडे क ऊपर तलक फइल जइहीं अउर तोहार पचन्क इ फोड़न भरिहीं जाहीं।

36“यहोवा तू पचन्क अउ तोहरे राजा जेका तू आपन बरे चुनेस ह, क उ रास्ट्र म पठइ जेका तू पचे नाहीं जानत होब्या। तू पचे अउ तोहार पुरखन उ रास्ट्र क कबहुँ नाहीं लखे होइहीं। हुआँ तू पचे काठ अउ पाथर क बने भए दूसर

**रोग** इ हरब रोग होइ सकत ह जेहसे फसलन क बाल पिअर पड़ जात ही अउर ओनमँ दाना आउब रुकि जात ह।

देवतन क पूजब्या। 37जउने देसन में यहोवा तू पचन्क पठइ ओन देसन क लोग तू लोगन पइ आइ भइ मुसीबतन क सुनिके हक्का बक्का रहि जइहीं। उ पचे तोहार हंसी उइइहीं अउर तोहार निन्द करिहीं।

### विफल होइ क अभिसाप

38“तू पचे आपन खेतन में बोवइ बरे जरुरत स जियादा बहोत जियादा बिआ लइ जाब्या। मुला तोहार उपज कमती होइ। काहेकि टिड्डियन तोहार फसिल चाट जइहीं। 39तू पचे अंगूरे क बगिआ लगउब्या अउ ओहमाँ कठिन मेहनत करब्या। मुला तू पचे ओहमाँ स अंगूर बटोरब्या नाहीं अउ न ही ओनसे दाखरस पीब्या। काहेकि ओनका किरवन खाइ लेइहीं। 40तोहरी सारी भुईँआ में जइतून क बृच्छ होइहीं। मुला तू पचे ओकरे कछू भी तेले क उपयोग नाहीं कइ सकब्या। काहेकि तोहरे जइतून क बृच्छ आपन फलन क बरबाद होइ बरे गिराइ देइहीं। 41तोहरे पचन्क पूतन अउ बिटियन होइहीं, मुला तू पचे ओनका आपन लगे नाहीं रख सकब्या। काहेकि उ पचे धरिके दूर लइ जावा जइहीं। 42टिड्डियन तोहरे सबहिँ खेतन अउ फलन क नास कइ देइहीं। 43तोहरे बीच रहइवाले विदेसी जियादा स जियादा सकती बढ़ावत जइहीं अउर तू पचन में जउन भी सकती बाटइ ओका खोवत जाब्या। 44उ पचे तोहका उधार देइ, मुला तू पचन्क ओका उधार देइ क जोगग धन नाहीं होइ। उ पचे मूँडे क नाई होइ। तू पचे पूँछे क नाई बन जाब्या।

### अभिसाप इन्नाएलियन क बरबाद करिहीं

45“इ सबइ अभिसाप तू पचन्प पड़िहीं। उ पचे तोहार पाछा तब तलक करत रइहीं अउर तू पचन्क गहियाइके धरे रइहीं जब तलक तू पचे बरबाद नाहीं होइ जात्या। काहेकि तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर क कही भइ बातन क परवाह नाहीं किह्या। तू पचे ओकरे ओन आदेसन अउ नेमन क नाहीं मान्या जेका उ तू पचन्क दिहस। 46इ सबइ अभिसाप मनइयन क बतइहीं कि परमेस्सर तू अउर तोहरे पचन्क संतानन क संग सदा ही निआव किहस ह।

47“यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क बहोत स बरदान दिहस मुला तू पचे ओकर सेवा खुसी स अउ उल्लास स भरे भए हिरदय स नाहीं किह्या। 48एह बरे तू पचे आपन ओन दुस्मनन क सेवा करब्या जेनका यहोवा, तोहरे पचन्क खिलाफ पठइ। तू पचे भूखा, पिआसा अउर नंगा रहब्या। तोहरे लगे कछू भी न होइ। यहोवा तोहरी गर्दन पइ एक ठु लोहे क जुवा तब तलक धरी जब तलक तू पचन्क बरबाद नाहीं होइ जाइ।

### दुस्मन रास्ट्र क अभिसाप

49“यहोवा तोहरे खिलाफ बहोत दूर स एक रास्ट्र क लिआइ। इ रास्ट्र पृथ्वी क दूसर कइँती स आइ। इ रास्ट्र तोहरे ऊपर अकासे स उतरत उकाब पंछी क नाई हाली स हमला करी। तू पचे इ रास्ट्र क भाखा नाहीं समुझ पउब्या। 50इ रास्ट्र क मनइयन क चेहरा कठोर होइहीं। उ पचे बुढ़वा लोगन क परवाह न करिहीं। उ पचे नान्ह नान्ह गदेलन पइ

भी दयालु नाहीं होइहीं। 51उ पचे तोहरे गोरुअन क बछवन अउ तोहरी धरती क फसिल तू पचे बरबाद होइ तलक खाइ। उ पचे तोहरे बरे अनाज, नई दाखरस, तेल, तोहरे गोरुअन क बछवन या तोहरे झुण्ड क भेड़ी क बच्चन क नाहीं छोड़िहीं। उ पचे इ तब तलक करत रइहीं जब तलक तू पचे नस्ट नाहीं होइ जात्या।

52“इ रास्ट्र तोहरे सबहिँ सहरन क घेरि लेइ। तू पचे आपन सहरन क चारिहुँ कइँती ऊँची अउ मजबूत देवारे पइ भरोसा रखत अहा। मुला तोहरे देस में इ सबइ देवारन हर जगह भहराइ जइहीं। हौँ, उ रास्ट्र तोहरे उ देस क सबहिँ सहरन पइ हमला करी जेका यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क देत अहइ। 53जब तलक तोहार दुस्मन तोहरे सहर क घेरा डाए रही तब तलक तोहार बड़का नोस्कान होत रही। तू पचे ऐतना भूखा रहब्या कि आपन गदेलन क भी खाइ जाब्या। तू पचे आपन पूतन अउ बिटियन क गोस खाब्या जेनका यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क दिहे बाटइ।

54“तोहार बहोत विनम्र सज्जन मनई भी आपन गदेलन, भाइयन, आपन पियारि पत्नी अउ बचे भए गदेलन क संग निर्दयी होइके बेउहार करी। 55ओकरे लगे आपन सहरन पइ दुस्मन क हमला अउ घेराबन्दी क कारण कछू भी खाइ क नाहीं होइ। एह बरे उ आपन गदेलन क खाइ। मुला उ आपन परिवार क बचे भए सदस्सन क कछू नाहीं देइ।

56“तोहरे पचन्क बीच सब त जियादा विनम्र अउ सुकुमार मेहरारु भी उहइ करी। अइसी धन्नासेठ अउ सुकुमार मेहरारु भी जउन कहुँ जाइ बरे भुईँया पइ गोइ भी न रखे होइ। उ आपन पियारा भतार या गदेलन क संग हाँसा बँटावइ क विरोध करी। 57उ जनम क बाद आपन ही गरभ क खेड़ी क खाइ अउ उ गदेलन क भी जेका उ जन्मी। उ ओका छिपा रुप स खाइ। काहेकि हुआँ कछू भी खइया क नाहीं बचा बाटइ। इ तब होइ जब तोहार दुस्मन तोहरे सहरन क खिलाफ घेरा डाली अउर बहोत जियादा कस्ट पहुँचाइ।

58“इ किताबे में जेतना सबदन अउ नेम लिखा बाटेन ओन सबन्क तू पचन्क मानइ चाही। तू पचन्क यहोवा आपन परमेस्सर क सम्मानित अउर महिमामय नाउँ क सम्मान करइ चाही। अगर तू पचे ऐनका नाहीं मनत्या 59तउ यहोवा तू पचन्क खउफनाक मुसीबत में डाइ देइ अउर तोहार सन्तानन खउफनाक मुसीबत उठइहीं अउर ओनका भयंकर रोग होइ जइहीं जउन लम्बे समइ तलक रइहीं 60यहोवा मिस्त्र स सबहिँ बेरमियन क लिआइ जेनसे तू पचे डेरात अहा। इ सबइ बेरमियन तू लोगन में रइहीं। 61यहोवा ओन बेरमियन अउ अउ परेसानियन क तोहरे बीच लिआइ जउन इ व्यवस्था क किताब में नाहीं लिखी गइ अहइँ। उ इ तब तलक करत रही जब तलक तू पचे नस्ट नाहीं होइ जात्या।

62तू पचे ऐतना जियादा होइ सकत ह जेतना अकासे में तारा अहइँ। मुला तू पचन में कछू ही बचा रइहीं। तू पचन्क संग इ काहे होइ? काहेकि तू पचे यहोवा आपन परमेस्सर क बात नाहीं मान्या।

63“पहिले यहोवा तोहार भलाइ करइ अउ तोहरे रास्ट्र क बढ़ावइ में खुस रहा। उहइ तरह यहोवा तू पचन्क नस्ट अउ बरबाद करइ में खुस होइ। तू पचे उ देस स बाहेर लइ जावा

जाब्या जेका तू पचे आपन बनावइ बरे ओहमाँ प्रवेस करत अहा। 64यहोवा तू पचन्क पृथ्वी क एक छोरे स दूसर छोरे तलक संसार क सबहिं लोगन मँ बिखेर देइ। हुआँ तू पचे दूसर काठ अउ पाथर क देवतन क पूजब्या जेनका तू पचे अउ तोहार पुरखन कबहुँ नाहीं पूजेन।

65“तू पचन्क एँन रास्ट्रन क बीच तनिकउ भी सान्ति नाहीं मिली। तू पचन्क आराम क कउनो जगह नाहीं मिली। यहोवा तू पचन्क दिमागन्क सबइ चिन्ता स भरि देइ। तोहार सबन्क आँखिन पथराइ जइहीं। तू पचे आपन क उखड़ा भवा महसूस करब्या। 66तू पचे संकट मँ रहब्या। तू पचे दिन-रात डेरान रहब्या। सदा ह सन्देह मँ घिरा रहब्या। तू पचे आपन जिन्नगी मँ कबहुँ सुरच्छित नाहीं रहब्या। 67भिन्सारे तू पचे कहब्या, ‘अच्छा होत, इ सौँझ होत।’ सौँझ क तू पचे कहब्या, ‘अच्छा होत, इ भिन्सार होत!’ काहेकि उ भय क कारण अउर ओकरे कारण जउन तू पचे लखब्या। 68यहोवा तू पचन्क जहाजन मँ मिस्र वापस पठइ। मई इ कहेउँ कि तू पचे उ जगह पइ दुबारा कबहुँ नाहीं जाब्या। मुला यहोवा तू पचन्क हुआँ पठइ। अउर हुआँ तू पचे आपन क आपन दुस्मनन क हाथे मनसेधु अउ मेहरारू दास क रुप मँ बेचइ क कोसिस करब्या, मुला कउनो मनई तू पचन्क बेसही नाहीं।”

### मोआब मँ वाचा

**29** इ सबइ बातन उ वाचा क अंग अहइ जउन वाचा क यहोवा मोआब प्रदेश मँ इस्राएल क लोगन क संग मूसा स करइ क कहेस। यहोवा इ वाचा क उ बचन स अलवा किहस जेका उ इस्राएल क लोगन क संग होरेब पहाड़े पइ किये रहा।

2मूसा सबहिं इस्राएली मनइयन क बटोरिके बोलाएस। उ ओमसे कहेस, “तू पचे उ सब कछू लख्या ह जउन यहोवा मिस्र देस मँ किहस। तू पचे उ सब भी लख्या जउन फिरौन, फिरौन क प्रमुखन अउ ओकरे पूरे देस क संग किहस। 3तू पचे ओन बड़की मुसीबतन क लख्या ह जउन उ ओनका दिहस। तू पचे ओकरे ओन चमत्कारन अउ बड़के अचरजन क लख्या ह जउन उ किहस।

4“मुला आजु भी तू पचे नाहीं समझत्या कि का भवा। यहोवा सचमुच तू पचन्क नाहीं समझाएस जउन तू पचे लख्या अउ सुन्या ह। 5मई तू पचन्क चालीस बरिस तलक रेगिस्ताने स होइके लइ जात रहा अउर उ लम्बे समइ क बीच तोहार पचन्क ओढ़ना अउ पनही फाटिके खतम नाहीं भएन। 6तोहरे लगे कछू भी भोजन नाहीं रहा। तोहरे पचन्क लगे कछू भी दाखरस या कउनो उत्तेजित करइवाला पिअइ क चीज नाहीं रही। किन्तु यहोवा तोहार देख-रेख किहस। उ इ एह बरे किहस कि तू पचे समुझ पउब्या कि उ यहोवा तोहार सबन्क परमेस्सर अहइ।

7“जब तू पचे इ ठउरे पइ आया तबहिं हेसबोन क राजा सीहोन अउ बासान क राजा ओग हम लोगन क खिलाफ लइइ आएन। मुला हम पचे ओनका हरावा। 8तब हम लोग इ सबइ पहँटा रूबेनियन, गादियन अउ मनस्से क आधे लोगन क ओनकइ कब्जा मँ दइ दीन्ह। 9एह बरे, इ वाचा

क आदेसन क पूरी तरह माना। तब जउन कछू तू पचे करब्या ओहमाँ सफल होब्या।

10“आजु तू पचे सबहिं यहोवा आपन परमेस्सर क समन्वा ठाइ अहा। तोहरे पचन्क प्रमुखन, तोहार परिवार समूहन, तोहार पचन्क अफसरन, तोहार पचन्क बुजुर्गन (प्रमुखन) अउर सबहिं दूसर लोग हिआँ अहइँ। 11तोहार पचन्क पत्नियन अउ गदेलन हिआँ अहइँ अउर उ सबइ विदेसी भी हिआँ अहइँ जउन तोहरे बीच रहत हीं अउ तोहार लकड़िन क काटत अउर पानी भरत हीं। 12तू पचे सबहिं हिआँ यहोवा आपन परमेस्सर क संग एक ठु वाचा करइवाला अहा। यहोवा तू लोगन क संग इ वाचा आजु करत अहइ। 13इ वाचा क जरिये यहोवा तू पचन्क आपन खास लोग बनावत अहइ अउर उ खुद तोहार परमेस्सर होइ। उ तोहरे पुरखन इब्राहीम, इसहाक अउ याकूब क इ वचन दिहे रहा। 14यहोवा आपन वचन दइके सिरिफ तू लोगन क संग ही वाचा नाहीं करत अहइ। 15उ इ वाचा हम सबहिं क संग करत अहइ जउन हिआँ यहोवा आपन परमेस्सर क समन्वा ठाइ अहइँ। मुला इ वाचा हमरे ओन संतानन क बरे भी अहइ जउन हिआँ आजु हम लोगन क संग नाहीं अहइँ। 16तू पचन्क याद अहइ कि हम मिस्र मँ कइसे रहत रहेन अउ कइसे सारा रास्ट्रन क जात्रा कीन्ह ह जउन हिआँ तलक हमरे राहे पइ रहेन। 17तू पचे ओनकइ घिनौनी चिजियन यानी काठ, पाथर, चाँदी अउ सोना क बनी देवमूरतियन लखेन। 18ठान ल्या कि आजु हिआँ हम लोगन मँ कउनो अइसा मनसेधु, मेहरारू, परिवार या परिवार समूह नाहीं अहइ जउन यहोवा, आपन परमेस्सर क खिलाफ जात होइ। कउनो भी मनई ओन रास्ट्रन क देवतन क सेवा करइ नाहीं जाइ चाही। जउन लोग अइसा करत हीं उ पचे उ पौधन क नाई अहइँ जउन करुआ, जहरीला फल पइदा करत होइ।

19“कउनो मनई इ अभिसापन क सुन सकत ह अउर आपन क संतोख देत भवा कहि सकत ह, ‘मई जउन चाहत हउँ करत रहब। मोर कछू भी बुरा भी नाहीं होइ।’ उ मनई आपन ऊपर ही मुसीबत नाहीं बोलाइ मुला उ सबन क ऊपर, अच्छे लोगन प भी बोलाइ।\* 20-21यहोवा उ मनई क छिमा नाहीं करी। नाहीं, यहोवा उ मनई पइ कोहाइ जाइ अउर ओका सजा देइ। इ किताबे मँ लिखे भए सबहिं अभिसापन ओह पइ पड़िहीं। यहोवा ओका इस्राएल क सबहिं परिवार समूहन स निकारिके बाहेर करी। यहोवा ओका पूरी तरह बरबाद करी। सबहिं आपत्तियन जउन इ किताबे मँ लिखी गइ अहइँ, ओह पइ अइहीं। उ सबइ सबहिं बातन उ वाचा क हींसा अहइँ जउन व्यवस्था क किताब मँ लिखी गइ अहइँ।

22“भविस्स मँ, तोहार सन्तानन अउ बहोत दूर क देसन स आवइवाले विदेसी लोग लखिहीं कि देस कइसे बरबाद होइ गवा अहइ। उ पचे ओन बेमारियन क लखिहीं जेनका यहोवा ओन लोगन मँ लिआइ। 23सारा देस बरत भए गन्धक अउ जोन स ढका भवा बेकार होइ जाइ। भुईया मँ कछू भी बोवा भवा नाहीं रही। कछू भी, हिआँ तलक खर-पतवार भी हिआँ

उ मनई ... बोलाइ सब्द क अरथ “ओकरे जरिये तृप्त अउर पिआसा दुइनउँ बरबाद कीन्ह जइहीं।

नाहीं उगिहीं। इ देस ओन नगरन-सदोम, अमोर, अदमा अउर सबोयीम क तरह बरबाद कइ दीन्ह जाइ। जेनका यहोवा, तब बरबाद किहे रहा, जब उ बहोत कोहान रहा।

24“सबहिँ दूसर रास्ट्र पूछिहीं, ‘यहोवा इ देस क संग अइसा काहे किहस? उ ऐतना कोहान काहे रहा?’ 25उ इ जबाब देइ, ‘इस्त्राएली लोग उ करार क सम्मान नाही किहस जेका यहोवा ओकर बापन स किहस अहइ। उ पचे उ वाचा क मानब बन्द कइ दिहेन जेका यहोवा ओनके संग तब किहे रहा जब उ ओनका मिस्र देस स बाहेर लिआए रहा। 26इस्त्राएल क लोग अइसे दूसर देवतन क पूजा, सेवा अउ मानवइ सुरु किहेन जेनकर पूजा क गियान ओनका पहिले कबहुँ नाही रहा। यहोवा आपन लोगन स ओन देवतन क पूजा करब मना किहे रहा। 27इहइ कारण अहइ कि यहोवा इ लोगन क खिलाफ बहोत कोहाइ ग रहा। एह बरे उ इ किताब मँ लिखे भए सबहिँ अभिसापन क ऐन पइ लागू किहस। 28यहोवा ओन पइ बहोत कोहाइ गवा अउर ओन पइ बउखलाइ उठा। एह बरे ओनके देस स ओनका बाहेर किहस। उ ओनका दूसर देस मँ पठएस जहाँ उ पचे आजु अहई।’

29“कछू अइसी बातन अहई जेनका यहोवा हमार परमेस्सर छुपाए रखेस ह। ओन बातन क सिरिफ उ ही जानत ह। मुला यहोवा हमका आपन नेमन क जानकारी दइ दिहस ह! इ व्यवस्था हमरे बरे अउ हमरे संताने बरे अहइ। हम पचन्क ऐका सवा मानइ चाही।

### इस्त्राएलियन क वापसी क बचन

30“जउन मई कहेउँ ह तू पचन पइ होइके रही। तू पचे आसीबाद स बढिया चीजन पउब्या अउ अभिसाप स बुरी चीजन पउब्या। यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क दूसर रास्ट्रन मँ पठई। तब तू पचे एकरे बारे मँ सोचब्या। 2उ समइ तू पचे अउर तोहार संतानन यहोवा, आपन परमेस्सर क लगे लौटिहीं। तू पचे पूरा तन-मन स ओन आदेसन क मनब्या जउन आजु हम पचे दीन्ह ह। 3तबहिँ यहोवा तोहार पचन्क परमेस्सर तू पचन्पइ दयालु होइ। यहोवा तू पचन्क फुन अजाद करी। उ ओन रास्ट्रन स तू पचन्क लउटाई जहाँ उ तू पचन्क पठए रहा। 4चाहे तू पचे पृथ्वी क सब त दूर जगह पइ पठइ दीन्ह गवा होइ, यहोवा तोहार परमेस्स तू पचन्क बटोरी अउर तू पचन्क हुआँ स वापस लिआइ। 5यहोवा तू पचन्क उ देस मँ लिआइ जउन तोहरे पुरखन क रहा अउर उ देस तोहार होइ। यहोवा तोहार भला करी अउर तोहरे लगे ओसे जियादा होइ, जेतना तोहरे पुरखन क लगे रहा अउर तोहरे रास्ट्र मँ ओसे जियादा लोग जेतना ओनके लगे कबहुँ रहेन। 6यहोवा तोहार परमेस्सर, तू पचन्क अउ तोहरे संतानन क हिरदय क खतना करी\* कि उ सबइ ओकरी अगया मानइ चइहीं। ‘तब तू पचे यहोवा क आपन सम्पूर्ण हिरदय अउ आतिमा स पिरेम करब्या अउर तू पचे जिअत रहब्या!

7“अउर यहोवा तोहार परमेस्सर इ सबइ अभिसापन क तोहरे ओन दुस्मनन पइ उतारी जउन तोहसे घिना करत हीं

अउर तू पचन्क परेसान करत हीं 8अउर तू फुन यहोवा क आग्या क मनब्या। तू पचे ओन सबहिँ आदेसन क मनब्या जेनका मई आजु तू पचन्क दिहेउँ ह। 9यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क ओन सब मँ सफल बनाई जउन तू पचे करब्या। उ तू पचन्क बहोत स गदेलन बरे, तोहरे गोरुअन क बहोत बछवन अउर तोहरे खेतन क नीक फसल होइ क वरदान देइ। यहोवा तोहरे बरे भला होइ। यहोवा तोहार भला करइ मँ वइसेन ही खुस होइ जइसेन खुस उ तोहरे पुरखन क भला करइ मँ होत रहा। 10मुला तू पचन्क उ सब कछू जरूर करइ चाही जउन यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्स करइ बरे कहत ह। तू पचन्क ओकरे अउ हुकुमन जउन व्यवस्था क इ किताबे मँ लिखे भए क जरूर मानइ चाही। तू पचन्क यहोवा आपन परमेस्सर कइँती आपन पूरा हिरदय अउर आतिमा स अर्पित होइ जाइ चाही।

### जिअब या मरब

11“आजु जउन आदेसन क मई तू पचन्क देत हउँ, उ तोहरे बरे बहोत कठिन नाही बा। इ तोहरी पहोंच क बाहेर नाही अहइ। 12इ आदेस सरग मँ नाही अहइ जेहसे तू पचन्क कहइ क पइइ ‘हम लोगन बरे सरगे मँ कउन जाइ अउ ओका हम लोगन क लगे लिआइ जेहसे हम पचे ओका सुनि सकी अउर ओकर पालन करइ सकी?’ 13इ आदेस समुदर क दूसरे पार नाही अहइ जेहसे तू पचे इ कहा कि ‘हमरे बरे समुदर कउन पार करी अउर ऐका लिआइ जेहसे हम पचे ऐका सुनि सकी अउर कइ सकी?’ 14नाहीं, यहोवा क बचन तोहरे लगे अहइ। इ तोहरे मुँह अउर तोहरे हिरदय मँ अहइ जेहसे तू पचे ऐका कइ सका।

15“मई आजु तोहरे पचन्क समन्वा जिन्नगी अउ मउत, समृद्धि अउ विनास धइ दिहेउँ ह। 16मई आजु तू पचन्क आदेस देत अहउँ कि यहोवा आपन परमेसर स पिरेम करा, ओकरे राहे पइ चला अउ ओकरे आदेसन, नेमन अउ हुकुमन क माना। तब तू पचे जिअत रहब्या अउ तोहार रास्ट्र जियादा तादाद मँ होइ। अउर यहोवा तोहार परमेस्सर तू पचन्क उ देस मँ आसीबाद देइ जेका आपन बनावइ बरे तू पचे हुआँ जात अहा। 17मुला अगर तू पचे यहोवा स मुँह फेरत अहा अउ ओकर नाफरमानी करत अहा अउर दूसर देवतन क सेवा अउ पूजा मँ बहकावा जात अहा। 18तब तू पचे पूरी तरह बरबाद कइ दीन्ह जाब्या। मई चिताउनी देत अहउँ, तू पचे यरदन नदी क पार क उ देस मँ लम्बे समइ तलक नाही रहब्या जेहमाँ आवइ बरे तू पचे तइयार अहा अउर जेका तू पचे आपन बनउब्या।

19“आजु मई तू पचन्क दुइ राहन क चुनइ क छूट देत हउँ। मई धरती अउ अकास क तोहरे साच्छी बरे बुलाए हउँ। तू पचे जिन्नगी क चुन सकत ह, या तू पचे मउत क चुन सकत ह। जिन्नगी क चुनब वरदान लिआइ अउर मउत क चुनब अभिशाप। एह बरे जिन्नगी क चुना। तबहिँ सिरिफ तू पचे अउर तोहार गदेलन जिअत रइहीं। 20तू पचन्क यहोवा आपन परमेस्सर स पिरेम करइ चाही अउ ओकर आग्या मानइ चाही। ओसे अउर ओसे चिपक जा। काहेकि यहोवा तोहार जिन्नगी अहइ, अउर यहोवा तू पचन्क उ देस

में लम्बा जीवन देइ जेका उ तोहरे पुरखन इब्राहीम, इसहाक अउ याकूब क देइ क बचन दिहे रहा।”

### यहोसू नवा नेता होइ

**31** तब मूसा अगवा बढ़ा अउ इस्राएलियन स इ सबइ बातन कहेस। 2मूसा ओनसे कहेस, “अब मई एक सौ बीस बरिस क अहउँ। मई अब आगे तोहार नेता क अगुवाइ नार्हीं कइ सकत हउँ। यहोवा मोसे कहेस ह: ‘तू पचे यरदन नदी क पार नार्हीं जाब्या।’ 3यहोवा तोहार परमेस्सर तोहरे आगे चली। उ इ सबइ रास्ट्रन क तोहरे पचन्क बरे बरबाद करी। तू पचे ओनकर देस ओसे हर लेब्या। यहोसू ओह पार तू लोगन क अगवा चली। यहोवा इ कहेस ह।

4“यहोवा इ रास्ट्रन क लोगन क संग उहइ करी जउन उ एमोरियन क राजा लोगन सीहोन अउ ओग क संग किहस। ओन राजा लोगन क देस क संग उ जउन किहस उहइ हिआँ करी। यहोवा ओनकर प्रदेसन क बरबाद किहस। 5अउर यहोवा तू पचन्क ओन रास्ट्रन क हरवइ देइ अउर तू पचे ओनके संग उ सब करब्या जेका करइ बरे मई कहेउँ ह। 6मजबूत अउ हिम्मती बना। इ सबइ रास्ट्रन स डेराअ जिन। काहेकि यहोवा तोहार परमेस्सर तोहरे संग जात अहइ। उ तू पचन्क न छोड़ी अउ तजी।”

7तब मूसा यहोसू क बोलाएस। जउने समइ मूसा यहोसू स बातन करत रहा ओह समइ इस्राएल क सबहि लोग लखत रहेन। जब मूसा यहोसू स कहेस, “मजबूत अउ हिम्मती बना। तू इ सबइ लोगन क उ देस में लइ जाब्या जेका यहोवा ऐनकइ पुरखन क देइ क बचन दिहे रहा। तू इस्राएल क लोगन क मदद उ देस क लेइ अउ आपन बनावइ में करब्या। 8यहोवा आगे चली। उ खुद तोहरे संग अहइ। उ तू पचन्क न मदद देब बन्द करी, न ही तू पचन्क छोड़ी। तू न ही डेरान अउ फिकिर में रहब्या।”

### मूसा व्यवस्था लिखत ह

9तब मूसा इ कानून क लिखेस अउ लेवी क सन्तान याजक क अउर इस्राएल क सबइ बुजुर्गन क दइ दिहस। ओनकर काम यहोवा क करार क सन्दूखे क लइ चलब रहा। 10मूसा ओनका आदेस दिहस, “हर सात बरिस पाछे, कुटीर क त्यौहार में इ सबइ नेमन क बाँचा। 11उ समइ इस्राएल क सबहि लोग यहोवा, आपन परमेस्सर स मिलइ बरे उ खास ठउरे पइ अइहीं जेका उ पचे चुनिहीं। तब तू लोगन में इ सबइ कानून क अइसे बाँचब जेहसे उ पचे सुनि सकइ। 12सबहि लोगन, मनसेधुअन, मेहररुअन, नान्ह गदेलन अउ आपन नगरन में रहइवाले सबहि प्रवासियन क बटोरा। उ पचे नेमन क सुनिहीं, अउर उ पचे यहोवा तोहरे परमेस्सर क आदर करब सिखिहीं अउर उ पचे इ नेमन क सब्दन क मानइ में होसियार रहई। 13अउर तब ओनकी संतानन जउन नेमन नार्हीं जानत ह, एँका सुनिहीं अउर उ पचे यहोवा तोहरे परमेस्सर क सम्मान करब सिखिहीं। उ पचे तब तलक सम्मान करिहीं जब तलक तू पचे उ देस में रहब्या जेका तू पचे यरदन नदी क ओह पार लेइ बरे तइयार अहा।”

### यहोवा मूसा अउ यहोसू क बोलावत ह

14यहोवा मूसा स कहेस, “अब तोहरे मरइ क समइ निचके आइ ग अहइ। यहोसू क ल्या अउ मिलापवाला तम्बू में जा। मई यहोसू क बताउब कि उ का करइ।” एह बरे मूसा अउ यहोसू मिलापवाला तम्बू में गएन अउर आपन क उपस्थित किहस।

15यहोवा बदरन क एक ठु खम्भा क रुप में परगट भवा। बदरे क खम्भा तम्बू क दुआरे पइ ठाड़ रहा। 16यहोवा मूसा स कहेस, “तू हाली ही मरब्या अउर जब तू आपन पुरखन क संग चला जाब्या तउ इ सबइ लोग मोह पइ बिस्सास नाही करब्या। उ पचे उ वाचा क तोड़ देइहीं जउन मई ऐनकइ संग किहे अहउँ। उ पचे मोका छोड़ देइहीं। अउर दूसर देवतन क पूजा करब सुरु करिहीं, ओन प्रदेसन क बनावटी देवतन क जेनमों उ पचे जइहीं। 17उ समइ, मई ऐन पइ बहोत कोहाइ जाब अउर ऐनका छोड़ देब। मई ओनकी मदद करब बन्द करब अउर उ पचे बरबाद होइ जइहीं। ओनके संग भयंकर सबइ घटना होइहीं अउर उ पचे विपत्ति में पड़िहीं। तब उ पचे कइहीं, ‘इ सबइ बुरी सबइ घटना हम पचन्क संग एह बरे होति अहई कि हमार परमेस्सर हमरे संग नार्हीं अहइ।’ 18तब मई आपन चेहरा ओन लोगन स छुपाइहीं काहेकि उ पचे बुरा कार्य करिहीं अउर दूसर देवतन क पूजा करिहीं।

19“एह बरे इ गीत क लिखा अउर इस्राएली लोगन क सिखावा। ओनका इ गाइ द्या। इ इस्राएल क लोगन क खिलाफ मोरे बरे साच्छी रही। 20मई ओनका उ देस में जउन में दूध अउर सहद बहत ह अउ जेका देइ क वचन मई ओनके पुरखन क दिहेउँ ह लइ जाब अउर उ पचे संतुटठ होइ तलक खाब्या। उ पचे अमीरी स भरी जिन्नगी बितइहीं। मुला ऐँकर बाद उ पचे दूसर देवतन क पूजा अउर ओनकर सेवा करिहीं। उ पचे मोसे मुँहना फेरि लेइहीं अउर मोर वाचा क तोड़िहीं, 21तब ओन पइ भयंकर आपदा अइहीं अउर उ पचे बड़ी मुसीबत में होइहीं। उ समइ ओनके लोग इ गीत क तब भी जनिहीं अउर इ ओनका बताइ कि उ पचे केलेंनी भूल पइ अहई। मई अभी तलक ओनका उ देस में नार्हीं पहोंचाएउ हउँ जेका ओनका देइ क बचन मई दिहेउँ ह। मुला मई पहिले स ही जानत हउँ कि उ पचे हुआँ का करइवाला अहई, काहेकि मई ओनकी आदत स परिचित अहउँ।”

22एह बरे मूसा उहइ दिन गीत लिखेस अउ उ गीत क इस्राएल क लोगन क सिखाएउँ।

23तब यहोवा नून क पूत यहोसू स बातन किहस। यहोवा कहेस, “मजबूत अउ हिम्मती बना। तू इस्राएल क लोगन क उ देस में लइ चलब्या जेका ओनका देइ क वचन मई दिहेउँ ह अउर मई तोहरे संग रहब।”

### मूसा इस्राएल क लोगन क चिताउनी देत ह

24मूसा इ सारे नेमन क सब्दन क एक ठु किताबे में लिखेस। जब उ एँका पूरा कइ लिहस तब 25उ लेवीबंसियन क आदेस दिहस (सबइ लोग यहोवा क करार क सन्दूखे क देख-रेख करत रहेन।) मूसा कहेस, 26“इ व्यवस्था क

किताबे क ल्या अउर यहोवा, आपन परमेस्सर क करार क सन्दूखे क बगल मँ धरा। तब इ हुआँ तोहरे खिलाफ साच्छी होइ। 27मई जानत हउँ कि तू बहोतइ अड़ियल अहा। मई जानत हउँ तू मनमानी करइ चाहत अहा। धियान द्या, आजु जब मई तोहरे संग हउँ तब भी तू यहोवा क आग्या मानइ स मना किह्या ह। मोरे मरइ क पाछे तू यहोवा क आग्या मानइ स अउर जियादा इन्कार करब्या। 28आपन सबहि परिवार समूहन क प्रमुखन अउ अफसरन क एक संग बोलावा। मई ओनका इ सब कछू बताउब अउर मई पृथ्वी अउ अकास क ओनके खिलाफ साच्छी होइ बरे बोलाउब। 29मई जानत हउँ कि मोर मउत क पाछे तू सबइ लोग पूरी तरह भ्रस्ट होइ जाब्या। तू पचे उ राहे स बगद जाब्या जेह पइ चलइ क आदेस मई दिहेउँ ह। तब भविस्स मँ तोहे सबन पइ आपद अइहीं। काहेकि तू पचे उ करइ चाहत अहा जेका यहोवा बुरा बतावत ह। तोहार बुरा काम करइ क कारण उ पचे तोहस कोहाइ जाब्या।”

### मूसा क गीत

30तब मूसा इस्त्राएल क सबहि लोगन क गीत सुनाएस। उ तब तलक नाहीं रुका जब तलक उ ऐँका पूरा नाहीं कइ लिहस।

**32** “हे गगन, सुन ल्या मई बोलिहउँ, पृथ्वी मोरे मुँहना स बात सुनी।

2मोरे उपदेस बरसिहइँ बर्खा क नाई, ओस समान बही पृथ्वी पइ मोरी वाणी, नरम घासन पइ बर्खा क मन्द झरी सी, हरिअर पौधन पइ बर्खा सी।

3मोर वाणी परमेस्सर क नाउँ सुनाई महँ कहब, स्तुति कर, परमेस्सर महान अहइ।

4“उ (यहोवा) हमार चट्टान अहइ ओकर सबहि काम पूर्ण अहइँ! काहेकि ओकर सबहि राह उचित अहइँ! उ विस्सास अउ निस्पाप परमेस्सर अहइ करत जउन उचित अउ सही अहइ।

5तू लोगन ओकर संग दुर्वेउहार किह्या तू ओकर संग भ्रस्ट तौर पइ बरताव किहेस। तोहार दोस एह बरे नाहीं कि तू पचे ओकर गदेलन अहइ। तू एक दुट्ठ अउ पतित पीढ़ी अहा।

6का इही बेउहार अहइ जेका तू यहोवा स करइ चाही? नाहीं! तू मूर्ख अउ जड़बुद्धि जन अहा। यहोवा परम पिता तोहार अहइ, उ तू पचन्क बनाएस, उ आपन जन क मजबूत बनाएस तू पचन्क।

7“याद करा बीता भवा दिन क सोचा बीती भइ पीढ़ियन क बरिसन क, बुढ़वा पिता स पूछा, उहइ कइहीं आपन प्रमुखन स पूछा; उहइ कइहीं।

8सर्वोच्च परमेस्सर आपन रास्ट्रन क आपन देसन क दिहस, उ मानव जाति उ विभाजित किहेस उ रास्ट्रन मँ इस्त्राएली क सम्बंध क बीच सरहद बनाएस।

9यहोवा क विरासत अहइ ओकर लोग; याकूब यहोवा क आपन अहइ।

10“यहोवा याकूब क रेगिस्तान मँ पाएस, सुनसान अउ साँय साँय करइवाली मरु भुइँया मँ। यहोवा याकूब क रच्छा

बरे ओका चारिहुँ कइँती घेर लिहस उ ओका आँखिन क पुतरी क नाई रच्छा किहेस।

11यहोवा उकाब क नाई इस्त्राएल क रच्छा किहस, जइसे उकाब घोसला स उठावत ह बच्चन क ओनका उड़इ बरे सिखावत ह। उ बच्चन क लइके रच्छा करत उड़ति ह उ आपन पखना फइलावत ह जब उ पचे ओका पकड़त ही। उ ओनका पखना पइ लइके उड़ति ह अउ सुरच्छित जहग पइ। परमेस्सर वइसेन अहइ।

12“अकेल्ले यहोवा याकूब क मारग दरसन किहस, कउनो देवता विदेसी ओकरे लगे न रहेन।

13यहोवा याकूब क पृथ्वी क ऊँच जगहन पइ चढ़ाएस, याकूब खेतन क फसल खाएस, यहोवा याकूब क पुट्ट चट्टानन क सहद स किहस; जइतून-तेल ओका वज्र-चट्टाने स दिहस,

14माखन खरका स दिहस, दूध झुण्ड स दिहस, गोस भेड़ी अउ बोकसन क, भेड़ा अउ बासान जाति क बोकसन स दिहस- बड़िया स बड़िया गोहूँ, लाल अंगूरे क दाखरस दिहस।

15“मुला यसूरुन मोटा भवा, साँड़े क नाई लात मारत, उ बाढ़ा अउ उ भारी भी रहा। उ ऊँच जाति अउ खूब पाला पोसा गवा उ आपन कर्ती क नकारेस अउर चट्टान बरे ओका अपमान किहेस, जउन उद्धारकर्ता रहा।

16जलोटा यहोवा क, दूसर देवन क पूजिके बनाएस! ओकर जन; कोहाइ दिहन परमेस्सर क आपन मुरतियन स जउन धिनौनी परमेस्सर क रहिन,

17उ पचे दानवन क बलि दिहन जउन फुरइ देवतन नाहीं रहेन ओन देवतन क बलि दिहन जेकर ओनका गियान नाहीं रहा। देवतन उ सबइ जेनका न पूजेन कबहुँ तोहार पुरखन नए रहेन।

18तू पचे चट्टान क तजि दिहा, तू पचे आपन परमेस्सर क बिसराया जउन जिन्नगी दिहस।

19“यहोवा लखेस इ जन क आपन कहइ स इन्कार किहस, ओका ओकर बेटवन अउ बिटियन कोहाइ दिहन।

20तब यहोवा कहेस, ‘मई ऐंसे मुँह मोड़बउँ! मई लखि सकउँ - ओनका अन्त होइ। काहेकि भ्रस्ट सबहि ओनकी पीढ़ियन अहइँ। उ सबइ अहइँ अइसा सन्तान जेनका विस्सास नाहीं अहइ!'

21उ पचे मोका मूरतियन स ईस्यलु बनाएन जउन परमेस्सर नाहीं अहइ। उ पचे मोका आपन निरर्थक मूरतियन स नाराज किहेन। एह बरे मई ओन लोगन स जउन इस्त्राएलियन नाहीं अहइ ईस्यलु बनाइ देब। मई ओन लोगन क मूर्ख रास्ट्र स नाराज करइ देब।

22मोर किरोध आगी क नाई सुलगत अहइ। मोर किरोध मोत क ठउर क नाई गहिर तलक, मोरे किरोध भुइँया नस्ट करत ह। अउ फसल क, अउ पहाड़े क नेंव मँ आगी लगावत ह।

23“मई इस्त्राएलियन प विपत्ति ढाउब, मई आपन बाण ओन पइ चलाउब।

24उ पचे भूखन क मारे दूबर स दूबर होइहीं। भयंकर महारोग ओनकर विनास करिहीं। मई जंगली जनावर क

ओनके खिलाफ पठउब जहरीला सॉपन अउ रेगंड वाला जहरीला जंतुअन क ओनका डसइ पठउब।

25बाहेर सड़कन पइ तरवारे स मारा जइहीं, अउ घरे क भीतर भय अउ डर स। सिपाही मारि डइहीं जवान मनसेधू अउ मेहररुअन। उ पचे मारि डइहीं नान्ह गदेलन अउ बुढवन क।

26मइँ कहत हउँ, मइँ ओका तितर-बितर कइ देब। इस्त्राएलियन क लोगन स बिसरि जाइ द्या।

27मुला मइँ दुस्मन क कोहाइ क आसंका दूर करब, जउन होइ सकत ह दुस्मन गलत समुझत ही। उ पचे सेखी बघरिहीं अउर कइहीं, “हम पचे जीत लीन्ह ह आपन ताकत स, यहोवा नाहीं किहस इ काम क।”

28“उ मूरख रास्ट्र अहइँ उ पचे कछू भी समुझ नाहीं पातन अहइँ।

29अगर उ समझदार होतेन तउ एँका समुझ पउतेन अउर लख लेतेन आपन भविस्स।

30कइसे एक तु हजारन क पीछा करत? कइसे दस हजार क दुइ तु भगाइ देतेन? इ तबइ होत जब सैल यहोवा देत ओनका, अउर ओनका गुलाम बनाइ देत।

31तोहार ‘चट्टान’ हमार चट्टान क नाइँ नाहीं। हमार दुस्मन इ सच्चाई क खुद लखि सकत हीं।

32ओनकर अंगूरे क लता सदोम क लता स अउ अमोर क खेत स अहइ। ओनकर अंगूर बिखौला होत हीं ओनकर अंगूरन क गुच्छन करुआन।

33ओनकर दाखरस सॉपन क बिख जइसी अहइँ अउ नागिन क जहर क नाइँ।

34“पर्भू कहत बा ‘मइँ उ सजा क सुरच्छित रखेउँ ह। मइँ एँका आपन बस्तू-भण्डारे में बन्द किहेउँ ह।

35सिरिफ मइँ ही देइवाला दण्ड अहउँ मइँ ही लोगन क अपराधन क बदला देत हउँ, जब अपराधन में ओनकइ गोड़वा फिसल जाइ, काहेकि विपत्तिकाल ओनके निअरे अहइ अउर दण्ड समइ ओनका दौड़ि आइ।’

36“यहोवा आपन जन क निआव करि। उ पचे ओकर सेवक अहइँ, उ दयालु होइ। उ ओकरे बल क मिटाइ लिखिही तउ उ ओन सबहिं अजाद अउ दासन क होत लखी असहाय।

37उ तब पूछी, ‘लोगन क लबार देवतन कहाँ अहइँ? उ ‘चट्टान’ कहाँ अहइ, उ पचे जेकर सरण गएन?

38मनइयन क इ सबइ देव, बलि क चर्बी खात रहेन, अउर दारु, दारु क भेंट की पिअत रहेन। एह बरे उठइँ इ सबइ देव, मदद तोहार करइँ तोहरी इ सबइ रच्छा करइँ!

39“लखा अब मइँ तोहार परमेस्सर अहउँ! नाहीं दूसर कउनो भी परमेस्सर मइँ ही निहचय करब लोगन क जिअत राखेउँ या मारुँ। मइँ लोगन क दइ सकत हउ चोट अउर ठीक भी रख सकत हउँ। अउर न बचाइ सकत केउ कउनो क मोरी सक्ति क बाहेर।

40आकास कइँती हाथ उठाइके मइँ वचन देत हउँ। अगर इ फुरइ अहइ कि मइँ सास्वत हउँ।

41मइँ आपन बिजरी क तरवार क उपयोग करब। मइँ निआव पइ रहब। मइँ एका आपन दुस्मन पइ प्रयोग करब। मइ ओका जवाब देब जउन मोहस घिना करत ह।

42मोर दुस्मनन मारा जइहीं अउर बन्दी होइहीं। हमार बाण ओनके रक्त स रंग जइहीं। मोर तरवार दुस्मन क मूँड क काटि देइ।’

43“सब संसार परमेस्सर क मनइयन स खुस होइ। काहेकि उ ओनकी मदद करत ह आपन सेवकन क हत्तियारन क उ सजा देत रहत ह। उ आपन दुस्मनन स बदला लेत ह अउर आपन देस अउर आपन लोगन बरे प्रायश्चित करत ह।”

### मूसा लोगन क आपन गीत सिखावत ह

44मूसा आवा अउ इस्त्राएल क सबहिं लोगन क सुनइ बरे उ गीत पूरा सुनाएस। नून क पूत यहोसू मूसा क संग रहा। 45जब मूसा लोगन क इ उपदेस देब खतम किहस 46तब उ ओनसे कहेस, “तू पचन्क निहचय करइ चाही कि तू ओन सबहिं आदेसन क सुमिरिब्या जेका मइँ आजु तू पचन्क बतावत जरूर हउँ अउर तू पचन्क आपन गदेलन क इ जरूर बतावइ चाही कि एँन व्यवस्था क सबइ नेमन क होसियारी स उ पचे पूरी तरह मानइँ। 47इ जिन समुझा कि इ सबइ उपदेस महत्व क नाहीं अहइँ। इ सबइ तोहार जिन्गी अहइँ। एँन उपदेसन क जरिया तू पचे उ यरदन नदी क पार क देस में लम्बे समइ तक रहब्या जेका लेइ बरे तू पचे तइयार अहा।”

### मूसा नबो पहाड़े पइ

48यहोवा उहइ दिन मूसा स बतियान। यहोवा कहेस, 49“अबारीम पहाड़े पइ जा। यरीहो सहर स पार होइके मोआब पहाँटा में नबो पहाड़े पइ जा। तब तू उ कनान प्रदेस क लखि सकत ह जेका मइँ इस्त्राएल क लोगन क रहइ बरे दइ देत हउँ। 50तू उ पवते पइ मरब्या। तू वइसेन ही ओन लोगन स मिलब्या जउन मरि गए अहइँ जइसे तोहार भाई हारुन होर पहाड़े पइ मरा अउ आपन लोगन स मिला। 51काहेकि जब तू सीन क रेगिस्तान में कादेस क निअरे मरीबा क जलासयन क लगे रहया तब मोरे खिलाफ पाप किहे रहया अउ इस्त्राएल क लोग ओका हुआँ लखे रहेन। तू मोर सम्मान नाहीं किहया अउर तू इ लोगन क नाहीं देखाया कि मइँ पवित्तर अहउँ। 52एह बरे अब तू आपन समन्वा उ देस क लखि सकत ह किन्तु तू उ देस में जाइ नाहीं सकत्या जेका मइँ इस्त्राएल क लोगन क देत अहँउ।”

### मूसा इस्त्राएल क लोगन क आसीर्बाद देत ह

33 मरइ क पहिले परमेस्सर क मनई मूसा इस्त्राएल क लोगन क इ वरदान दिहस:

2मूसा कहेस, ‘यहोवा सिनाइ स आवा। यहोवा सेईर क भिन्सारे क रोसनी क नाई चमका। उ पारान पहाड़े स फूटइ वाला प्रकास क नाई रहा। यहोवा दस हजार पवित्तर लोगन क संग आवा। ओकरी दाहिन कइँती बलवान सिपाही रहेन।

3हँ, यहोवा पिरेम करत ह मनइयन स सबहिं पवित्तर मनइयन ओकरे हथवन में अहइँ अउर चलत हीं उ ओकरे पद चीन्हन पइ हर एक मनई अंगीकार करता ओकर उपदेस।

4मूसा दिहस नेमन हम पचन्क उ सबइ-जउन अहईं याकूब क सबहिं लोगन क। 5उहइ समइया, इस्त्राएल क लोग अउ नेता लोग मिलेन अउ यहोवा भवा यसूरुन क राजा।

### रूबेन क आसीबाद

6“रूबेन जिअत रहइ, उ न मरइ होइ सकत ह रूबेन जिअत रहा उ न मरइ, मुला ओकर बंस में मनइयन अधिक न होब।”

### यहूदा क आसीबाद

7मूसा यहूदा क परिवार समूह बरे इ सबइ बातन कहेस: “यहोवा, सुन लेइ यहूदा क प्रमुख क जब उ माँगइ मदद लिआवइ ओका आपन लोगन में सक्तीसाली बनावइ ओका, करइ मदद ओकर दुस्मन क हरावइ में।”

### लेवी क आसीबाद

8मूसा लेवी क बारे में कहेस: “तोहार मनवइयन सच्चा लेवी धारण करत ऊरीम-तुम्मीम, मस्सा पइ तू लेवी क परीच्छा लिहा, तोहार विसेख मनई रखत रहा ओनका। लड़ा तू रहया ओकरे बरे मरीबा क जलासन पइ।

9लेवी बताएस आपन महतारी-बाप क बारे में: मई न करब ओनकइ परवाइ, मानेस नाहीं उ आपन भाई, क या जानेस आपन गदेलन क; लेवीबंसियन पालेन आदेस तोहार, अउर निभाएन वाचा तोहसे जउन।

10उ पचे सिखइहीं याकूब क नेम तोहार अउर इस्त्राएल क व्यवस्था जउन तोहार। उ पचे सुलगइहीं सुगन्धि तोहार आगे अउ तोहार सारी होमबलि वेदी क जगह पइ।

11यहोवा, ओकर धन क आसीबाद द्या अउर ओकर काम क अंगीकार किहेस। उ ओका नास कइ द्या जउन उ पइ हमला किहेस अउ ओका हराइ द्या जउन ओहस घृना किहेस इस प्रकार उ फुन हमला नाहीं कइ सकत।”

### बिन्यामीन क आसीबाद

12बिन्यामीन क बारे में मूसा कहेस: “यहोवा क पिआरा ओकरे संग सुरच्छित होइ। यहोवा आपन पिआरा क रच्छा करत सारा दिन, अउर बिन्यामीन क भुईया पइ रहत यहोवा।”

### यूसुफ क आसीबाद

13मूसा युसुफ क बारे में कहेस: “यहोवा द्या आसीबाद ओकरे देस क सरग क उन्तिम बर्खा जहाँ होई; अउ धरती क तले स पानी अउ ओस मिलइ।

14सूरज क दीन्ह उन्तिम फल होई ओकर अउर हर महीना में सब स बढ़िया फल होई। 15पहाड़ियन अउ पुरान पहाड़न सब स बढ़िया फल उपजावई।

16धरती देइ सब स बढ़िया फल यूसुफ बरे उ जउन भाइयन स अलगाइ दीन्ह ग रहा। तउ परमेस्सर जउन बरत भइ झाड़ी में रहत ह स सब स बढ़िया बरदान देइ यूसुफ क।

17यूसुफ आपन गोरु क पहिला पइदा भवा क गौरव पाइ। ओकर दुइनउँ बेटवन बर्धा क सींगे क तरह अहईं। उ पचे रास्ट्रन क धरती क आखिरी छोर तलक छेद देब। ओन में स हजारन क हजार मनस्सप स अहइ अउर ओन में स दसन हजार एप्रैम स ह।”

### जबूलून क आसीबाद

18जबूलून क बारे में मूसा कहेस: “जबूलून, खुस रहा जा जब बाहेर अउर इस्साकार, खुस रहइ आपन सिबिर पइ।

19उ पचे लोगन क न्यौतिहीं आपन पहाड़े पइ हुआँ करिहीं भेंट सबहिं सच्ची बलि काहेकि उ पचे लोग सागर स निकारत हीं धन अउर पइहीं बालू में छिपा भवा जउन धन अहइ।”

### गाद क आसीबाद

20मूसा गाद क बारे में कहेस: “स्तुति करा परमेस्सर क जउन गाद क बढ़ावत ह। गाद ओलरा रहत अउ जोहत सिंह क नाई, उ फड़ि देत ह बाजु अउ मूँडे क टूकन में।

21आपन खातिर चुनत ह उ, सब स खास हींसा राजा बरे सुरच्छित रहब। मनइयन क नेतन आवत हीं ओकरे लगे। उ करत ह उहइ जउन परमेस्सर क इच्छा बा। अउर यहोवा बरे इस्त्राएलियन क संग निआव करत ह।”

### दान क आसीबाद

22दान क बारे में मूसा कहेस: “दान सेरे क बच्चा अहइ जउन बासान स उछरा करत ह।”

### नप्ताली क आसीबाद

23नप्ताली क बारे में मूसा कहेस: “नप्ताली, तू बहोतइ बढ़िया चीजन क रखब्या। यहोवा क आसीबाद तोहरे बारे भरपूर अहइ, लइ ल्या पच्छिम अउ दक्खिन क प्रदेस।”

### आसेर क आसीबाद

24मूसा आसेर क बारे में कहेस: “आसेर क पूतन में सब स जियाद अहइ आसीबाद, ओका आपन भाई लोगन में सब स पियारा होइ द्या अउ ओका आपन गोड़ तेल स धोवइ द्या।

25तोहरे फाटकन क ताला होइहीं लोहा अउ काँसा क तू जिन्नगी भइ सक्ती स भरपूर रहब्या।”

### मूसा परमेस्सर क स्तुति करत ह

26“यसूरून, परमेस्सर क नाई नाहीं अहइ अउर कउनो परमेस्सर आपन महिमा में चलत ह चढ़िके बदरा पइ, अकासे स होइके आवत ह मदद करइ तू पचन्क।

27परमेस्सर सास्वत अहइ तोहार सरण सुरच्छित अहइ। परमेस्सर क सक्ती सास्वत अहइ उ तोहार सुरच्छा करत ह अउर बल स हटावत ह दुस्मनन क, कहत ह उ ‘नास करा दुस्मनन क।’

28तउ इस्त्राएल सुरच्छित रही सदा याकूब क जलस्रोत सुरच्छित अहइ धरती में। अन्न अउ नइ दाखरस क पइहीं सुन्नर धरती में अउ उ भुइँया सूबइ पाइ।

29इस्त्राएलियो, तू पचे आसीस पाए अहा तोहार जइसा कउनो रास्ट्र नाही। तू यहोवा क दुआरा सुरच्छा पाउब्या। उ तोहार सुरच्छा ढाल अहइ। यहोवा अहइ विजय तरवार तोहार करइ वाली। तोहार दुस्मनन तोहसे डेरइहीं, अउर तू रउँद देब्या ओनकइ लबार देवतन क ठउसन क।”

### मूसा क मउत

**34** मूसा मोआब क समतल पहुँटा स नबो पहाड़े पइ गवा जउन यरीहो क पार पिसगा क चोटी पइ रहा। यहोवा ओका गिलाद स दान तलक सारा प्रदेस देखाएस। 2यहोवा ओका सारा नप्टाली, जउन एप्रैम अउ मनस्से क रहा, देखाएस। उ पस्चिमी सागर तलक यहूदा क प्रदेस देखाएस। 3यहोवा मूसा क खजूरे क बृच्छन क सहर सोअर स यरीहो तलक फइली घाटी अउर नेगेव देखाएस। 4यहोवा मूसा स कहेस, “इ उ देस अहइ जेका मईँ इब्राहीम, इसहाक, अउर याकूब क बचन दिहे रहेउँ कि, ‘मईँ इ देस क तोहरे सन्तानन क देब।’ मईँ तू पचन्क इ देस देखाउब। मुला तू पचे हुआँ जाइ नाही सकत्या।” 5तब यहोवा क सेवक मूसा मोआब देस में उहइँ मरा। यहोवा मूसा स कहे

रहा कि अइसा होइ। 6यहोवा बेतपोर क पार मोआब प्रदेस क घाटी में मूसा क दफनाएस। मुला आजु भी कउनो नाही जानत कि मूसा क कब्र कहाँ बाटइ। 7मूसा जब मरा उ एक सौ बीस बरिस क रहा। ओकर आँखिन कमजोर नाही रहिन। उ तब भी बलवान रहा। 8इस्त्राएल क लोग मूसा बरे मोआब क खाले प्रदेस में तीस दिना तलक रोवत पीटत रहेन। इ सोक मनावइ क पूरा समइ रहा।

### यहोसू मूसा क जगह लेत ह

9तब नून क पूत यहोसू बुद्धिमत्ता क आलिमा स भरपूर रहा काहेकि मूसा ओह पइ आपन हाथ धइ दिहे रहा। इस्त्राएल क मनइयन यहोसू क बातन मानेन। उ पचे वइसा ही किहन जइसा यहोवा मूसा आदेस दिहे रहा। 10मुला उ समइ क पाछे, मूसा क नाई कउनो नबी नाही भवा। यहोवा परमेस्सर मूसा क प्रत्यक्ष जानत रहा। 11कउनो दूसर नबी उ सारे चमत्कार अउ अचरज भरा काम नाही देखाएन जेनका करइ बरे यहोवा मूसा क मिस्त्र क भुइँया में पठए रहा। उ पचे चमत्कार अउ अचरज, फिरौन, ओकर सबइ सेवकन अउ मिस्त्र क सबहिं वस्तुअन बरे करइ ग रहेन। 12कउनो दूसर नबी कबहुँ ओतना सक्तीसाली अउ अचरज भरा चमत्कार नाही किहस जउन मूसा किहस अउर जेनका इस्त्राएल क सबहिं लोग लखेन।